



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 194]

नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 1, 2017/श्रावण 10, 1939

No. 194]

NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 1, 2017/ SRAVANA 10, 1939

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 2017

अंतिम जांच परिणाम

विषय: रूस, इंडोनेशिया, जार्जिया और ईरान के मूल के अथवा वहां से निर्यातित अमोनियम नाइट्रेट के आयात से संबंधित पाटनरोधी जांच।

क. मामले की पृष्ठभूमि

फा. सं. 14/1/2016-डीजीएडी:—समय-समय पर यथा संशोधित, सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात यहां अधिनियम भी कहा गया है) और उसकी समय-समय पर यथा संशोधित सीमा प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की पहचान, आकलन और संग्रहण तथा क्षति के निर्धारण हेतु) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात नियमावली भी कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

2. जबकि रूस, इंडोनेशिया, जार्जिया और ईरान (जिन्हें इसके बाद संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "अमोनियम नाइट्रेट" (जिन्हें इसके बाद यहां संबद्ध सामान कहा गया है) के आयात से संबंधित पाटनरोधी जांच किए जाने के लिए अधिनियम और नियमावली के अनुसार, दीपक फर्टिलाइजर्स और पैट्रोकेमिकल्स कारपोरेशन लि. एवं स्मार्टकेम टेक्नोलॉजी लि. (जिन्हें इसके बाद याचिकाकर्ता अथवा आवेदक अथवा घरेलू उद्योग भी कहा गया है) ने संयुक्त रूप से निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष एक आवेदन दायर किया जिसमें उन्होंने पाटन एवं परिणामस्वरूप क्षति का आरोप लगाया है तथा संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों के आयात पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने का अनुरोध किया है।

3. और जबकि प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर भारत के राजपत्र में प्रकाशित 05 अगस्त, 2016 की अधिसूचना संख्या 14/1/2016-डीजीएडी द्वारा एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसमें तथाकथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव निर्धारित करने के लिए और पाटनरोधी शुल्क की मात्रा की सिफारिश करने, यदि कोई लगाया जाता है, जिससे घरेलू उद्योग को क्षति पर्याप्त रूप से समाप्त हो जाएगी, के लिए नियमावली के उप नियम 5 के अनुसार विषयगत जांच शुरू की।

ख. प्रक्रिया

4. प्राधिकारी ने संबद्ध जांच के संबंध में निम्नलिखित निर्धारित प्रक्रिया अपनाई है:

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियमावली के तहत संबद्ध देशों से निर्यातित अथवा वहां के मूल के अमोनियम नाइट्रेट के पाटन का आरोप लगाने वाले घरेलू उद्योग की ओर से आवेदकों से लिखित आवेदन प्राप्त किए।
- (ii) आवेदन की प्राथमिक जांच में कतिपय कमियां सामने आई हैं जिनमें आवेदकों द्वारा बाद में संशोधन कर दिया गया था और संशोधित कर दी गई थी तथा आवेदकों द्वारा अद्यतन याचिका दायर की गई थी। अतः आवेदन समुचित रूप से दस्तावेज युक्त माने गए थे।
- (iii) प्राधिकारी ने नियम 5 के पैरा के उप नियम (5) के अनुसार जांच शुरू करने की कार्रवाई से पूर्व वर्तमान पाटनरोधी आवेदन की प्राप्ति के संबंध में भारत में संबद्ध देशों के दूतावास को सूचित किया।
- (iv) प्राधिकारी ने संबद्ध सामानों के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित 05 अगस्त, 2016 का सार्वजनिक नोटिस जारी किया।
- (v) प्राधिकारी ने आवेदकों द्वारा उपलब्ध कराए गए पतों के अनुसार, भारत में संबद्ध देश के दूतावास, संबद्ध देश से ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों, भारत में ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं, घरेलू उद्योग और अन्य घरेलू उत्पादकों को जांच आरंभन अधिसूचना की एक प्रति भेजी है और उनसे जांच शुरूआत अधिसूचना के 40 दिनों के भीतर लिखित में उनके विचारों से परिचित कराने का अनुरोध किया है।
- (vi) प्राधिकारी द्वारा ऊपर नियमावली के नियम 6(3) के अनुसरण में भारत में संबद्ध देश के दूतावास और ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की एक प्रति उपलब्ध कराई गई है।

(vii) भारत में संबद्ध देशों के दूतावास से भी अनुरोध किया गया था कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए अपने देशों के निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह दें। उत्पादकों/निर्यातकों को भेजे गए पत्र/प्रश्नावली की एक प्रति संबद्ध देशों के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों के नाम और पतों के सहित उन्हें भी भेजी गई थी।

(viii) प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(4) के अनुसरण में निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को संगत जानकारी प्रदान करने के लिए निर्यातक प्रश्नावली भेजी:

- क. शिराज पैट्रोकेमिकल, तेहरान, ईरान
- ख. यूरोकेम, मॉस्को, रूस
- ग. उरालकेम, मॉस्को, रूस
- घ. पीटी काल्टिम नाइट्रोइंडोनेशिया, इंडोनेशिया
- ड. रूस्तवी अजोट, जॉर्जिया

(ix) संबद्ध देशों के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्धारित प्रपत्र में निर्यातकों का प्रश्नावली का उत्तर दायर किया:

- क. जेएससी अजोट, रूस
- ख. ड्रेमूर फर्टिलाइजर्स ओवरसीज पीटीई लि., सिंगापुर
- ग. रूस्तवी अजोट एलएलसी, जॉर्जिया
- घ. ज्वाइंट स्टॉक कंपनी यूनाइटेड केमिकल कं., उरालकेम, रूस
- ड. एसआईए उरालकेम ट्रेडिंग, लटविया
- च. उरालकेम ट्रेडिंग हाउस एलएलसी, रूस
- छ. नेविनोमिस्की अजोट (नेविनको), रूस
- ज. यूरोकेम ट्रेडिंग जीएमबीएच, स्विट्जरलैंड
- झ. नोवोमोस्कोविसकाया (नक अजोट), रूस

(x) प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(4) के अनुसरण में आवश्यक सूचना की मांग करते हुए भारत में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को आयातकों की प्रश्नावली भेजी:

- क. सोलर इंडस्ट्रीज लिमिटेड, नागपुर
- ख. स्पेशल ब्लास्ट लिमिटेड, रायपुर (सी.जी.)
- ग. आईडीएल इंडस्ट्रीज लिमिटेड, हैदराबाद, आंध्र प्रदेश
- घ. इंडियन एक्सप्लोसिव्स प्रा. लिमिटेड (ओरिका), कोलकाता, पश्चिम बंगाल
- ड. ब्लैक डायमंड, आसनसोल, पश्चिम बंगाल
- च. वेट्रीवेल एक्सप्लोसिव प्रा. लि., सलेम, तमिलनाडु

छ. सालवो एक्सप्लोसिव्स एंड केमिकल्स, सिंकंदराबाद

(xi) आयातकों की प्रश्नावली का उत्तर निम्नलिखित द्वारा दायर किया गया है:

- क. ब्लैक डायमंड एक्सप्लोसिव्स प्रा. लिमिटेड, धनबाद
- ख. इंडियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड (आईबीपी डिविजन)
- ग. सोलर इंडस्ट्रीज इंडिया लिमिटेड, नागपुर
- घ. आईडीएल एक्सप्लोसिव्स लिमिटेड, तेलंगाना
- ड. वेट्रीवेल एक्सप्लोसिव्स लिमिटेड, सलेम, तमिलनाडु
- च. इंडियन एक्सप्लोसिव्स लिमिटेड, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
- छ. स्पेशल ब्लाट्स लिमिटेड, रायपुर, छत्तीसगढ़
- ज. एकेएस एक्सपो-केम प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली
- झ. आइडियल इंडस्ट्रियल एक्सप्लोसिव्स लिमिटेड, तेलंगाना

(xii) उत्तरदायी आयातकों, निर्यातकों, घरेलू उद्योग और अन्य घरेलू उत्पादकों के अलावा, इस जांच की अवधि के दौरान रशियन फेडरेशन द्वारा अनुरोध प्राप्त किए गए हैं।

(xiii) प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए खुली रखी गई सार्वजनिक फाइल के रूप में, विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतर उपलब्ध कराया।

(xiv) आवेदक ने आईबीआईएस स्रोत से लेन-देन वार आयात आंकड़े प्रस्तुत किए थे और प्राधिकारी ने जांच शुरू करने के लिए उस पर प्रथम दृष्ट्या विश्वास किया था। जांच शुरू करने के बाद प्राधिकारी ने पिछले तीन वर्षों के लिए तथा जांच की अवधि के लिए डीजीसीआईएंडएस से लेन-देन वार आयात आंकड़े भी प्राप्त किए और अब इस प्रकटन विवरण में इन जांच परिणामों में उस पर विश्वास किया है।

(xv) सामान्य रूप से स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों (जीएपी) तथा पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना पर आधारित संबद्ध सामानों के उत्पादन की लागत तथा उन्हें बनाने और बेचने की लागत के आधार पर गैर क्षतिकारक कीमत (एनआईपी) निकाली गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क लगाना क्या घरेलू उद्योग की क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।

(xvi) आवेदक घरेलू उद्योग द्वारा दी गई सूचना का सत्यापन, जहां तक आवश्यक समझा जाए, प्राधिकारी द्वारा किया गया था। केवल आवश्यक संशोधन के साथ इस सत्यापित सूचना, जहां भी लागू हो, पर वर्तमान जांच परिणामों के प्रकटन विवरण के प्रयोजन के लिए विश्वास किया गया है।

(xvii) वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि (पीओआई), 01 अप्रैल, 2015 से 31 मार्च, 2016 (12 महीने) है। तथापि, क्षति जांच की अवधि 2012-13, 2013-14, 2014-15 और जांच की अवधि मानी गई है।

(xviii) इस जांच की अवधि के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों का, जहां भी संगत पाया गया, प्राधिकारी द्वारा इन जांच परिणामों में इस प्रकटन विवरण में समाधान किया गया है।

(xix) गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना की गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई। संतोषजनक पाए जाने पर, प्राधिकारी ने जहां भी जरूरत थी, गोपनीयता के दावे को स्वीकार किया है और ऐसी जानकारी को गोपनीय समझा गया है तथा इसे अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं किया गया है। जहां भी संभव था, गोपनीय आधार पर सूचना उपलब्ध कराने वाले पक्षकारों को गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना के पर्याप्त अगोपनीय रूपांतर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है।

(xx) जहां भी किसी हितबद्ध पक्षकारों ने वर्तमान जांच की अवधि के दौरान पहुँच से इंकार किया है या अन्यथा रूप से आवश्यक सूचना उपलब्ध नहीं कराई है या उल्लेखनीय रूप से जांच को बाधित किया है, प्राधिकारी ने ऐसे पक्षकारों को असहयोगी माना है और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर प्रकटन विवरण को दर्ज किया है।

(xxi) *** इस दस्तावेज में हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर उपलब्ध कराई गई सूचना का प्रतिनिधित्व करता है और नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा इसी प्रकार विचार किया जाता है।

(xxii) संबद्ध जांच के लिए प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई विनिमय दर 65.91 रुपए = 1 अमेरिकी डॉलर है।

(xxiii) प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(6) के अनुसरण में 20 दिसंबर, 2016 को और उसके बाद 15 जून, 2017 को हुई सुनवाई में मौखिक रूप से संगत जानकारी प्रस्तुत करने के लिए हितबद्ध पक्षकारों को एक अवसर उपलब्ध कराया था। जिन पक्षकारों ने मौखिक सुनवाई में भाग लिया था, उन सभी पक्षकारों को यह सलाह दी गई थी कि वे मौखिक रूप से व्यक्त विचारों को लिखित अनुरोधों के रूप में दायर कराएं। पक्षकारों को सलाह दी गई थी कि विरोधी पक्षकारों द्वारा व्यक्त विचारों की प्रतियां एकत्र कर लें और उन्हें अपने खंडन पेश करने की सलाह दी गई थी। कई हितबद्ध पक्षकारों ने उस सुनवाई में भाग लिया।

(xxiv) हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त लिखित अनुरोधों में दिए गए तर्कों पर वर्तमान जांच परिणामों में प्रकटन विवरण में विचार किया गया है।

(xxv) नियमावली के अनुसार प्राधिकारी ने 13 जुलाई, 2017 को जारी प्रकटन विवरण द्वारा सभी हितबद्ध पक्षकारों को वर्तमान जांच के अनिवार्य तथ्य प्रकट किए और उन्हें सलाह दी कि वे 27 जुलाई, 2017 तक प्रकटन विवरण पर अपनी टिप्पणियां दायर करें। घरेलू उद्योग तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त टिप्पणियों का जहां तक संगत समझा गया है, इस जांच परिणाम में समाधान कर दिया गया है।

ग. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

5. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद "अमोनियम नाइट्रेट" है, चाहे वह प्रिल्ड, ग्रेन्युलर अथवा अन्य ठोस रूप में हो और संयोजनों अथवा कोटिंग सहित या इसके बिना हो तथा वह 0.83 जी/सीसी का अत्यधिक घनत्व वाला हो।

अमोनियम नाइट्रेट फॉर्मूला NH_4NO_3 वाला एक रासायनिक मिश्रण है। यह नाइट्रिक एसिड और अमोनिया द्वारा बनाया जाता है। ठोस रूप में नाइट्रोजन की मात्रा 28 प्रतिशत के भार से अधिक होती है। कमरे के तापमान पर अमोनियम नाइट्रेट एक सफेद क्रिस्टलीन रंगहीन रूप में दिखाई देता है। यह 169.6 डिग्री सेल्सियस अथवा 337.3 डिग्री फारेनहाइट तक पिघलता है।

6. अमोनियम नाइट्रेट अमोनिया और नाइट्रिक एसिड से विभिन्न रूपों में उत्पादित किया जाता है, जैसे मेल्ट, प्रिल्स, फ्लेक्स, ग्रेन्युल्स, लॅप्स आदि। संबद्ध सामान 0.83 जी/सीसी से अधिक के घनत्व वाले ठोस रूप में अमोनियम नाइट्रेट है। अमोनियम नाइट्रेट तरल अथवा मेल्ट रूप में और अमोनियम नाइट्रेट 0.83 जी/सीसी के बराबर एवं उससे कम के पूर्ण घनत्व अर्थात् कम घनत्व वाला अमोनियम नाइट्रेट वर्तमान जांच तथा विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से बाहर है।
7. संबद्ध सामान सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 31 के तहत उप शीर्ष 3102 30 00 के तहत वर्गीकृत है। सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और जांच के कार्य क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

ग.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

8. विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए उत्पाद के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध निम्नलिखित हैं:
 - i. अमोनियम नाइट्रेट फॉर्मूला NH_4NO_3 वाला एक रासायनिक मिश्रण है। ठोस रूप में नाइट्रोजन की मात्रा 28 प्रतिशत के भार से अधिक होती है। कमरे के तापमान में अमोनियम नाइट्रेट एक सफेद क्रिस्टलीन रंगहीन रूप में दिखाई देता है। यह 169.6 डिग्री सेल्सियस अथवा 337.3 डिग्री फारेनहाइट तक पिघलता है।
 - ii. अमोनियम नाइट्रेट अमोनिया और नाइट्रिक एसिड से विभिन्न रूपों में उत्पादित किया जाता है, जैसे मेल्ट, प्रिल्स, फ्लेक्स, ग्रेन्युल्स, लॅप्स आदि।
 - iii. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद "अमोनियम नाइट्रेट" है, चाहे वह प्रिल्ड, ग्रेन्युलर अथवा अन्य ठोस रूप में हो और संयोजनों अथवा कोटिंग सहित या बिना इसके हो तथा वह 0.83 जी/सीसी का अत्यधिक घनत्व वाला हो। विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से विशेष रूप से अलग किया गया ठोस अमोनियम नाइट्रेट है जिसका सामूहिक घनत्व 0.83 जी/सीसी से के बराबर अथवा उससे कम अथवा कम घनत्व वाला अमोनियम नाइट्रेट तथा मेल्ट रूप में अमोनियम नाइट्रेट है।
 - iv. विचाराधीन उत्पाद, हटाए गए उत्पादों को अलग रखने के बाद जो शेष रह जाता है, वह है जो घनत्व तथा भौतिक स्वरूप के संदर्भ में सुपरिभाषित है।
 - v. भारत में संबद्ध सामानों का प्रयोग प्रमुख रूप से विस्फोटकों के विनिर्माण में किया जाता है, जैसे इमल्शन विस्फोटक, जबकि विश्व के कई अन्य भागों में उनका प्रयोग उर्वरकों के रूप में किया जाता है।
 - vi. कम घनत्व वाला अमोनियम नाइट्रेट एक विशिष्ट उत्पाद है जिसका घनत्व कम है, क्षरण कम है और जो तेल को बहुत अधिक सोखता है, जो कम क्रिटिकल डायमीटर देता है, जिसकी संवेदनशीलता अधिकतम है।

और विस्फोट का वेग भी इष्टतम है। इसके ये गुणधर्म इसे संगत अनुप्रयोगों के लिए उपयुक्त बनाते हैं, जैसे एएनएफओ सरीखे कारकों के विस्फोट के लिए। विश्व में प्रमुख उत्पादकों की विशिष्टियों से यह पृष्ठ है कि एलडीएएन का घनत्व स्पष्ट रूप से 0.83 जी/सीसी से कम या वहां तक है। इस प्रकार, इसके निष्कासन अथवा कट ऑफ को उपयुक्त रूप से परिभाषित किया गया है ताकि कम घनत्व वाले अमोनियम नाइट्रेट को हटाया जा सके।

- vii. विचाराधीन उत्पाद पर प्रस्तावित पाटनरोधी शुल्क के कार्यान्वयन में कोई कठिनाईयां नहीं होंगी क्योंकि प्रशुल्क तथा अधिसूचनाओं में ऐसी कई प्रविष्टियां हैं जो विनिर्माण की प्रक्रिया आयातित वस्तु में विशिष्ट इनपुट सामग्री के भार से प्रभावी, अंतिम प्रयोग आदि पर प्रासंगिक हैं। जब ऐसे सामान आयात किए जाते हैं तो आयातक/निर्यातक आवश्यक प्रमाण के साथ इस संबंध में एक घोषणा करता है। सीमा शुल्क प्राधिकारी इस घोषणा के आधार पर सामान्यतः सामानों का मूल्यांकन करते हैं और किसी संदेह की स्थिति में अथवा अचानक/चुनिंदा आधार पर नमूने घोषणा की शुद्धता का सत्यापन करने के लिए सरकारी प्रयोगशालाओं (सीआरसीएल) को परीक्षण के लिए भेजते हैं।
- viii. पिछली कई जांचों के मामले में उत्पाद को कतिपय विशिष्टियों के संबंध में परिभाषित किया गया है जिसे आयात के स्तर पर सुनिश्चित किए जाने की आवश्यकता होती है।
- ix. याचिकाकर्ता ने यह दर्शनी के लिए विभिन्न दस्तावेज रिकार्ड पर रखे कि संबद्ध सामानों का निर्यात करते समय घरेलू उद्योग अंतर्राष्ट्रीय परिपाटी के अनुसार निर्यात दस्तावेजों में घनत्व घोषित करता है। जहां घनत्व नहीं दिया जाता है, वहां ऐसे निर्यात को एलडीएएन के सिवाय मानना सुरक्षित होगा।
- x. घरेलू उद्योग एलडीएएन के आयात से दुखी नहीं है, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में नामावली तथा उत्पाद के लिए तकनीकी विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से उसे हटाया गया है।
- xi. चूंकि, विचाराधीन उत्पाद को परिभाषित करने के लिए अधिनियम अथवा नियमावली में कोई दिशा निर्देश नहीं है, अतः निर्दिष्ट प्राधिकारी पाटन और कारणात्मक क्षति के कार्य को ध्यान में रखते हुए विचाराधीन उत्पाद को व्यापक विवरण की श्रेणी/कई किस्मों को शामिल करते हुए परिभाषित कर सकता है और ऐसी कोई आवश्यकता नहीं है कि विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में आने वाली सभी वस्तुओं को आंतरिक रूप से समरूप माने जाने की आवश्यकता हो।
- xii. उर्वरक ग्रेड के अमोनियम ग्रेड का घनत्व 0.83 जी/सीसी से अधिक है क्योंकि कम घनत्व वाले अमोनियम नाइट्रेट का उर्वरक प्रयोगों में प्रयोग उपयुक्त नहीं है। इस प्रकार, यदि कंपनी ने उर्वरक अनुप्रयोगों के लिए अमोनियम नाइट्रेट का उत्पादन किया है तो उसका घनत्व आवश्यक रूप से 0.83 जी/सीसी से अधिक होनी चाहिए।
- xiii. किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा विचाराधीन उत्पाद के संबंध में सुनवाई के संबंध में कोई विशेष प्रश्न किए जाने का अवसर दिए जाने के बाद भी दूसरी सुनवाई के दौरान विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र का विरोध नहीं किया गया है। इस प्रकार, विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र विवाद का विषय नहीं रहा।

xiv. घरेलू उद्योग विचाराधीन उत्पाद की समान वस्तु का उत्पादन करता है जो कि प्रिल्ड अमोनियम नाइट्रेट है जिसमें 0.83 जी/सीसी से अधिक का सामूहिक घनत्व है। डीएफपीसीएल, ऑप्टिक्रॉम, ऑप्टिस्पेन, ऑप्टिमेक्स और ऑप्टिब्लास्ट के उत्पादन में लगा है जिसमें से ऑप्टिक्रॉम और ऑप्टिस्पेन समान वस्तु की श्रेणी में आते हैं। एसटीएल के मामले में, वर्टेक्स सुप्रीम, नॉर्मा और क्रिस्टल उच्च घनत्व के हैं तथा विचाराधीन उत्पाद के समान हैं। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित सामान आयातित सामानों के तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं और उनका उपयोग समान अनुप्रयोगों के लिए समान प्रयोक्ताओं द्वारा किया जाता है। कुछ आयातक/प्रयोक्ताओं के दावों के विरुद्ध सत्यापन के दौरान यह प्रदर्शित किया गया है कि उसके उत्पादन का घनत्व 0.83 जी/सीसी से अधिक है। इस संबंध में विभिन्न साक्ष्य रिकार्ड में रखे गए थे।

xv. दूसरी मौखिक सुनवाई के दौरान, विरोधी पक्षकारों ने यह स्वीकार किया कि घरेलू उद्योग ने एचडीएएन का उत्पादन शुरू कर दिया है। इसके अतिरिक्त, घनत्व निर्धारित करने के लिए उत्पादित सामानों का बैच वार परीक्षण किया जाता है और रिकार्ड रखे जा रहे हैं जो प्राधिकारी को प्रस्तुत कर गए हैं तथा जो विधिवत सत्यापित कर दिए गए हैं।

xvi. मैसर्स डीएफपीसीएल द्वारा अपने क्रेताओं के साथ किए गए करार यह सिद्ध करते हैं कि मैसर्स डीएफपीसीएल ने जांच की अवधि के दौरान अत्यधिक घनत्व वाले अमोनियम नाइट्रेट अथवा संबद्ध सामानों की आपूर्ति की है।

xvii. मेल्ट को हटाने के संबंध में याचिकाकर्ता ने यूएस – लंबर V (डब्ल्यूटी/डीएस 264/आर) में डब्ल्यूटीओ की पैनल रिपोर्ट का अवलोकन किया और यह तर्क दिया है कि जब 0.83 जी/एमएल से अधिक घनत्व वाला ठोस अमोनियम नाइट्रेट, जो कि समान वस्तु है, उपलब्ध है तो समान वस्तु परिभाषित करने के लिए उसी वस्तु के रूप में द्रव अथवा मेल्ट रूप में अमोनियम नाइट्रेट पर विचार करना आवश्यक नहीं है। यहां तक कि अन्यथा अमोनियम नाइट्रेट द्रव अथवा मेल्ट रूप में संबद्ध सामानों की समान वस्तु नहीं है, क्योंकि यह मेल्ट रूप के लिए वाणिज्यिक प्रतिस्थापन नहीं है।

xviii. इसके अतिरिक्त, पूर्व की जांचों में हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया था कि अमोनियम नाइट्रेट मेल्ट रूप में प्रिल्ड फॉर्म में उच्च घनत्व वाले अमोनियम नाइट्रेट की समान वस्तु नहीं है। इस संबंध में मैसर्स स्पेशल ब्लास्ट्स प्रा. लि. और मैसर्स इंडियन एक्सप्लोसिव लि. द्वारा किए गए अनुरोधों का संदर्भ दिया गया था, जैसा कि प्राथमिक निष्कर्षों में रिकार्ड किया गया है।

xix. पूर्व की जांचों में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने 19 मार्च, 2004 के अंतिम निष्कर्षों में यह पाया था कि अमोनियम नाइट्रेट मेल्ट रूप में अमोनियम नाइट्रेट का ठोस स्वरूपों की समान वस्तु नहीं है।

ग.2 निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

9. विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु के संबंध में निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध तथा प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए अनुरोध निम्नलिखित हैं:

- (i) याचिकाकर्ता विचाराधीन उत्पाद का निर्माण नहीं करते।
- (ii) विचाराधीन उत्पाद के वर्गीकरण के लिए कोई वाणिज्यिक, कानूनी आधार, संतोषजनक स्पष्टीकरण, तर्कसंगत आधार अथवा किसी तकनीकी साहित्य की सहायता नहीं है। याचिकाकर्ता उसके लिए कोई तर्कसंगत तथ्य प्रस्तुत नहीं कर पाए।
- (iii) अपने उत्पाद को "एचडीएएन" की श्रेणी में शामिल करने के लिए याचिकाकर्ता ने 0.83 जी/सीसी का घनत्व दर्शकर निर्दिष्ट प्राधिकारी को जान बूझकर भ्रमित किया है।
- (iv) यद्यपि संबद्ध सामान का सामूहिक घनत्व उत्पाद की तकनीकी विशिष्टियां संगत मानदंड नहीं हैं, तथापि याचिकाकर्ता ने अनावश्यक रूप से और जान बूझकर घनत्व आधारित पृथक्करण और वर्गीकरण बनाया है। शुद्धता, नमी की मात्रा, पीएच और घनत्व न होना अमोनियम नाइट्रेट की निर्धारित विशिष्टियां हैं।
- (v) याचिकाकर्ताओं की एक कंपनी एसटीएल की वेबसाइट के अनुसार उसके द्वारा विनिर्मित एलडीएएन का घनत्व 0.75 – 0.85 जीएम/सीसी की श्रृंखला में है। जैसे ही विरोधी पक्षकारों द्वारा इसका उल्लेख किया गया, वेबसाइट में सुनवाई की तारीख के बाद उसमें परिवर्तन कर दिया गया। यह केवल याचिका में दायर किए गए उनके घनत्व के दावे को औचित्यपूर्ण सिद्ध करने के लिए किया गया जिसका कोई तकनीकी महत्व नहीं है।
- (vi) संबद्ध सामानों का घनत्व उत्तरदायी द्वारा अमोनियम नाइट्रेट की खरीद के लिए कभी भी मानदंड नहीं था।
- (vii) मैसर्स दीपक फर्टिलाइजर्स एंड पैट्रोकेमिकल्स कारपोरेशन लि. (के-1 और के-8) के संयंत्र कम घनत्व वाले अमोनियम नाइट्रेट के विनिर्माण के लिए हैं, जैसा कि उनकी वार्षिक रिपोर्ट वर्ष 2013-14 से स्पष्ट है। न्यूनतम सीमा 0.83 जी/सीसी निर्धारित कर घेरेलू उद्योग ने कम घनत्व वाले अमोनियम नाइट्रेट को विचाराधीन उत्पाद की समान वस्तु के रूप में शामिल करने का प्रयास किया है।
- (viii) घनत्व के आधार पर अमोनियम नाइट्रेट आईटीसी एचएस और सीमा शुल्क वर्गीकरण द्वारा परिभावित नहीं किया जा रहा है। वस्तुतः याचिकाकर्ता द्वारा दिए गए आयात आंकड़ों में उत्पाद विवरण में किसी घनत्व का उल्लेख नहीं है।
- (ix) यदि वर्तमान स्वैच्छिक परिभाषा स्वीकार की जाती है और पाटनरोधी शुल्क लगाया जाता है तो वह सीमा शुल्क अधिकारियों का भार तथा आयातकों की लेन-देन लागत बढ़ाएगा और इससे शुल्क प्रवंचना होने की संभावना है।
- (x) याचिकाकर्ताओं ने मौखिक सुनवाई के दौरान यह दावा किया था कि उनके उत्पाद ऑप्टिफॉर्म का परीक्षण 0.83 जी/सीसी से अधिक घनत्व होने के लिए किया गया था। डीएफपीसीएल की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, यह उल्लेख किया गया है कि उन्होंने गुणवत्ता में सुधार के लिए संयोजक तथा कोटिंग एजेंट के रूप में मैग्नीशियम नाइट्रेट का परीक्षण किया है जिससे उन्हें पिछले तीन तिमाहियों में शिकायतें कम हो पाई हैं। घनत्व के लिए आज परीक्षित उत्पाद जांच की अवधि के दौरान मौजूद उत्पाद घनत्व के प्रतिनिधि नहीं हो सकते।

(xi) पिछले दशक में आयातित अमोनियम नाइट्रेट पर विश्वास करने के लिए जो कई विनिर्माण संयंत्र मजबूर थे, उन्होंने आयातित प्रिल्स के लिए अपनी सार संभाल प्रणाली को उपभोक्ताओं के अनुरूप बनाया है तथा एग्लोमेटेड प्रिल्स/क्रिस्टल्स के साथ अब किसी प्रतिस्थापन के फलस्वरूप प्रतिदिन उत्पादन क्षमता में लगभग 20 प्रतिशत की हानि तथा आकार में अतिरिक्त लागत हो रही है।

(xii) डीएफपीसीएल द्वारा विनिर्मित ऑप्टिफॉर्म का परीक्षण 0.83 जी/सीसी से काफी कम सामूहिक घनत्व लेने के लिए किया गया है, जबकि आयातित प्रिल्स का घनत्व 0.94 जी/सीसी और अधिक है।

(xiii) याचिकाकर्ताओं ने सार्वजनिक/ग्राहक पटल में घनत्व की विशिष्टि वाले विचाराधीन उत्पाद में उल्लिखित उत्पाद नहीं बेचा है।

(xiv) इस तर्क के समर्थन के लिए आवेदन पत्र में कोई साक्ष्य नहीं है कि रूस के मूल के उत्पाद भारत में विनिर्मित अमोनियम नाइट्रेट के समान है।

(xv) दोनों वस्तुओं की प्रक्रिया प्रौद्योगिकियों में अंतर है जिससे सीधे ही अंतिम उत्पाद की प्रमुख लागत प्रभावित होती है। यही स्थिति आवेदनीयता के क्षेत्र के लिए है।

(xvi) आवेदन पत्र में औद्योगिक क्षेत्र के अलावा, किसी अन्य प्रयोजन के लिए भारत में उत्पाद प्रयोग के हिस्से के संबंध में कोई सूचना उल्लिखित नहीं की गई है।

(xvii) आवेदक उद्योग पूरी शृंखला अर्थात् 0.85 जी/सीसी से अर्जित का विनिर्माण नहीं कर रहा है जिन पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने का प्रस्ताव है, जिसके लिए अमोनियम नाइट्रेट बनाम भारत संघ एवं अन्य में निर्णय को ध्यान में रखा जा सकता है जिसमें यह अनुरोध किया गया है कि डीएफपीसीएल और एसटीएल, एलडीएएन का उत्पादन करते हैं न कि एचडीएएन का। साथ ही एसटीएल की उत्पाद शृंखला यह भी साफ-साफ बताती है कि उनकी घनत्व रेंज 0.75 से 0.85 जी/सीसी है।

(xviii) विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र को पुनः परिभाषित किया जाना चाहिए और "संयोजनों अथवा कोटिंग सहित अथवा उनके बिना तथा 0.83 जी/सीसी से अधिक सामूहिक घनत्व वाले, परंतु 0.85 जी/सीसी से अनधिक वाले प्रिल्ड, ग्रेन्युलर, अथवा अन्य ठोस रूप में "अमोनियम नाइट्रेट" तक प्रतिबंधित किया जाना चाहिए।

(xix) इस उत्पाद को नाइट्रोजन डिस्चार्ज के अनुसार परिभाषित किया जाना चाहिए जो कि उर्वरक ग्रेड में 34 प्रतिशत होना चाहिए।

ग.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

10. प्राधिकारी ने घेरेलू उद्योग द्वारा पेश की गई समान वस्तु तथा विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र के संबंध में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों को नोट किया है। विचाराधीन उत्पाद के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि:

(i) वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद "अमोनियम नाइट्रेट" है, चाहे वह सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 के अध्याय 31 के तहत उप शीर्ष 3102 30 00 के अंतर्गत वर्गीकृत, प्रिल्ड, ग्रेन्युलर अथवा अन्य ठोस रूप में

हो और संयोजनों अथवा कोटिंग सहित या बिना इसके हो तथा वह 0.83 जी/सीसी का अत्यधिक घनत्व वाला हो।

(ii) अमोनियम नाइट्रेट फॉर्मूला NH_4NO_3 वाला एक रासायनिक मिश्रण है। ठोस रूप में नाइट्रोजन की मात्रा 28 प्रतिशत के भार से अधिक होती है। कमरे के तापमान में अमोनियम नाइट्रेट एक सफेद क्रिस्टलीन रंगहीन रूप में दिखाई देता है। यह 169.6 डिग्री सेल्सियस अथवा 337.3 डिग्री फारेनहाइट तक पिघलता है।

(iii) अमोनियम नाइट्रेट अमोनिया और नाइट्रिक एसिड से विभिन्न रूपों में उत्पादित किया जाता है, जैसे मेल्ट, प्रिल्स, फ्लेक्स, ग्रेन्युल्स, लंप्स आदि। संबद्ध सामान 0.83 जी/सीसी से अधिक के घनत्व वाले ठोस रूप में अमोनियम नाइट्रेट है। 0.83 जी/सीसी तक के सामूहिक घनत्व वाले किसी भी रूप में अमोनियम नाइट्रेट तथा किसी भी घनत्व में द्रव रूप में अथवा मेल्ट रूप में अमोनियम नाइट्रेट विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से बाहर है।

(iv) भारत में संबद्ध सामानों का प्रयोग प्रमुख रूप से विस्फोटकों के विनिर्माण में किया जाता है, जैसे इमल्शन विस्फोटक, जबकि विश्व के कई अन्य भागों में उनका प्रयोग उर्वरकों के रूप में किया जाता है। वस्तुतः हितबद्ध पक्षकारों ने माना है कि विचाराधीन उत्पाद का प्रयोग भारत में केवल विस्फोटकों के विनिर्माण के लिए किया जा सकता है।

(v) जहां तक विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद पर प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों के आधार पर विचार किया गया है। वर्तमान मामले में 0.83 जी/सीसी के बराबर अथवा उससे कम घनत्व वाले अमोनियम नाइट्रेट को छोड़कर अमोनियम नाइट्रेट तथा मेल्ट अमोनियम नाइट्रेट विचाराधीन उत्पाद है। बाजार की शब्दावली में यद्यपि "उच्च घनत्व" अथवा "निम्न घनत्व" का भी प्रयोग किया जा सकता है। तथापि, इस संबंध में कोई घरेलू अथवा अंतर्राष्ट्रीय मानक नहीं है। तथापि, किसी उत्पाद के घनत्व के संबंध में किसी समझ के आधार पर अमोनियम नाइट्रेट के उच्च अथवा कम घनत्व के रूप में बाजार शब्दावली में वर्णित किया जा रहा है तथा वो आपसी समझ और प्रयोक्ता/उपभोक्ताओं के संदर्भ में है। जहां तक 0.83 जी/सीसी को एक संगत मानदंड मानने का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने उत्पाद के विश्लेषण के प्रमाण पत्र सहित उत्पादन रिकार्डों की प्रतियां प्रस्तुत की हैं। यह नोट किया जाता है कि याचिकाकर्ताओं ने 0.83 जी/सीसी से अधिक तथा 0.94 जी/सीसी तक उच्च घनत्व वाले अमोनियम नाइट्रेट का उत्पादन किया है। अतः विचाराधीन उत्पाद को परिभाषित करने के लिए मानदंड के रूप में घनत्व पर विचार करना उपयुक्त था।

(vi) कोई भी पक्षकार प्राधिकारी की जानकारी में यह बात नहीं लाया कि 0.83 जी/सीसी के बराबर अथवा उससे कम घनत्व वाले आयातों को आयात आंकड़ों में शामिल किया गया है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों ने पिछली जांच के समय पहले यह बात रखी थी कि एलडीएएन अथवा अमोनियम नाइट्रेट मेल्ट का आयात नहीं किया जा सकता। किसी भी आयातक अथवा निर्यातक ने यह नहीं

दर्शाया कि एलडीएएन अथवा अमोनियम नाइट्रेट मेल्ट का भारत में आयात किया गया है। यहां तक कि घरेलू उद्योग ने उत्पाद के उत्पादन और विक्री के लिए याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रयुक्त किए जा रहे ब्रांड नामों के रूप में एचडीएएन, एलडीएएन और एएन मेल्ट के उत्पादन और विक्री के रिकार्ड अलग से रखे हैं।

(vii) प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग से अपेक्षा की जाती है कि वह "समान वस्तु" के उत्पादन में लगे, जो विचाराधीन उत्पाद की सभी विशेषताओं में समान हो अथवा उसकी अनुपस्थिति में आयातित विचाराधीन उत्पाद से बारीकी से मिलती जुलती विशेषताओं वाले हों। इस प्रकार, याचिकाकर्ताओं द्वारा उत्पादिक समान वस्तु की अनुपस्थिति का अभिप्राय यह नहीं है कि याचिकाकर्ता कानून के तहत उपाय की मांग करने के लिए पात्र घरेलू उद्योग नहीं है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने सत्यापन योग्य दस्तावेजों के साथ यह सिद्ध नहीं किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित सामान आयातित सामानों का वाणिज्यिक और तकनीकी रूप से स्थान नहीं ले सकते और परस्पर परिवर्तनीय रूप से इस्तेमाल नहीं किए जा सकते। कुछ आयातकों/प्रयोक्ताओं के दावों के विरुद्ध याचिकाकर्ताओं ने सत्यापन के दौरान यह प्रदर्शित किया कि वे 0.83 जी/सीसी से अधिक घनत्व के अमोनियम नाइट्रेट का उत्पादन करते हैं और याचिकाकर्ताओं ने उन उपभोक्ताओं के लिए अमोनियम नाइट्रेट का उत्पादन/आपूर्ति की है जिन्होंने भी संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद का आयात किया है। इस उत्पाद के कई उपभोक्ता ऐसे हैं जिन्होंने समान अनुप्रयोग के लिए प्रयोग किए जाने हेतु संबद्ध देशों से याचिकाकर्ताओं और नियांतकों दोनों से संबद्ध सामान खरीदे हैं। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित समान वस्तु तथा संबद्ध देशों से आयातित विचाराधीन उत्पाद भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया तथा प्रौद्योगिकी, प्रकार्यों और प्रयोगों, उत्पाद विशिष्टियों, कीमत, वितरण एवं विपणन तथा सामानों के प्रशुल्क वर्गीकरण जैसी अनिवार्य उत्पाद विशेषताओं के संदर्भ में तुलनीय है। उपभोक्ता दोनों का विरोध कर सकते हैं और परस्पर परिवर्तनीयता का प्रयोग कर रहे हैं। अतः प्राधिकारी संबद्ध सामानों को संबद्ध देशों से आयात किए जा रहे समान वस्तु के रूप में याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित संबद्ध सामानों की तरह मानते हैं।

(viii) यहां तक कुछ अन्य भारतीय उत्पादकों द्वारा उत्पादित अमोनियम नाइट्रेट मेल्ट का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकार भी सहमत हो गए हैं कि अमोनियम नाइट्रेट मेल्ट संगत अवधि के दौरान भारत में आयात नहीं किया गया है, न ही विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में अमोनियम नाइट्रेट मेल्ट शामिल है। समान वस्तु को नियम 2(घ) के तहत परिभाषित किया गया है और इसमें यह प्रावधान है कि समान वस्तु में या तो आयातित विचाराधीन उत्पाद के समान विशेषताएं हों और यदि वे विशेषताएं नहीं हैं तो दूसरी वस्तु, जिसमें विचाराधीन उत्पाद के समान बारीकी से मिलती-जुलती विशेषताएं हों। जब कोई वस्तु आयातित उत्पाद से बारीकी से मिलती जुलती हो, तो प्राधिकारी दूसरी वस्तु को समान वस्तु के क्षेत्र में रखने पर विचार कर सकते हैं। इस प्रकार, इस मामले में जब घरेलू उद्योग भारत में आयातित वस्तु के समान वस्तु का उत्पादन करता है तो प्राधिकारी विचाराधीन उत्पाद से मिलती-जुलती विशेषताओं वाले दूसरे उत्पाद (अमोनियम नाइट्रेट मेल्ट) को देख सकते हैं। इस संबंध में यह नोट किया जाता है कि हितबद्ध पक्षकार इस बात पर सहमत हैं कि अमोनियम नाइट्रेट मेल्ट का आयात उसके परिवहन से जुड़ी अंतर्निहित

हानियों के कारण नहीं किया जा सकता और अन्य घरेलू उत्पादकों से खरीद करते समय कुछ उपभोक्ताओं ने इसे परिवहन से पूर्व ही ठोस में परिवर्तित करवा दिया। यह अपने आप सिद्ध करता है कि अमोनियम नाइट्रेट मेल्ट और विचाराधीन उत्पाद सभी मामलों में समान नहीं हैं। इस प्रकार, वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद "अमोनियम नाइट्रेट" है, चाहे वह सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 के अध्याय 31 के तहत उप शीर्ष 3102 30 00 के अंतर्गत वर्गीकृत, प्रिल्ड, ग्रेन्युलर अथवा अन्य ठोस रूप में हो और संयोजनों अथवा कोटिंग सहित या बिना इसके हो तथा वह 0.83 जी/सीसी का अत्यधिक घनत्व वाला हो।

घ. घरेलू उद्योग का क्षेत्र तथा स्थिति

घ.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

11. घरेलू उद्योग के क्षेत्र और स्थिति के संबंध में जांच के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध निम्नलिखित हैं:

- i. याचिकाकर्ता भारत में 100 प्रतिशत घरेलू उत्पादन करने वाले समान वस्तु के उत्पादक हैं और इसीलिए नियमावली के नियम 2(ख) के संदर्भ में "घरेलू उद्योग" की पात्रता के मानदंड को पूरा करते हैं।
- ii. यहां तक कि अमोनियम नाइट्रेट को मेल्ट फॉर्म में समान वस्तु माना जाए तो डीएफपीसीएल और एसटीएल नियमावली के नियम 2(ख) के संदर्भ में घरेलू उद्योग के रूप में पात्र बने रहेंगे क्योंकि दोनों का कुल घरेलू उत्पादन में "प्रमुख अनुपात" है।

घ.2 निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधः

12. जांच की अवधि के दौरान उत्पादक/निर्यातकों/आयातकों/प्रयोक्ताओं/अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने यह अनुरोध किया है कि अमोनियम नाइट्रेट मेल्ट विचाराधीन उत्पाद और याचिकाकर्ता के उत्पाद के समान उत्पाद है। "घरेलू उद्योग" की परिभाषा अमोनियम नाइट्रेट मेल्ट अर्थात् जीनएफसी और आरसीएफ के उत्पादकों को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए। इस प्रकार, जांच का प्रक्रिया पर स्वतः पुनः विचार किए जाने की आवश्यकता है।
13. जैसा कि ईसी सलमोन में पैनल द्वारा निर्णय लिया गया है, घरेलू उद्योग निर्धारित करने के लिए किसी सिद्धांत, जिससे घरेलू उद्योग का एक भाग पूरी तरह से अलग हो, डब्ल्यूटीओ के अनुरूप नहीं माना जा सकता।

घ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

14. घरेलू उद्योग के क्षेत्र के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध तथा वर्तमान याचिका दायर करने के लिए याचिकाकर्ताओं की स्थिति और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए अनुरोधों की जांच की गई और निम्नलिखित रूप में उनका समाधान किया गया:

- (i) प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियम 2(ख) में यह प्रावधान है कि:

“घरेलू उद्योग” का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से हैं जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से हैं जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के नियर्तिकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में “घरेलू उद्योग” पद का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।

- (ii) जहां तक स्थिति के संबंध में उठाए गए मुद्दे का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के परिसर में किए गए स्थल सत्यापन के दौरान याचिकाकर्ताओं द्वारा अमोनियम नाइट्रेट के उत्पादन के संबंध में दस्तावेज और उनके द्वारा नेमी रूप से किए गए उत्पादन के घनत्व परीक्षण यह दर्शाते हैं कि याचिकाकर्ता 0.83 से अधिक घनत्व वाले अमोनियम नाइट्रेट का उत्पादन करते हैं। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों ने साक्ष्यों के साथ यह पुष्ट नहीं किया कि याचिकाकर्ता 0.83 से अधिक घनत्व वाले अमोनियम नाइट्रेट का उत्पादन नहीं करते। इस प्रकार प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ताओं द्वारा उत्पादिक सामान प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध सूचना के आधार पर आयातित विचाराधीन उत्पाद के समान वस्तु हैं।
- (iii) अमोनियम नाइट्रेट मेल्ट को आयातित विचाराधीन उत्पाद की समान वस्तु के रूप में शामिल नहीं किया जा सकता और यह नोट किया जाता है कि हितबद्ध पक्षकारों ने खुद ही यह बात रखी है कि अमोनियम नाइट्रेट का मेल्ट रूप में आयात नहीं किया जा सकता। इसके अतिरिक्त, चूंकि, 0.83 से अधिक घनत्व वाले ठोस अमोनियम नाइट्रेट का उत्पादन और बिक्री है, अतः दूसरी वस्तु को आयातित विचाराधीन उत्पाद के समान वस्तु के रूप में मानना उपयुक्त नहीं है। केवल ऐसी स्थिति में जब 0.83 से अधिक घनत्व वाले ठोस अमोनियम नाइट्रेट का देश में उत्पादन न हो तो अमोनियम नाइट्रेट मेल्ट को आयातित विचाराधीन उत्पाद की समान वस्तु माना जा सकता है।
- (iv) अमोनियम नाइट्रेट मेल्ट में से परिवर्तित अमोनियम नाइट्रेट ठोस के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि चूंकि किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने अमोनियम नाइट्रेट मेल्ट से ठोस अमोनियम नाइट्रेट के ऐसे उत्पादन का कोई सत्यापन योग्य साक्ष्य नहीं दिया है, अतः प्राधिकारी ऐसे अमोनियम नाइट्रेट ठोस को घरेलू उद्योग के भाग के रूप में देने की स्थिति में नहीं हैं। प्राधिकारी को यह जांच करना अपेक्षित है कि क्या यह उत्पाद विचाराधीन उत्पाद की समान वस्तु है जो कि तभी संभव है जब संगत सूचना दी गई हो तथा उसकी मात्रा बताई गई हो। चूंकि, इन हितबद्ध पक्षकारों ने न तो उत्पादन की मात्रा बताई है और न ही यह सिद्ध करने के लिए कोई सूचना दी है कि यह आयातित विचाराधीन उत्पाद की समान वस्तु है, अतः प्राधिकारी उनके उत्पादन का संज्ञान नहीं ले पाए। तथापि, यह नोट किया जाता है कि याचिकाकर्ताओं ने यह तर्क दिया कि यदि इस उत्पादन पर विचार किया भी जाता है तो भी याचिका का संतोषजनक आधार बनेगा।

(v) अमोनियम नाइट्रेट मेल्ट में से परिवर्तित अमोनियम नाइट्रेट ठोस के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि चूंकि किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने अमोनियम नाइट्रेट मेल्ट से ऐसे ठोस अमोनियम नाइट्रेट के उत्पादन का सत्यापन योग्य कोई साक्ष्य नहीं दिया है अतः प्राधिकारी ऐसे अमोनियम नाइट्रेट ठोस को घरेलू उद्योग के भाग के रूप में लेने की स्थिति में नहीं हैं। पाटनरोधी नियमावली के अनुसार, प्राधिकारी को यह जांच करना अपेक्षित है कि क्या (क) घरेलू उत्पादक घरेलू उद्योग द्वारा समान वस्तु के कुल उत्पादन 25 प्रतिशत से अधिक के लिए आवेदन का पूर्ण समर्थन कर रहे हैं; और (ख) आवेदन को उन घरेलू उत्पादकों का समर्थन है जिनका सामूहिक उत्पादन, या तो आवेदन का समर्थन करने वाले अथवा उसका विरोध करने वाले घरेलू उद्योग के उस भाग द्वारा उत्पादित समान वस्तु के कुल उत्पादन के 50 प्रतिशत से अधिक है। आवेदक मैसर्स दीपक फर्टिलाइजर्स एंड पैट्रोकेमिकल्स कारपोरेशन लि. तथा मैसर्स स्मार्टकेम टेक्नोलॉजी लि. का समान वस्तु का कुल घरेलू उत्पादन 100 प्रतिशत बनता है।

(vi) आवेदकों ने यह घोषित किया था कि उन्होंने न तो विचाराधीन उत्पाद का आयात किया है और न ही भारत में उनके संबंधित किसी पक्षकार ने जांच की अवधि के दौरान उत्पाद का आयात किया है। आगे यह घोषित किया गया था कि आवेदक भारत में संबद्ध सामानों के किसी आयातक या संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों के निर्यातकों से कोई संबंध रखते हैं। किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने यह नहीं कहा कि याचिकाकर्ता नियम 2(ख) के अभिप्राय के तहत अपात्र घरेलू उद्योग है। प्राधिकारी ने याचिकाकर्ताओं को नियम 2(ख) के अभिप्राय के भीतर पात्र घरेलू उद्योग माना है।

15. इस प्रकार, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की अवधि के दौरान संबद्ध सामानों के कुल घरेलू उत्पादन का "प्रमुख अनुपात" दीपक फर्टिलाइजर्स एंड पैट्रोकेमिकल्स कारपोरेशन लि. तथा स्मार्टकेम टेक्नोलॉजी लि. का है तथा वे नियम 2(ख) के अभिप्राय के तहत घरेलू उद्योग है और वे पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(3) के संदर्भ में स्थिति के मानदंड को पूरा करते हैं।

ड. गोपनीयता

ड. 1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

16. गोपनीयता के संबंध में, घरेलू उद्योग ने नियमावली के नियम 7 का उल्लेख करते हुए तथा डब्ल्यूटीओ पैनल की रिपोर्ट में गॉटेमाला – सीमेंट-॥ (डब्ल्यूटी/डीएस 156/आर) के मामले के संदर्भ में निम्नलिखित अनुरोध किया:

- अधिकतर निर्यातकों ने उस सूचना के संबंध में गोपनीयता का दावा किया है जो कि गोपनीय अथवा स्वरूप में व्यापार संवेदनीय नहीं है। साथ ही न तो अगोपनीय सार/सूचीबद्ध प्रपत्र और न ही वह सूचना न देने का कोई कारण दिया गया है।

- ii. माननीय भारत के सर्वोच्च न्यायालय और सेसटेट के निर्णय यह स्पष्ट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों की गोपनीयता के संबंध में दावों की जांच की जानी चाहिए और केवल उसी सूचना को गोपनीय माना जाना चाहिए जो प्रकट होने पर हितबद्ध पक्षकार के हितों का पूर्वाग्रह करे।
- iii. अन्य पक्षकारों के तर्कों का उत्तर देते समय याचिकाकर्ताओं ने अनुरोध किया कि उन्होंने केवल ऐसी सूचना का गोपनीय होने का दावा किया है जिनका सूचना की गोपनीयता के कारण तथा नियमों के तहत जिनकी गोपनीयता की अनुमति दी जाती है, को प्रकट करना संभव नहीं है। प्राधिकारी के पास रिकार्ड में वास्तविक आंकड़े हैं और वे उसका उचित मूल्यांकन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, निर्यातिक और उपभोक्ता उस कीमत को अच्छी तरह जानते हैं जिस पर सामान संबद्ध देशों से निर्यात किए गए हैं और उनकी शुद्धता पर इन पक्षकारों द्वारा टिप्पणी की जा सकती है।
- iv. याचिकाकर्ताओं के खपत मानदंड गोपनीय व्यापार संवेदनीय सूचना है और इसीलिए उनको प्रकट नहीं किया जा सकता।

उ.2 निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

17. गोपनीयता के संबंध में उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/प्रयोक्ताओं/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध तथा प्राधिकारी द्वारा संगत समझे गए अनुरोध निम्नलिखित हैं:

- (i) इसके लिए अच्छा कारण दर्शाएं विना कई विवरणों के आधार पर तथा उसके अगोपनीय सार प्रदान कर याचिकाकर्ताओं द्वारा अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया गया है।
- (ii) याचिकाकर्ताओं के विभिन्न संयंत्रों के नाम और पते नहीं दिए जा रहे हैं तथा उत्तरदायियों को ऐसी स्थिति में रखा जा रहा है कि वे घरेलू उद्योग को हुई तथाकथित क्षति के संबंध में टिप्पणी नहीं कर सकते और वह विजली की कमी अथवा पानी की कमी जैसे विभिन्न क्षेत्रीय कारणों से हो सकती है।
- (iii) सामान्य मूल्य के संबंध में, याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग के खपत मानदंड नहीं दे पाए, जैसा कि उन्होंने सामान्य मूल्य के मूल्यांकन के लिए प्रयोग किया है।
- (iv) एक स्थान पर याचिकाकर्ताओं ने यह उल्लेख किया है कि उन्होंने कच्ची सामग्री की लागत घरेलू उद्योग के अनुभव के आधार पर मानी है जिसे फर्टेकोन की कीमतों द्वारा जोड़ा है तथा दूसरे स्थान पर सीआरयू रिपोर्ट का उल्लेख किया है। दोनों आंकड़ा स्रोत समान नहीं हैं तथा इसमें यह भ्रम है कि क्या याचिकाकर्ताओं के वास्तविक आंकड़ों का प्रयोग किया गया है अथवा सीआरयू कीमतों का प्रयोग किया गया है अथवा फर्टेकोन की कीमतों का इस्तेमाल किया गया है।
- (v) विश्व बैंक समूहों फ्लेगशिप रिपोर्ट में सूचित विद्युत दरों को मानते हुए भी उपयोगिता लागत घरेलू उद्योग के अनुभव के आधार पर ली गई है। तथापि, निर्मित सामान्य मूल्य "प्रिंस इन द कंट्री" बताता है। यह अस्पष्ट और भ्रामक है।
- (vi) याचिकाकर्ताओं ने निर्यात कीमत के परिकलन के संबंध में गोपनीयता का दावा किया है।

- (vii) कीमतों के संबंध में दिए गए आंकड़ों के आधार पर गोपनीयता के कारण उत्तरदायी कीमत प्रकृति पर टिप्पणी नहीं कर सकते।
- (viii) घरेलू उद्योग से संबंधित लागत संबंधी सूचना का अगोपनीय रूपांतर नहीं दिया गया है। इसके अतिरिक्त, विनिर्मित संबद्ध सामानों के घनत्व और तकनीकी विशिष्टियों से संबंधित सूचना कोई अच्छा कारण दर्शाए बिना अपनी याचिका में गोपनीय रूप में दावा किया गया है।
- (ix) सामान्य मूल्य का परिकलन करने के लिए प्रयुक्त खपत मानदंड नहीं दिए गए हैं।

ड.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

18. सूचना की गोपनीयता के संबंध में पाठनरोधी नियमावली के नियम 7 में निम्नलिखित प्रावधान है:

गोपनीय सूचना: (1) नियम 6 के उपनियमों (2), (3) और (7), नियम 12 के उपनियम (2), नियम 15 के उपनियम (4) और नियम 17 के उपनियम (4) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जांच की प्रक्रिया में नियम 5 के उपनियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के प्रतियां या किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किसी अन्य सूचना के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट होने पर उस सूचना को गोपनीय मानेंगे और ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार से स्पष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को ऐसी किसी सूचना का प्रकटन नहीं करेंगे।

(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय अधिकारी पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार की राय में उस सूचना का सारांश नहीं हो सकता है तो वह पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात के कारण संबंधी विवरण प्रस्तुत करेगा कि सारांश करना संभव क्यों नहीं है।

(3) उप नियम (2) में निहित किसी बात को होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट हो कि गोपनीयता के लिए अनुरोध न्यायसंगत नहीं अथवा सूचना प्रदाता सूचना को सार्वजनिक करने अथवा इसको सामान्य तौर पर अथवा संक्षिप्त रूप में उसे प्रकट करने के लिए अनिच्छुक हो, तो ऐसी सूचना की उपेक्षा की जा सकती है।

19. गोपनीयता के संबंध में संगत समझी गई सीमा तक, घरेलू उद्योग तथा अन्य विरोधी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों की प्राधिकारी द्वारा जांच की गई और तदनुसार उनका समाधान किया गया। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में की गई। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने, जहां भी जरूरी था, गोपनीयता के दावे को स्वीकार कर लिया और वह सूचना गोपनीय मान ली गई है तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं की गई है। जब भी संभव हो, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले पक्षकारों को निदेश दिया गया कि वे गोपनीय आधार पर दायर सूचना के पर्याप्त अगोपनीय रूपांतर हैं। प्राधिकारी ने सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अगोपनीय रूपांतर

उपलब्ध कराए। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि सभी हितबद्ध पक्षकारों ने अपने व्यापार से संबंधित सूचना गोपनीय होने का दावा किया है।

च. विविध अनुरोध

च.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

20. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए विभिन्न अनुरोध निम्नलिखित हैं:

- (i) हितबद्ध पक्षकारों के इस तर्क के संबंध में कि पीटी कालिट्म नाइट्रेट ने संबद्ध सामानों का निर्यात भारतीय बाजार में नहीं किया, घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया कि आयातित सामानों को अध्याय संख्या 31 के तहत मंजूरी दी गई है, जो उर्वरकों या विचाराधीन उत्पाद के लिए लागू है। एलडीएएन के आयात के मामले में सामानों का विवरण यह दर्शाएगा कि वह निम्न घनत्व का है और एलडीएएन तथा प्रिल के लिए निर्यातक का ब्रांड नाम आयात बीजक में उल्लिखित किया गया होता, जो कि इंडोनेशिया से आयात के मामले में नहीं है। निर्यातक को भारत में अपने निर्यात को अलग करने की मांग के दावे के समर्थन में यह सिद्ध करते हुए सकारात्मक साक्ष्य रखने की आवश्यकता है कि उसने एलडीएएन का निर्यात किया है।
- (ii) इंडोनेशियाई संयंत्र और मशीनों का प्रयोग 0.83 जी/सीसी के बराबर अथवा उससे कम घनत्व वाले अमोनियम नाइट्रेट और संबद्ध सामानों के उत्पादन के लिए किया जा सकता है। इसमें कोई विवाद नहीं है कि इंडोनेशिया से आयातित सामानों का प्रयोग याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित समान वस्तु के साथ परस्पर परिवर्तनीय रूप से किया जा सकता है।
- (iii) पीटी कालिट्म नाइट्रेट के दावे को स्वीकार किए बिना, यदि उनके द्वारा उत्पादित और निर्यातित सामान जांच की विषय वस्तु नहीं है तो यदि कोई शुल्क लगाए जाते हैं तो वे उससे प्रभावित नहीं होंगे। अतः वर्तमान जांच से उन्हें कोई शिकायत अथवा आपत्ति नहीं हो सकती। यदि वर्तमान जांच में उनका दावा स्वीकार किया जाता है तो कार्यवाहियों में उनका कोई स्थान नहीं होगा क्योंकि नियमावली के अनुसार वे हितबद्ध पक्षकार नहीं हैं। इस मद पर तर्क करते समय याचिकाकर्ता ने मेरिनो पैनल प्रोडक्ट्स लि. बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी ने सेसटेट के निर्णय का उल्लेख किया।
- (iv) मैसर्स पीटी कालिट्म नाइट्रेट, इंडोनेशिया ने जांच के बहुत ही अंतिम समय में 21 जून, 2017 को निर्यातक की प्रश्नावली का उत्तर दायर किया।
- (v) पीटी कालिट्म द्वारा उल्लेख किए गए अनुसार विश्लेषण का प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं कराया गया है।
- (vi) इंडोनेशिया के निर्यातक ने निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर दायर नहीं किया था और वह असहयोगी है। यदि उसने विचाराधीन उत्पाद को छोड़कर अन्य सामानों का निर्यात किया है तो उस आधार पर जांच की समाप्ति की मांग करने का उसे कोई अधिकार नहीं है। कंपनी का तर्क यह है कि उन्होंने गैर विचाराधीन उत्पाद की आपूर्ति की है, परंतु उसे सिद्ध नहीं किया गया है।

(vii) प्रस्तावित संयुक्त क्षमता के संबंध में अन्य पक्षकारों के दावे के संबंध में याचिकाकर्ता अनुरोध करते हैं कि दावा की गई क्षमताएं अमोनियम नाइट्रेट की विभिन्न किस्मों के लिए हैं और इसीलिए ये केवल सूचित की गई क्षमताएं नहीं हैं अपितु उत्पादन का प्राप्य स्तर भी है। जांच की अवधि के दौरान माह दर माह उत्पादन दर्शने वाला विवरण पहले ही रिकार्ड में है।

(viii) कानून में एक ऐसी स्थिति की परिकल्पना है जिसमें उत्पादन की अलग से पहचान संभव नहीं है तथा ऐसी स्थिति में जिस सिद्धांत को अपनाया जाना चाहिए, उसका भी प्रावधान है अर्थात् पाटित आयातों के प्रभाव का मूल्यांकन छोटे से छोटे समूह के उत्पादन अथवा उत्पाद श्रृंखला की जांच कर किया जाना चाहिए जिनमें समान उत्पाद शामिल हैं जिसके लिए आवश्यक सूचना दी जा सकती है।

(ix) अमोनियम नाइट्रेट के संबंध में उत्पादन क्षमताएं भिन्न रूपों में हैं और इसीलिए उपयोग में न लाई गई क्षमताओं का निर्धारण विभिन्न रूपों में अमोनियम नाइट्रेट के उत्पादन तथा सभी रूपों में अमोनियम नाइट्रेट के उत्पादन के लिए घरेलू उद्योग में क्षमता के आधार पर किया गया है।

(x) आवेदन प्रपत्र में याचिकाकर्ता से यह अपेक्षा नहीं है कि वे अपनी संयंत्र वार और उत्पादन वार क्षमताएं घोषित करें। आवेदन प्रपत्र में याचिकाकर्ताओं से यह अपेक्षा की गई है कि वे घरेलू उद्योग के संबंध में समग्र रूप से सूचना दें। आवेदन प्रपत्र में घरेलू उद्योग के प्रत्येक घटक के लिए अलग से सूचना अपेक्षित नहीं है।

(xi) विद्युत एवं मशीनों की कमी से संबंधित अन्य पक्षकारों के दावे के संबंध में याचिकाकर्ताओं ने अनुरोध किया कि किसी भी समय विद्युत एवं संयंत्र की कमी तथा मशीनों की खराबी नहीं थी। डीएफपीसीएल के के-1 संयंत्र में चार माह के लिए हड्डताल थी। तथापि, संयंत्र सामान्य स्तर पर प्रचालित हुए। एसटीएल में चार माह के लिए बड़ी खराबी आ गई थी जिससे एसटीएल में उत्पादन प्रभावित हुआ।

(xii) ग्राहकों को अन्यायपूर्ण अवरोध संबंधी हितबद्ध पक्षकारों के दावे के संबंध में याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया कि घरेलू उद्योग की क्षमता तथा प्रयोक्ता उद्योगों और खनन उद्योग को तथाकथित अन्यायपूर्ण अवरोध के बीच कोई संबंध नहीं है। यदि कोई निर्यातिक/उपभोक्ता उत्पाद का निर्यात/आयात करना चाहता है और देश में उत्पाद की मांग पूरा करता है तो वह ऐसा करने के लिए स्वतंत्र है, परंतु पाटित कीमतों पर नहीं कर सकता।

(xiii) मांग एवं आपूर्ति के अंतर संबंधी हितबद्ध पक्षकारों के तर्क के संबंध में याचिकाकर्ताओं ने यह तर्क दिया कि उन्होंने आयात पर किसी प्रतिबंध की मांग नहीं की है, जैसा कि सेसटेट ने माना है और प्राधिकारी ने बार-बार माना है। देश में उत्पाद के लिए मांग आपूर्ति अंतर से संबद्ध देशों से पाटित आयात के विरुद्ध उपचारात्मक उपायों की मांग करने के लिए घरेलू उद्योग के अधिकारों पर किसी भी तरह कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

(xiv) घरेलू उद्योग द्वारा "हितबद्ध पक्षकारों" की क्षमताओं की आपूर्ति करने संबंधी उनके तर्क के संबंध में, याचिकाकर्ताओं ने अनुरोध किया कि उन्होंने इस कारण के लिए कि विभिन्न किस्मों के अमोनियम नाइट्रेट के उत्पादन के लिए समान क्षमता का उपयोग किया जा सकता है और 0.83 जी/सीसी से अधिक घनत्व

वाले अमोनियम नाइट्रेट का उत्पादन करने के लिए पूरी तरह से उपयोग में लाई जा सकती है, क्षमता उपयोग के निर्धारण के लिए उन्होंने संयुक्त आंकड़े साफ-साफ दे दिए हैं।

(xv) अन्य हितबद्ध पक्षकारों के तथ्यों का उत्तर देते हुए यह अनुरोध किया गया था कि चूंकि, यूक्रेन से आयात जांच की अवधि के दौरान नियम 14(घ) के तहत निर्धारित सीमाओं से कम था, अतः उसे संबद्ध देश के रूप में नहीं माना जा सकता।

(xvi) हितबद्ध पक्षकारों के इस तर्क के संबंध में कि टीपीएम कंसल्टेंट्स इस मामले में प्राधिकृत नहीं है, याचिकाकर्ताओं ने अनुरोध किया कि टीपीएम कंसल्टेंट्स विधिवत रूप से प्राधिकृत है और प्राधिकार पत्र की प्रति पहले ही रिकार्ड में रखी है।

(xvii) घरेलू उद्योग के उत्पाद में दोषों के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के तर्क नकार दिए गए थे और इस आधार पर विभाजित माने गए थे कि घरेलू उद्योग पिछले कई वर्षों से संबद्ध सामानों के उत्पादन और विक्री में लगा हुआ है। यदि सामान दोषपूर्ण होते तो इतनी भारी मात्रा में उनका उपयोग न किया गया होता।

(xviii) एक हितबद्ध पक्षकार के इस तर्क के संबंध में कि डीएफपीसीएल उद्योग का उत्पाद स्थिर नहीं है, याचिकाकर्ताओं ने अनुरोध किया कि घरेलू उद्योग ने क्षति की अवधि में मांग का 60 प्रतिशत पूरा किया है जो अपने आप में यह दर्शाता है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित सामानों का भारत में उपभोग हो रहा है।

(xix) अमोनियम नाइट्रेट नियमावली, 2012 शुरू होने से कोई विकृति नहीं आई है और इससे उत्पाद के लिए मांग प्रभावित नहीं हुई है। जब मांग कम हुई, तो लाभ में सुधार आया और जब मांग बढ़ी को लाभ कम हो गया। इस प्रकार, घरेलू उद्योग के लाभ में कमी मांग में कमी के कारण नहीं है। स्पष्ट है कि अमोनियम नाइट्रेट नियमावली, 2012 वर्तमान जांचों में किसी भी तरह संगत नहीं है।

(xx) पीएसयू उपभोक्ताओं पर प्रस्तावित पाटनरोधी शुल्क के प्रतिकूल प्रभाव के संबंध में, जैसा कि एक हितबद्ध पक्षकार अर्थात ब्लैक डायमंड ने तर्क दिया है, याचिकाकर्ताओं ने अनुरोध किया कि यह बिना किसी औचित्य के मात्र एक विवरण है। यदि उस अवधि के लिए अमोनियम नाइट्रेट की आयात कीमत पर विचार किया जाए तो यह स्पष्ट होगा कि यदि पाटनरोधी शुल्क लगाया जाता है तो उत्पाद के लिए आयात कीमत उन आयात कीमतों से कम रहेगी जो 2013-14 में थी। इसके अतिरिक्त, ब्लैक डायमंड एक पीएसयू उपभोक्ता नहीं है और इसीलिए वह अन्य पीएसयू उपभोक्ताओं के संबंध में तर्क नहीं दे सकता तथा वह अपने प्रचालनों तक ही सीमित रहना चाहिए।

च.2 निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

21. जांच की अवधि के दौरान विभिन्न मुद्दों के संबंध में उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध निम्नलिखित हैं:

- पीटी काल्टिम नाइट्रेट एक विनिर्माता है और 0.757 से 0.772 जी/सीसी के सामूहिक घनत्व वाले अमोनियम नाइट्रेट का निर्यातक है जो कि विशेष रूप से संबद्ध जांच के क्षेत्र से अलग किया गया है। इस

प्रकार, उन्हें जांच के क्षेत्र से बाहर रखा जाना चाहिए क्योंकि वे विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र के अंतर्गत नहीं आते हैं।

- ii. चूंकि, केवल एक निर्यातक इंडोनेशिया से है, इंडोनेशिया के विरुद्ध वर्तमान जांच तत्काल समाप्त की जानी चाहिए।
- iii. यह याचिका केवल घरेलू उद्योग की संयुक्त क्षमता दर्शाती है जो कि उचित नहीं है।
- iv. प्राधिकारी को स्थल सत्यापन करना चाहिए तथा दोनों याचिकाकर्ताओं की वास्तविक क्षमता सत्यापित करनी चाहिए।
- v. याचिकाकर्ता बहु विध उत्पादों के विनिर्माता हैं और संबद्ध सामानों के उत्पादन के लिए उनकी क्षमता को संबद्ध सामानों के उत्पादन के लिए वास्तविक समर्पित क्षमता के रूप में माना जाना चाहिए न कि विभिन्न अमोनियम नाइट्रेट ग्रेडों की क्षमता के लिए।
- vi. याचिकाकर्ता विभिन्न स्थानों पर विद्युत की कमी और संयंत्र तथा मशीनों की खराबी के कारण कम क्षमता पर निरंतर उत्पादन करते रहे हैं।
- vii. इस क्षमता को वास्तविक क्षमता मानते हुए अमोनियम नाइट्रेट की मात्रा गलत बताते हैं जो कि घरेलू तौर पर आपूर्ति की जा सकती है और अन्यायपूर्ण रूप से प्रयोक्ता उद्योगों तथा खनन उद्योग में अवरोध करेगी। विस्फोटकों की खपत खनन उद्योगों द्वारा की जाती है जो कि विभिन्न उद्योगों की रीढ़ की हड्डी है। इस प्रकार, पाटनरोधी शुल्क जनहित में नहीं होगा।
- viii. भारत में मांग को पूरा करने के लिए अमोनियम नाइट्रेट का आयात पूर्णतः अनिवार्य है। यहां तक कि याचिकाकर्ता यदि पूर्ण क्षमता पर उत्पादन करते हैं तो भारत में मांग पूरी नहीं की जा सकती।
- ix. याचिका में विभिन्न मानदंडों पर कमियां हैं जिससे इस जांच को समाप्त करना आवश्यक हो जाता है।
- x. निर्यात कीमत में किए गए समायोजनों का कोई साक्ष्य नहीं दिया गया है।
- xi. जिस आधार पर आईबीआईएस से प्राप्त लेन-देन वार आंकड़ों को छांटा गया है, वह स्पष्ट नहीं है।
- xii. याचिकाकर्ताओं द्वारा दिए गए आईबीआईएस आंकड़ों के आधार पर विचाराधीन उत्पाद के सामूहिक घनत्व के संबंध में आंकड़ों को अलग करना संभव नहीं है। यह आंकड़ा 0.83 जी/सीसी से कम सार्वजनिक घनत्व वाले अमोनियम नाइट्रेट का आयात अलग करने के लिए तथा अलग नहीं किया गया है और इस प्रकार ये आंकड़े पूर्णतः अविश्वसनीय हैं।
- xiii. याचिकाकर्ता ने "अन्य देशों" के अपने परिकलन में प्रमुख निर्यातक देशों को रोका है। अमोनियम नाइट्रेट निमायवली, 2012 के कार्यान्वयन से पूर्व अमोनियम नाइट्रेट की प्रमुख मात्रा का खुले रूप में यूक्रेन से भारत में आयात किया जाता है।
- xiv. टीपीएम कंसल्टेंट्स आवेदक उद्योग की ओर से कोई अनुरोध करने के लिए प्राधिकृत नहीं है।
- xv. घरेलू उद्योग का उत्पाद अंतर्निहित रूप से दोषपूर्ण है।

xvi. मेल्ट और अमोनियम नाइट्रेट "सॉलिड"/प्रिल्स के अन्य उत्पादकों के संबंध में सूचना प्राधिकारी से रुकी हुई है, यहां तक कि जब डीएफपीसीएल ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में उद्योग की वृद्धि "दबाए" जाने का दावा किया है।

xvii. जीएनएफसी द्वारा उत्पादित अमोनियम नाइट्रेट मेल्ट के 1,60,000 टन को भरूच में लाइसेंसधारी परिवर्तकों की सहायता से गुजरात में भरूच में उनके संयंत्र के निकट अमोनियम नाइट्रेट ठोस (घनत्व 1.0 जी/सीसी) को ठोस क्रिस्टलीन अमोनियम नाइट्रेट में परिवर्तित किया जाता है जो कि विचाराधीन उत्पाद के वर्गीकरण में सर्वोत्तम उपयुक्त है तथा इस सूचना को याचिकाकर्ता द्वारा जान बूझकर दबाया गया है।

xviii. याचिकाकर्ताओं ने महत्वपूर्ण तथ्यों को दबाया है, जैसे – ऐसी कोई हाल की घटनाएं नहीं हैं जिससे मांग प्रभावित हुई हो अथवा जनवरी एवं जुलाई, 2013 के बीच कोई आयात नहीं हुए थे और आयात एवं परिणामस्वरूप मांग अमोनियम नाइट्रेट नियमावली, 2012 के शुरू होने के कारण वर्ष 2013-14 में मांग बुरी तरीके से कम हुई।

xix. पाटनरोधी उपाय लगाए जाने से अंतिम उत्पाद के पीएसयू उपभोक्ता तथा राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था बुरी तरह से प्रभावित होगी।

xx. याचिकाकर्ताओं ने जान बूझकर यह गलत बताया है कि अमोनिया की कीमतें बढ़ रही हैं जो कि स्थिति नहीं है।

xxi. रस्तवी अजोट भारत को सीधे ही अमोनियम नाइट्रेट नहीं बेचता और उसका ड्रेमूर के साथ करार है जो आगे अन्य देशों को बेचता है। रस्तवी ड्रेमूर और उसके क्रेताओं के बीच वाणिज्यिक वार्ताओं में पक्षकार नहीं हैं।

xxii. जेएससी अजोट बाजार कीमतों पर प्राकृतिक गैस खरीदता है और एक भरे हुए स्टॉक के रूप में प्राकृतिक गैस का प्रयोग करने में स्वाभाविक लागत का लाभ लेता है और अपनी अधिक दक्ष उत्पादन प्रक्रिया से वैश्विक रूप से कीमत प्रतिस्पर्द्धी है। ये कारक यह आरोप लगाने के लिए आधार नहीं हैं सकते कि वह अमोनियम नाइट्रेट का पाटन कर रहा है।

xxiii. जांच की अवधि के दौरान भारत में सीधी बिक्री केवल एक लेन देन है। यह बाजार संचालित कीमतों पर किया गया था। अन्य सभी बिक्रियां ड्रेमूर फर्टिलाइजर्स के माध्यम से की जाती हैं। जेएससी ड्रेमूर और उसके उपभोक्ताओं के बीच वाणिज्यिक वार्ताओं में पक्षकार नहीं हैं।

xxiv. नवंबर, 2003 में रूस को भारतीय सीमा प्रशुल्क नियमावली, 1995 में एनएमई वाले देशों की सूची से अलग किया गया था और बाद में भारतीय अधिकारियों ने रूस को आश्वासन दिया कि भारत ने पहले ही रूस के यथा तथ्यतः बाजार स्तर को स्वीकार कर लिया है जिसे पुनः विभिन्न अवसरों पर आश्वस्त किया गया था।

xxv. याचिकाकर्ताओं द्वारा उनके 03 जनवरी, 2017 के लिखित अनुरोधों में दी गई एलडीएएन के घनत्व सहित उत्पादकों की सूची घनत्व की श्रृंखला में कोई स्थान नहीं रखती। इसके अतिरिक्त, दिए गए आंकड़ों में स्रोत नहीं है, अतः उसकी विश्वसनीयता किसी भी तरह से सुनिश्चित नहीं की जा सकती।

च.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

22. विभिन्न मुद्दों तथा प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए मुद्दों के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच की गई और निम्नलिखित रूप में उनका समाधान किया गया:

- i. जहां तक इंडोनेशिया के विश्व जांच को समाप्त करने का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पीटी कालिम नाइट्रेट ने निर्यातक की प्रश्नावली में प्रश्नों के उत्तर दायर नहीं किए और केवल तर्क दिए। तथापि, कंपनी ने दावा किया कि उन्होंने विचाराधीन उत्पाद का निर्यात नहीं किया है, परंतु उन्होंने इस संबंध में कोई सूचना नहीं दी है कि निर्यातक की प्रश्नावली में उन उत्पादों के संबंध में सूचना नहीं दी है जिनका उन्होंने निर्यात किया है ताकि प्राधिकारी उनके दावे का सत्यापन करने में सक्षम हों कि उनके द्वारा निर्यातित सामान विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से बाहर है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कंपनी द्वारा निर्यातित सामानों के संबंध में सत्यापन योग्य सूचना के अभाव में प्राधिकारी उनके द्वारा निर्यातित उत्पाद के संबंध में स्वयं को संतुष्ट कर सकें तथा यह संतुष्ट कर सकें कि क्या वह उत्पाद विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से बाहर पड़ता है। अतः प्राधिकारी यह सिद्ध नहीं कर पाए कि इंडोनेशिया से अमोनियम नाइट्रेट का आयात वह अमोनियम नाइट्रेट नहीं है जिसका घनत्व 0.83 जी/सीसी से अधिक हो। तथापि, उनके द्वारा दायर अनुरोधों के आधार पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि यदि पाटनरोधी शुल्क लगाया जाता है तो वह केवल विचाराधीन उत्पाद अर्थात अमोनियम नाइट्रेट के आयात पर ही लगाया जाएगा, चाहे वह प्रिल्ड हो, ग्रेन्युलर हो अथवा अन्य ठोस रूप में हो, चाहे उसमें संयोजन अथवा कोटिंग हो या न हो तथा सामूहिक घनत्व 0.83 जी/सीसी से अधिक हो।
- ii. याचिकाकर्ताओं द्वारा सूचित संयुक्त क्षमता के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध उत्पाद और गैर संबद्ध उत्पाद अमोनियम नाइट्रेट के उत्पादन के लिए समान क्षमता का उपयोग किया जाता है। अतः संयुक्त क्षमता तथा कुल उत्पादन की सूचना देना क्षमता उपयोग के निर्धारण के लिए उपयुक्त है। जहां तक संयंत्र वार क्षमता और उत्पादन के प्रकटन का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकारी को समग्र रूप से घरेलू उद्योग पर विचार करके घरेलू उद्योग को क्षति की जांच करनी होती है न कि घरेलू उद्योग के किसी विशेष घटक को क्षति के संबंध में।
- iii. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि प्रस्तावित पाटनरोधी शुल्क से खनन उद्योग और प्रयोक्ता उद्योगों में अन्यायपूर्ण रूप से अवरोध होगा, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यदि कोई निर्यातक/उपभोक्ता उत्पाद का आयात करना चाहता है तथा देश में उस उत्पाद की मांग को पूरा करता है तो वे ऐसा करने के लिए स्वतंत्र हैं। परंतु वे पाटित न की गई कीमतों पर होना चाहिए। जैसा कि पाटनरोधी शुल्क का प्रयोजन सामान्यतः क्षतिकारक प्रभाव को समाप्त करना है।

iv. जहां तक मांग और आपूर्ति में अंतराल संबंधी हितबद्ध पक्षकारों के तर्क का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क आयात पर प्रतिबंध नहीं लगाते, इसकी बजाए वे घरेलू उद्योग को एक व्यापारिक क्षेत्र प्रदान करते हैं और उसे पाटित उत्पादों से संरक्षण प्रदान करते हैं।

v. जहां तक यूक्रेन से आयात का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि उसे वर्तमान जांचों के घेरे से अलग कर दिया गया है क्योंकि यूक्रेन से आयात कुल आयातों के न्यनतम 3 प्रतिशत के स्तर से कम है।

vi. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद दोषपूर्ण है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी भी पक्षकार ने किसी साक्ष्य के साथ अपने इस तर्क को सिद्ध नहीं किया है और इसीलिए इन दावों का कोई औचित्य नहीं है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित सामानों का उपभोग भारी संख्या में भारत में उपभोक्ताओं द्वारा किया जा रहा है जो इस तथ्य से प्रदर्शित किया जा सकता है कि उसने भारत में क्षति की अवधि में 60 प्रतिशत मांग पूरी की।

vii. जहां तक इस तथ्य को प्रकट न किए जाने का संबंध है कि जीएनएफसी और आरसीएफ प्रमुख अमोनियम नाइट्रेट मेल्ट के विनिर्माता हैं, प्राधिकारी नोट करते हैं कि चूंकि, अमोनियम नाइट्रेट मेल्ट विचाराधीन उत्पाद का भाग नहीं है, अतः गैर विचाराधीन उत्पाद मद की जांच करना वांछनीय नहीं है तथा इसीलिए हितबद्ध पक्षकार ने तथ्यों सहित अपने दावे को सिद्ध नहीं किया है।

viii. जहां तक अमोनियम नाइट्रेट नियमावली, 2012 के प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि उससे कोई विकृति नहीं आई है तथा उत्पाद के लिए मांग पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है, इसके बजाए यह इस तथ्य से प्रदर्शित है कि जब मांग घटी तो लाभ बढ़ा और जब मांग बढ़ी तो लाभ घटा। इस प्रकार, घरेलू उद्योग के लाभ में गिरावट मांग में कमी के कारण नहीं है।

छ. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

23. धारा 9क(1)(ग) के अधीन, किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य है :

(i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातिक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा

(ii) जब निर्यातिक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातिक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा:-

(क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातिक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो;

अथवा

(ब) उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उद्धम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत;

परंतु यदि उक्त वस्तु का आयात उद्धम वाले देश से भिन्न किसी देश से किया गया है और जहां उक्त वस्तु को निर्यात के देश से होकर केवल यानांतरण किया गया है अथवा ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यात के देश में नहीं होता है, अथवा निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्धम वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

छ. 1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

24. सामान्य मूल्य के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- i. सर्वोत्तम प्रयास करने के बाद भी याचिकाकर्ता निर्यात के देश में घरेलू बिक्री के संबंध में सूचना एकत्र करने में सक्षम नहीं रहे हैं और इस प्रकार उनके पास निर्यातक के लिए उत्पादन की लागत निर्मित करने के सिवाए कोई विकल्प नहीं रहा। जांच की अवधि के लिए सीआईएफ कीमत आईबीआईएस आंकड़ों से ली गई है। विदेशी भाड़े की दरें शीशेल लॉजिस्टिक्स से प्राप्त की गई दरों के आधार पर हैं। अंतर्देशीय भाड़ा और पत्तन प्रभार अनुभव के आधार पर अनुमानित किए गए हैं। यही सिद्धांत वैश्विक रूप से और भारत में भी व्यापक रूप से लागू किया गया है।
- ii. अमोनिया एक विपणन योग्य उत्पाद है जिसका वैश्विक रूप से काफी व्यापार होता है। ऐसी स्थिति में, जब उत्पादक पिछड़ा एकीकृत हो और कैप्टिव रूप से अमोनिया का उत्पादन कर रहा हो तो प्राधिकारी को ऐसे मामलों में अमोनिया का मूल्य निर्धारण बाजार की कीमत पर करने पर विचार करना चाहिए। एकीकृत और गैर एकीकृत उत्पादक के बीच कोई भेदभाव नहीं किया जा सकता। इसके अतिरिक्त, ऐसी स्थिति में जब अमोनिया एक कैप्टिव इनपुट है, तो कंपनी के रिकार्ड के आधार पर इसका मूल्य निर्धारण अत्यधिक विकृत हो सकता है। अतः प्राधिकारी को यह पुष्ट करना चाहिए कि इन कंपनियों द्वारा अमोनिया का मूल्य सस्ते बाजार मूल्यों पर रखा गया है।
- iii. याचिका में और जांच शुरू किए जाने के स्तर पर सकारात्मक साक्ष्य की कोई आवश्यकता नहीं है। इसके विपरीत, सकारात्मक साक्ष्य की आवश्यकता प्राधिकारी द्वारा किए गए निर्धारण के संबंध में है न कि आवेदन पत्र की विषय वस्तु के लिए। पक्षकारों का तर्क का यह अभिप्राय है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी जांच के आरंभिक चरण में निर्धारण कर सकता है।
- iv. प्राधिकारी कृपया याचिकाकर्ताओं द्वारा सूचित किए गए उपभोग मानदंडों की तुलना निर्यातकों द्वारा सूचित किए गए उपभोग से करने की कृपा करें। यद्यपि याचिकाकर्ताओं ने पूरी धृति अवधि के लिए कच्ची सामग्री के उपभोग की सूचना दी है, तथापि, निर्यातकों ने केवल जांच की अवधि के लिए उपभोग मानदंडों की सूचना दी है।

v. निर्यात कीमत का निर्धारण सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 9क के अनुसार किया गया है। वस्तुतः जांच शुरू करने संबंधी अधिसूचना में प्राधिकारी ने नोट किया कि याचिका में निर्यात कीमत के पर्याप्त साक्ष्य हैं।

vi. आईबीआईएस आंकड़ों में अनुमानित सीआईएफ कीमतें सूचित नहीं की गई हैं। इसमें वास्तविक सीआईएफ कीमतें सूचित की गई हैं। इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी कृपया डीजी सिस्टम्स के आंकड़े मंगाएं और डीजी सिस्टम्स के आंकड़ों के साथ निर्यातकों की तिमाही रिपोर्ट से सह संबंध बनाएं।

vii. प्राकृतिक गैस विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन के लिए इनपुट नहीं है, परंतु अमोनिया के उत्पादन के लिए है जो कि भारी मात्रा में व्यापार योग्य वस्तु है। देश में अमोनिया का काफी आयात है जो उत्पाद के रूप में अमोनिया की विपणनीयता साफ-साफ सिद्ध करता है। इस प्रकार, यदि विचाराधीन उत्पाद के उत्पादक पिछड़े एकीकृत भी हैं और प्राकृतिक गैस से अपने अमोनिया का उत्पादन कर रहे हैं तो भी प्राधिकारी को कम्बी सामग्री की लागत के रूप में अमोनिया की खरीद कीमत पर विचार कर विचाराधीन उत्पाद की लागत निर्मित करना अपेक्षित है।

viii. प्राकृतिक गैस अमोनिया और नाइट्रिक एसिड के विनिर्माण के लिए प्रयुक्त एक कम्बी सामग्री इनपुट है और उसे ऊर्जा के स्रोत के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता है। रूस में अधिकतर गैस का उत्पादन सरकारी नियंत्रणाधीन गजप्रोम द्वारा किया जाता है। रशियन फेडरेशन की घरेलू गैस की कीमतें प्राकृतिक गैस की कीमतें निर्धारित करने के लिए रूसी सरकार (वाया द एफटीएस) के हस्तक्षेप के कारण कृत्रिम रूप से कम बनी रहती हैं। इस प्रकार, रशियन फेडरेशन ने "विशेष बाजार स्थिति" विद्यमान रहती है। याचिकाकर्ता ने इस संबंध में रशियन फेडरेशन से सीधे ही अथवा एस्टोनिया के द्वारा निर्यातित अमोनियम नाइट्रेट से संबंधित जांचों में ऑस्ट्रेलियाई जांचकर्ता प्राधिकारी की टिप्पणियों का संदर्भ भी दिया है। चूंकि, प्राकृतिक गैस की घरेलू कीमतें विश्वसनीय नहीं हैं, अतः सामान्य मूल्य उपयुक्त आधार पर निर्मित किया जाना चाहिए।

ix. ईरान में संबद्ध सामानों के निर्यातकों और उत्पादकों तथा अन्य संबद्ध देशों में कुछ उत्पादकों ने प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। ऐसी स्थिति में विदेशी उत्पादक/निर्यातक द्वारा सहयोग न किए जाने के निमित्त एक प्रतिकूल दृष्टिकोण लिया जाना चाहिए।

छ.3 निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

25. निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों का सार नीचे दिया गया है:

- (i) सामान्य मूल्य का निर्माण बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों अर्थात रूस, इंडोनेशिया एवं ईरान के लिए नहीं किया जा सकता है।
- (ii) गैर बाजार अर्थव्यवस्था के लिए सामान्य मूल्य का निर्माण करने के सिद्धांत के बावजूद (जॉर्जिया के मामले में) याचिकाकर्ताओं का सिद्धांत पाटनरोधी नियमावली के अनुरूप नहीं है क्योंकि न तो जॉर्जिया के लिए

सामान्य मूल्य के परिकलन के लिए आंकड़े प्राप्त करने हेतु कोई प्रयास किए गए हैं और न ही सामान्य मूल्य के परिकलन के प्रयोजन से तीसरे देशों में घरेलू कीमतें प्राप्त करने के लिए याचिकाकर्ताओं द्वारा किए गए प्रयासों का उल्लेख किया गया है।

- (iii) याचिकाकर्ता एक उपयुक्त बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश का चयन नहीं कर पाए अथवा उस तरीके से ब्यौरे नहीं दे पाए जिसमें भारत में कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित किया गया है।
- (iv) अधिकतर निर्यातिक एकीकृत अमोनियम नाइट्रेट संयंत्र के भीतर प्राकृतिक गैस से अमोनिया का उत्पादन करते हैं। ऐसी स्थिति में अमोनिया एक माध्यमिक उत्पाद है और इसकी सीधी लागत सीआरयू कीमत के आधार पर परिकलित नहीं की जा सकती जो कि अमोनिया के लिए एक बाजार कीमत है।
- (v) जिस सकारात्मक साक्ष्य अथवा आधार पर कतिपय लागतें अपनाई गई हैं, उन्हें याचिकाकर्ताओं ने दर्शाया नहीं है। इस प्रकार, वे डब्ल्यूटीओ एडीए के तहत साक्ष्यकारी शर्त के परीक्षण में विफल हुए हैं।
- (vi) प्रतिभागी निर्यातिक के उपभोग मानदंडों पर सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए वर्तमान जांच में विचार किया जाना चाहिए।
- (vii) निर्यात कीमत के निर्धारण का आधार त्रुटिपूर्ण है।
- (viii) सामान्य मूल्य के निर्माण के लिए प्रयुक्त सिद्धांत दोषपूर्ण है क्योंकि निर्यातिक प्राकृतिक गैस का प्रयोग करते हैं जबकि याचिकाकर्ताओं ने अमोनिया का प्रयोग एक कद्दी सामग्री के रूप में किया है जो कि अधिक खर्चीली है और उत्पादन प्रक्रिया भी दक्ष नहीं है; याचिकाकर्ताओं ने अपने मूल्य ह्रास को माना है और उनके संयंत्रों का गठन हाल ही में किया गया है, जिससे उनकी मूल्य ह्रास लागत निर्यातिकों की मूल्य ह्रास लागत की तुलना में अधिक है और निर्यातिकों के संयंत्रों की क्षमता याचिकाकर्ताओं से काफी अधिक है जिसके कारण निर्यातिक किफायत लेते हैं जिससे उनकी उत्पादन लागत कम हो जाती है।
- (ix) रुस्तवी अजोट उन बाजार कीमतों के बराबर अथवा उनसे अधिक कीमतों पर प्राकृतिक गैस की खरीद करते हैं जो अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन में दर्शाई गई कीमतों के आधार पर हैं। उसे व्यापक प्राकृतिक गैस भंडार की समीपता के कारण अपने घरेलू स्टॉक के रूप में प्राकृतिक गैस का इस्तेमाल करने में स्वभाविक लागत का लाभ होता है और वह अपनी अधिक दक्ष उत्पादन प्रक्रिया से वैश्विक रूप से कीमत प्रतिस्पर्द्धी है जो कि यह आरोप लगाने का आधार नहीं हो सकता कि वह अमोनियम नाइट्रेट का पाटन कर रहा है।
- (x) रूस में अमोनियम नाइट्रेट के चार प्रमुख उत्पादक हैं और उनमें से प्रत्येक बिना किसी सरकारी हस्तक्षेप के निजी संयुक्त स्टॉक कंपनी है।
- (xi) रूस में गैस बाजार में कीमतें आपूर्ति एवं मांग के सह संबंध द्वारा निर्धारित की जा रही हैं और वे बाजार संकेतों का अनुसरण करते हुए तथा वर्तमान जांच से उनका कोई मतलब नहीं है।
- (xii) रूस में बिजली की कीमतों का वर्तमान जांच से कोई मतलब नहीं है। वितरक एवं बिक्री कंपनियां मुफ्त बाजार कीमतों पर खुदरा बाजार में घरों को छोड़कर औद्योगिक उपभोक्ताओं को बिजली एवं क्षमता की

बिक्री कर रही हैं। सरकार विशेष सेवाओं में अंतिम कीमत के कुछ संघटकों को ही विनियमित करती है जो कि एकाधिकार के विरुद्ध विनियमन अनुसार की जाती है।

- (xiii) याचिकाकर्ताओं द्वारा आईबीआईएस आंकड़ों के आधार पर प्रस्तुत की गई निर्यात कीमतें उपयुक्त नहीं हैं क्योंकि आईबीआईएस रिपोर्टों में केवल अनुमानित रूप से सीआईएफ/एफओबी कीमतें हैं तथा डीजीएडी को चाहिए कि वे रूसी निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के आधार पर अपनी अवधारणा बनाए।
- (xiv) निर्मित सामान्य मूल्य का परिकलन पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 2.2 के प्रावधानों के अनुरूप नहीं है।

छ.4 प्राधिकारी द्वारा जांच

26. धारा 9क(1)(ग) के अधीन, किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य है

- (i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातिक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
- (ii) जब निर्यातिक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातिक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा:-

 - (क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातिक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो;
 - अथवा
 - (ख) उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत;

27. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी जिसमें उन्हें सलाह दी कि वे निर्धारित प्रपत्र में और तरीके से सूचना दें। तथापि, निम्नलिखित उत्पादकों एवं निर्यातकों को छोड़कर संबद्ध देशों के किसी भी अन्य उत्पादक/निर्यातिक ने निर्धारित प्रश्नावली के उत्तर दायर कर इस जांच में सहयोग नहीं किया।

- क. नोवोमोसकोविसकाया (नक अजोट), रूस (उत्पादक) और यूरोकेम ट्रेडिंग जीएमबीएच, स्विट्जरलैंड (निर्यातिक) और रॉफर्ट ऑफशोर साल

ख. जेएससी अजोट, रूस (उत्पादक), एसबीयू – नाइट्रोट्रेट एजी और ड्रेमूर फर्टिलाइजर्स ओवरसीज पीटीई लि., सिंगापुर (निर्यातिक)

ग. रुस्तवी अजोट एलएलसी, जॉर्जिया (उत्पादक) और ड्रेमूर फर्टिलाइजर्स ओवरसीज पीटीई लि., सिंगापुर (निर्यातिक)

घ. ज्वाइंट स्टॉक कंपनी यूनाइटेड केमिकल कं. उरालकेम, रूस (उत्पादक) और एसआईए उरालकेम ट्रेडिंग, लटविया (निर्यातिक)

28. चूंकि उपर्युक्त उत्पादकों/निर्यातिकों ने प्रश्नावली के उत्तर दायर किए हैं, अतः प्राधिकारी सहकारी निर्यातिकों के संबंध में अलग-अलग पाटन मार्जिन निर्धारित करने पर विचार करते हैं। इन उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु प्राधिकारी द्वारा अपनाया गया सामान्य सिद्धांत सर्वप्रथम यह जांच करना है कि क्या उत्तरदायी निर्यातिकों द्वारा अपने घरेलू बाजार में संबद्ध सामानों की घरेलू बिक्री के सामान्य मूल्य के निर्धारण की अनुमति देने के लिए घरेलू बिक्री की कीमतों के आधार पर अर्थक्षम और प्रतिनिधिकारक थी तथा क्या व्यापार परीक्षण की सामान्य अवधि उत्तरदाताओं द्वारा दिए गए आंकड़ों के अनुसार संतोषपूर्ण थी। रूस के सहकारी उत्पादकों के सर्वश्रेष्ठ के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्माण किया गया है।

29. संबद्ध देशों में असहयोगी निर्यातिकों के मामले में प्राधिकारी करार के अनुच्छेद 6.8 के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के संदर्भ में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य के निर्धारण करने का प्रस्ताव करते हैं।

30. प्राधिकारी संबद्ध सामानों के उत्पादकों/निर्यातिकों के संबंध में सामान्य मूल्य, निर्यात मूल्य और पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नलिखित रूप में करने का प्रस्ताव करते हैं।

छ.4.1 रूस के मामले में पाटन मार्जिन

क. मैसर्स नोवोमोस्कोविसकाया (नक अजोट), (रूस) (उत्पादक) का सामान्य मूल्य

31. नक अजोट द्वारा दायर प्रश्नावली के उत्तर की जांच की गई है और यह पाया गया है कि उत्तरदायी ने अपने उत्तर के परिशिष्ट-1 में संबद्ध सामानों की घरेलू बिक्री कीमत के ब्यौरे दिए हैं। यह भी नोट किया गया कि इस प्रकार निर्धारित भारित औसत घरेलू बिक्री कीमत, उत्पादन की भारित औसत घरेलू लागत से अधिक थी और सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए लाभप्रद लेन-देन लिए गए थे। अतः प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के प्रावधानों के अनुसार लाभदायी बिक्री के आधार पर ही सामान्य मूल्य निर्धारित करने की प्रक्रिया चलाई। नक अजोट द्वारा दावा की गई क्रृण लागत, अंतर्देशीय भाड़ा, पैकिंग के निमित्त समायोजनों का सत्यापन किया गया है और जहां तक वे सही पाए गए हैं, उन्हें स्वीकार किया गया है। नक अजोट का इस प्रकार निर्धारित प्रस्तावित सामान्य मूल्य *** अमेरिकी डॉलर प्रति मी. टन निकलता है।

मैसर्स नोवोमोस्कोविसकाया (नक अजोट), (रूस) (उत्पादक) तथा यूरोकेम ट्रेडिंग जीएमबीएच, स्विट्जरलैंड (निर्यातक) की निर्यात कीमत

32. निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर (ईक्यूआर) के अनुसार, मैसर्स यूरोकेम ट्रेडिंग जीएमबीएच ने संबद्ध सामान रफार्ट मैसर्स नक अजोट द्वारा उत्पादित के माध्यम से भारतीय ग्राहक मैसर्स ब्लैक डायमंड को निर्यात किए। निर्यातक प्रश्नावली के उत्तरों के अनुसार जांच की अवधि के दौरान नक अजोट ने यूरोकेम ट्रेडिंग जीएमबीएच और रॉफर्ट ऑफशोर साल के माध्यम से भारत को संबद्ध सामानों का निर्यात किया है। प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि नक अजोट ने परिष्कृत संबद्ध सामान सीधे ही भारत को भेजे और केवल वाणिज्यिक बीजक मैसर्स यूरोकेम ट्रेडिंग जीएमबीएच और रफार्ट के माध्यम से किया जाता है। अंतर्देशीय भाड़ा, विदेशी भाड़ा, पैकिंग प्रभार और ऋण लागत, बैंक प्रभार के निमित्त समायोजन का दावा किया गया है और उसे आवश्यक सत्यापन के लिए स्वीकार कर लिया गया है। प्राधिकारी ने निर्यात कीमत के निर्धारण के लिए एसजीएंडए तथा व्यापारिक लाभ का भी समायोजन किया है। प्रस्तावित निर्यात कीमत *** अमेरिकी डॉलर प्रति मी. टन पर निर्धारित की गई है।

ख. मैसर्स जेएससी अजोट, केमेरोवो रूस (उत्पादक) का सामान्य मूल्य

33. जेएससी अजोट द्वारा दायर प्रश्नावली के उत्तर की जांच की गई है और यह पाया गया है कि उत्तरदाता ने अपने उत्तर के अनुबंध-1 में संबद्ध सामानों के घरेलू बिक्री कीमत विवरण दिए हैं। यह नोट किया गया था कि इस प्रकार निर्धारित भारित औसत घरेलू बिक्री कीमत, उत्पादन की भारित औसत घरेलू लागत से अधिक थी और सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए लाभप्रद लेन-देन लिए गए थे। अतः प्राधिकारी ने पाठनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के प्रावधानों के अनुसार लाभदायी बिक्री के आधार पर ही सामान्य मूल्य निर्धारित करने की प्रक्रिया चलाई। दावा किए गए अंतर्देशीय भाड़ा और पैकिंग लागत के निमित्त समायोजनों का सत्यापन किया गया है और जहां तक वे सही पाए गए हैं, उन्हें स्वीकार किया गया है। चूंकि, सभी लेन-देन 100 प्रतिशत पूर्व भुगतान पर थे, अतः ऋण लागत की कोई बात नहीं थी। जेएससी अजोट का इस प्रकार निर्धारित प्रस्तावित सामान्य मूल्य *** अमेरिकी डॉलर प्रति मी. टन निकलता है।

मैसर्स जेएससी अजोट, केमेरोवो रूस (उत्पादक) और ड्रेमूर फर्टिलाइजर्स ओवरसीज पीटीई लि., सिंगापुर (निर्यातक) की निर्यात कीमत

34. निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर (ईक्यूआर) के अनुसार, ड्रेमूर फर्टिलाइजर्स ओवरसीज पीटीई लि. ने संबद्ध सामान रूस से मैसर्स जेएससी अजोट द्वारा उत्पादित के माध्यम से भारतीय ग्राहक को निर्यात किए। निर्यातक प्रश्नावली के उत्तरों के अनुसार, जांच की अवधि के दौरान जेएससी अजोट ने एसबीयू नाइट्रोट्रेड एजी तथा ड्रेमूर फर्टिलाइजर्स ओवरसीज पीटीई लि. के माध्यम से भारत को संबद्ध सामानों का निर्यात किया है। एसबीयू नाइट्रोट्रेड एजी ने भी भारतीय ग्राहक को एक माल का सीधे ही निर्यात किया है। तथापि, यह नोट किया जाता है कि जेएससी अजोट सीधे ही परिष्कृत संबद्ध सामान भारत को भेजता है और केवल वाणिज्यिक बीजक क्रमशः एसबीयू नाइट्रोट्रेड एजी तथा मैसर्स ड्रेमूर फर्टिलाइजर्स ओवरसीज पीटीई लि. के माध्यम से किया जाता है। अंतर्देशीय भाड़ा, कमीशन पैकिंग और

विदेशी भाड़ा के निमित्त समायोजन का दावा किया गया है और उसे आवश्यक सत्यापन के लिए स्वीकार कर लिया गया है। प्राधिकारी ने निर्यात कीमत के निर्धारण के लिए एसजीएंडए तथा व्यापारिक लाभ का भी समायोजन किया है। चूंकि, सामान 100 प्रतिशत पूर्व भुगतान के आधार पर बेचे जाते हैं, अतः ऋण लागत और बैंक प्रभारों की कोई बात नहीं है। प्राधिकरण ने यह पाया कि जेएससी (एज़ोट) द्वारा उत्पादित निर्यातक / व्यापारी के लिए भारित औसत निर्यात मूल्य निर्धारित करना उचित है। प्रस्तावित भारित औसत निर्यात कीमत *** अमेरिकी डॉलर प्रति मी. टन के रूप में निर्धारित की गई है।

ग. मैसर्स ज्वाइंट स्टॉक कंपनी यूनाइटेड केमिकल कं., उरालकेम, रूस (उत्पादक) और एसआईए उरालकेम ट्रेडिंग, लटविया (निर्यातक)

35. निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर (ईक्यूआर) के अनुसार, मैसर्स एसआईए उरालकेम ट्रेडिंग ने संबद्ध सामान हांगकांग आधारित व्यापारी के माध्यम से भारतीय ग्राहक को निर्यात किए जिन्होंने रूस से मैसर्स ज्वाइंट स्टॉक कंपनी यूनाइटेड केमिकल कं., उरालकेम द्वारा उत्पादित, सामान के संबंध में निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर दायर नहीं किए। हांगकांग आधारित व्यापारी से सूचना प्राप्त न होने पर प्राधिकारी भारतीय ग्राहक को उत्पादक से निर्यात की अपूर्ण सूचना के कारण व्यक्तिगत डंपिंग मार्जिन निर्धारित नहीं कर पाए हैं, प्राधिकारी ने इन्हें असहयोगी माना है।

रूस से सभी अन्य उत्पादक/निर्यातक

36. रूस के सभी अन्य निर्यातकों, जिन्हें असहयोगी माना गया है, के संबंध में प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के अनुरूप सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत निर्धारित की। इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत क्रमशः *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन तथा *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन बनती है।

छ.4.2 जॉर्जिया के मामले में पाटन मार्जिन

37. रुस्तवी अजोट एलएलसी, जॉर्जिया ने प्रश्नावली के उत्तर दायर किए। तथापि, आरंभिक प्रश्नावली के उत्तर दायर करने के बाद कंपनी ने पूर्ण सूचना दायर करने के लिए प्राधिकारी के अनुरोध का उत्तर नहीं दिया। लागत एवं संगत सूचना के संबंध में पूरी सूचना प्रस्तुत न किए जाने को मद्देनजर प्राधिकारी ने उन्हें असहयोगी माना तथा इस प्रयोजन के लिए सामान्य मूल्य बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक लागत और नियमावली के नियम 6(8) के संदर्भ में उपलब्ध तथ्यों के अनुसार लाभ की उपयुक्त राशि जोड़ने के बाद निर्मित उत्पादन लागत के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है। निर्यात कीमत का निर्धारण भी नियमावली के नियम 6(8) के संदर्भ में उपलब्ध तथ्यों के अनुसार किया गया है। इस प्रकार सभी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत क्रमशः *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन तथा *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन बनती है।

छ.4.3 इंडोनेशिया के मामले में पाटन मार्जिन

38. इंडोनेशिया के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने प्रश्नावली के पूरे उत्तर दायर नहीं किए। तथापि, मैसर्स पीटी कालिम, इंडोनेशिया ने अपूर्ण निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर दायर किए हैं। अतः प्राधिकारी ने उन्हें असहयोगी माना।

इंडोनेशिया के उत्पादकों/निर्यातकों से असहयोग के मद्देनजर प्राधिकारी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए अलग-अलग पाटन मार्जिन निर्धारित नहीं कर पाए हैं और पाटन मार्जिन के निर्धारण के संबंध में सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के सिद्धांतों पर कार्रवाई करने के लिए मजबूर हैं। निर्यातकों के असहयोग की दृष्टि से प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(8) के संदर्भ में उपलब्ध तथ्यों के अनुसार, सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत निर्धारित की। इस प्रयोजन के लिए सामान्य मूल्य विक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक लागतों और उपयुक्त लाभ की राशि जोड़ने के बाद निर्मित उत्पादन लागत के आधार पर निर्धारित किया गया है। निर्यात कीमत भी नियमावली के नियम 6(8) के संदर्भ में उपलब्ध तथ्यों के अनुसार निर्धारित की गई है। इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत क्रमशः *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन तथा *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन बनती है।

छ.4.4 ईरान के मामले में पाटन मार्जिन

39. ईरान के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने प्रश्नावली का उत्तर दायर नहीं किया। ईरान के उत्पादकों/निर्यातकों से असहयोग के मद्देनजर प्राधिकारी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए उनके प्रश्नावली के उत्तरों के आधार पर अलग-अलग पाटन मार्जिन निर्धारित नहीं कर पाए हैं और पाटन मार्जिन के निर्धारण के संबंध में सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के सिद्धांतों पर कार्रवाई करने के लिए मजबूर हैं। निर्यातकों के असहयोग की दृष्टि से प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(8) के संदर्भ में उपलब्ध तथ्यों के अनुसार, सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत निर्धारित की। इस प्रयोजन के लिए सामान्य मूल्य विक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक लागतों और उपयुक्त लाभ की राशि जोड़ने के बाद निर्मित उत्पादन लागत के आधार पर निर्धारित किया गया है। निर्यात कीमत भी नियमावली के नियम 6(8) के संदर्भ में उपलब्ध तथ्यों के अनुसार निर्धारित की गई है। इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत क्रमशः *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन तथा *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन बनती है।

छ.4.5 पाटन मार्जिन का निर्धारण

40.

| देश | रूस | रूस | | रूस | जाँजिया | इंडोनेशिया | ईरान |
|----------------------|--|--|--|-----------------------------|--------------------------------|-----------------------------------|-----------------------------|
| निर्यातक/ उत्पादक | रॉफ्ट ऑफशोर साल के माध्यम से मैसर्स नोवोमोसकोविसकाया का (नक अजोट), (उत्पादक) और यूरोकेम ट्रेडिंग जीएमबीएच, स्विट्जरलैंड (निर्यातक) | मैसर्स जेएससी अजोट केमेरोवो (उत्पादक), एसबीयू नाइट्रोट्रेड नाइट्रोट्रेड एजी (निर्यातक) | एसबीयू नाइट्रोट्रेड एजी तथा ड्रेमूर फर्टिलाइजर्स ओवरसीज पीटीई लि., सिंगापुर (निर्यातक) के माध्यम से मैसर्स जेएससी अजोट (उत्पादक) | अन्य निर्यातक/उत्पादक (रूस) | सभी निर्यातक/उत्पादक (जाँजिया) | सभी निर्यातक/उत्पादक (इंडोनेशिया) | सभी निर्यातक/उत्पादक (ईरान) |

| | | | | | | |
|--|-------------|------|-------|-------|------|-------|
| सामान्य मूल्य (अमेरिकी डॉलर/ मी. टन) | *** | *** | *** | *** | *** | *** |
| निवल निर्यात कीमत (अमेरिकी डॉलर/ मी. टन) | *** | *** | *** | *** | *** | *** |
| (अमेरिकी डॉलर/ मी. टन) | *** | *** | *** | *** | *** | *** |
| पाटन मार्जिन % | *** | *** | *** | *** | *** | *** |
| रेंज | (-5)- (-10) | 0-10 | 10-20 | 30-40 | 5-15 | 25-35 |

ज. क्षति निर्धारण

ज.1 क्षति की जांच

41. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के लिए याचिका डीएफपीसीएल और एसटीएल द्वारा दायर की गई है जिनके उत्पादन का भारत में संबद्ध सामानों के भारतीय उत्पादन में बड़ा अनुपात है। नियमावली के नियम 2(ख) के संदर्भ में, याचिकाकर्ताओं को इस जांच के प्रयोजन के लिए घरेलू उद्योग माना गया है, अतः लागत एवं क्षति के निर्धारण के प्रयोजन के लिए याचिकाकर्ताओं की सूचना, जिसमें घरेलू उद्योग को नियम 2(ख) में परिभाषित किए गए अनुसार रखा गया है, की जांच की गई है।

ज.2 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

42. घरेलू उद्योग द्वारा क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों में निर्यातकों द्वारा संबद्ध सामानों के भारी पाटन के कारण क्षति हुई है। पाटित आयातों के क्षति का प्रभाव का विश्लेषण नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (iii) के मद्देनजर संबद्ध देशों के लिए संचयी आधार पर किया जा सकता है, क्योंकि उसमें उल्लिखित शर्तें वर्तमान जांच में पूरी की जा रही हैं।
- संबद्ध देशों से आयात की मात्रा में जांच की अवधि में आधार वर्ष से तुलना करके 61 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और पिछले वर्ष की तुलना में 107 प्रतिशत से भी अधिक की वृद्धि हुई है।
- संयुक्त अरब अमीरात से कुल 2.52 प्रतिशत का आयात किया जाना प्रतीत होता है। याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग के पास सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के अनुसार, उस देश में संबद्ध सामानों के कोई उत्पादक नहीं हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि ये आयात ईरान से वास्तव में लदान के माध्यम से किए गए हैं और इस प्रकार इन्हें ईरान से आयात के रूप में माना जा सकता है।
- आयात का बाजार हिस्सा 2013-14 की तुलना में जांच की अवधि में लगभग तिगुना हो गया है। संबद्ध देशों से आयात भारतीय बाजारों में आने वाले कुल आयातों का 97 प्रतिशत है।
- संबद्ध देशों से आयात घरेलू उत्पादन के प्रतिशत के रूप में पिछले वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में 97 प्रतिशत तक बढ़ा।

- vi. जांच की अवधि में ठीक पिछले वर्ष की तुलना में मांग काफी बढ़ी है और बढ़ती हुई मांग को अधिकतर कम कीमत वाले आयातों से पूरा किया गया है जिसके फलस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है। अतः क्षति पाटित आयातों के कारण है।
- vii. आयातों का पहुँच मूल्य भी ठीक पिछले वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान लगभग 14 प्रतिशत कम हुआ है जिससे घरेलू उद्योग लागत में वृद्धि के अनुरूप अपनी कीमतें नहीं बढ़ाया पाया। जांच की अवधि के दौरान काफी कीमत कटौती हुई है और आयातों की कम कीमत का घरेलू उद्योग पर प्रतिकूल कीमत प्रभाव पड़ा है।
- viii. घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली और पहुँच मूल्य, दोनों 2014-15 के दौरान तथा जांच की अवधि के दौरान कम हुए हैं, परंतु पहुँच मूल्य में गिरावट ज्यादा है। परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा संबद्ध सामानों को कम कीमत पर पेश करने के बावजूद घटा है।
- ix. बढ़ती हुई मांग को देखते हुए याचिकाकर्ता संबद्ध सामानों का अपना उत्पादन बढ़ा पाए जिससे समग्र क्षमता उपयोग भी बढ़ा है।
- x. चूंकि, यह एक संयंत्र में विभिन्न प्रकार के उत्पादों का उत्पादन कर रहा है, अतः घरेलू उद्योग ने अन्य उत्पादों के उत्पादन को शामिल करने के बाद क्षमता उपयोग निर्धारित की है। इस प्रकार, प्राधिकारी या तो अन्य उत्पादों के उत्पादन तथा संयंत्र की कुल क्षमता पर अथवा उपयुक्त आधार पर विभिन्न उत्पादों की क्षमता को अलग करने के बाद विचार करते हुए क्षमता उपयोग निर्धारित कर सकते हैं। वर्तमान मामले में किसी भी दृष्टिकोण को अपनाया जा सकता है अथवा उनका भी वही परिणाम होगा। यह पिछले कई मामलों में किया गया है।
- xi. भारतीय बाजार के आकार में वृद्धि के बावजूद संबद्ध देशों के निर्यातकों द्वारा पाटित कीमतों पर बिक्री करके बढ़ती हुई मांग को व्यापक रूप से पकड़ लिया गया है जिससे घरेलू उद्योग की वृद्धि की संभावनाएं प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुई हैं।
- xii. घरेलू उद्योग संबद्ध देशों से कम कीमत पर आयातों के साथ प्रतिस्पर्द्धा करने में असमर्थ होने के कारण संविदाओं से भी हाथ धोता रहा है।
- xiii. जांच की अवधि के दौरान रूस, जॉर्जिया और इंडोनेशिया के लिए 10 प्रतिशत से 20 प्रतिशत तक और ईरान के लिए 20-30 प्रतिशत के घेरे में कीमत कटौती के साथ आयात का काफी कीमत प्रभाव रहा।
- xiv. संबद्ध देशों से कीमत कटौती 30 प्रतिशत से 40 प्रतिशत की श्रृंखला में है जो काफी और सकारात्मक है।
- xv. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता पर भारी प्रहार पड़ा है क्योंकि ये उद्योग 2013-14 में लाभ की स्थिति से जांच की अवधि में काफी घाटे में रहा है।
- xvi. यद्यपि घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली क्षति की अवधि में बढ़ी है, तथापि, यह लागत में वृद्धि के अनुरूप नहीं है। हानियां बड़े स्तर तक बढ़ी हैं, जिससे घरेलू उद्योग की उत्पादन में बने रहने की क्षमता और कुल मिलाकर संबद्ध सामानों की बिक्री प्रभावित हुई है।
- xvii. निवेश पर आय नकारात्मक है और आगे घट रही है।
- xviii. घरेलू उद्योग की माल सूची में 2012-13 की तुलना में जांच की अवधि में काफी वृद्धि हुई है।
- xix. पाटन की मात्रा काफी है और आयातों के क्षतिकारक प्रभावों से घरेलू उद्योग के बचाने के लिए पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की आवश्यकता है।
- xx. इस क्षेत्र में भावी निवेश पर भी संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मौजूदगी से प्रभाव पड़ा है। नकारात्मक लाभप्रदता, घटा हुआ नकद प्रवाह और कोई आय नहीं, यह स्पष्ट रूप से दर्शते हैं कि घरेलू उद्योग की इस क्षेत्र के लिए पूंजीगत निवेश बढ़ाने की क्षमता पाटित आयातों के कारण लड़खड़ा गई है।
- xxi. व्यापार प्रतिबंधात्मक परिपाटियां कोई नहीं हैं जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो। हाल में ऐसी भी कोई घटनाएं नहीं हैं जिसके कारण उत्पाद के लिए मांग प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुई हो। घरेलू उद्योग

द्वारा उत्पादित समान वस्तु संबद्ध सामानों के साथ परस्पर परिवर्तनीय रूप से प्रयोग में लाई जा रही हैं। जहां तक विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्द्धा का संबंध है, यह अनुरोध है कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों के निर्यातिकों की अनुचित व्यापारिक परिपाटियों के कारण ही क्षति हो रही है। घरेलू उद्योग आयातों से प्रतिस्पर्द्धा का सामना करने की स्थिति में हैं।

- xxii. जहां तक निर्यात निष्पादन का संबंध है, यह घरेलू उद्योग की कुल विक्री का एक छोटा सा अनुपात (लगभग 1 प्रतिशत) है और इसीलिए कोई भारी प्रभाव नहीं है और न ही इसे क्षति का कारण माना जा सकता है।
- xxiii. जहां तक घरेलू उद्योग की उत्पादकता का संबंध है, यह जांच की अवधि के दौरान सुधरी है और इसीलिए यह क्षति का कारण नहीं है।
- xxiv. हितबद्ध पक्षकारों के तर्के के विरुद्ध घरेलू उद्योग की बाजार हिस्से में 82 प्रतिशत से 55 प्रतिशत तक की भारी गिरावट को स्थिरता नहीं कहा जा सकता।

ज.3 निर्यातिकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

43. निर्यातिकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- i. आयात घरेलू मांग/बाजार की वृद्धि के अनुरूप नहीं बढ़े हैं जबकि वे शुद्ध मात्रा में बढ़े हैं। जांच से प्रभावित देशों से उत्पाद आयात की सामान्य वृद्धि भारत में उस उत्पाद के लिए मांग में वृद्धि के कारण है।
- ii. आयात 2013-14 और 2014-15 में अमोनियम नाइट्रेट नियमावली के शुरू होने के कारण अनुचित रूप से दबाव में रहे हैं, क्योंकि वे केवल अमोनियम नाइट्रेट नियमावली, 2012 लगाए जाने के पूर्व के स्तरों को ही ले रहे हैं और उनमें कोई असाधारण वृद्धि नहीं हुई है।
- iii. विसंगति कारक बीच के वर्षों से संबंधित आंकड़ों पर ध्यान न दिया जाए और जांच 2012-13 से पूर्व के वर्षों के आधार पर की जाए जिस समय आयात सापेक्ष रूप से स्थिर थे और जांच की अवधि (2015-16) के आधार पर की जाए, जिस समय आयात पुनः स्थिरीकृत हो गए।
- iv. 2012-15 की अवधि के भीतर रूस से उत्पाद आयात मूल्य की दृष्टि से 36 प्रतिशत, मात्रा की दृष्टि से 117,765 से 77,065 टन तक कम हुए हैं। रूस से उत्पाद का आयात अनुपात 2014 की तुलना में 2014 में 8 प्रतिशत तक कुल आयात की तुलना में कम हुआ है।
- v. निर्दिष्ट प्राधिकारी को घरेलू उद्योग को क्षति का सही-सही मूल्यांकन करने के लिए जांच की अवधि के दौरान जीएनएफसी और आरसीएफ को हुई क्षति पर विचार करना चाहिए। विशेषकर समान वस्तु के सभी घरेलू उत्पादकों और घरेलू बाजार से संबंधित आंकड़ों के आधार पर कीमत और मात्रा का विश्लेषण किया जाए।
- vi. क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए याचिकाकर्ता गैर क्षतिकारक कीमत (एनआईपी) पहुँच मूल्य के साथ उचित तुलना के लिए पुनः निर्धारित की जानी चाहिए।
- vii. याचिकाकर्ताओं के आर्थिक मानदंड सकारात्मक वृद्धि दर्शाते हैं और उन्हें कोई कीमत क्षति नहीं हो रही है। आवेदन पत्र में कोई स्पष्ट और निष्कर्षात्मक स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है जिसमें कहा गया हो कि घरेलू उद्योग में सकारात्मक प्रवृत्ति अन्य कारकों के तहत कई प्रवृत्तियों द्वारा कैसे प्रभावित हो सकती है।
- viii. समान कीमत कटौती से लाभ में इस प्रकार के उतार चढ़ाव में वृद्धि नहीं हो सकती।
- ix. घरेलू उद्योग का मूल्य हास किसी अचल संपत्ति में वृद्धि के बिना वर्ष 2014-15 में काफी बढ़ा है जो तथाकथित क्षति का कारण है।
- x. पाटित आयातों को छोड़कर अन्य कारक याचिकाकर्ताओं को क्षति, यदि कोई है, पहुँचा रहे हैं।
- xi. याचिकाकर्ताओं के सामने उत्पादों की गुणवत्ता से संबंधित मुद्दे हैं।
- xii. तथाकथित क्षति याचिकाकर्ताओं द्वारा प्राकृतिक गैस की खरीद के लिए लगाई गई लागतों के कारण है।

xiii. तथाकथित क्षति याचिकाकर्ताओं द्वारा अपने प्राकृतिक गैस की आपूर्ति पुनः आरंभ करने के लिए सरकार के विरुद्ध उनके कानूनी विवाद की अधिक लागत के कारण है।

xiv. अन्य कारक जैसे ऊर्जा की अस्थिर कीमतें, कोयला खनन प्रतिबंध, अमोनियम नाइट्रेट नियमावली का कार्यान्वयन, समान वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों के बीच पारस्परिक प्रतिस्पर्द्धा, याचिकाकर्ताओं द्वारा किए गए सस्ते निर्यात, एसटीएल के संयंत्र का बंद होना, जैसा कि डीएफपीसीएल की वर्ष 2015-16 की वार्षिक रिपोर्ट में उल्लिखित है, तथाकथित क्षति के कारण हैं।

xv. एक तरह याचिका में याचिकाकर्ता यह दावा करते हैं कि "नकारात्मक लाभप्रदता से नकद प्रवाह घटा है और कोई आय नहीं हुई है, यह स्पष्ट रूप से संकेत करता है कि इस क्षेत्र के लिए पूंजी निवेश बढ़ाने में घरेलू उद्योग की क्षमता पाटित आयातों के कारण लड़खड़ाई है।" और दूसरी ओर, याचिकाकर्ता नए संयंत्र की स्थापना की संभावनाओं का मूल्यांकन कर रहे हैं।

xvi. अमोनियम नाइट्रेट के आयात की ओजीएल के तहत अनुमति नहीं है। चूंकि, सार संभाल लागत का भाग औसत रूप से अनिवार्य विनियामक प्रावधानों के अनुपालन में लगाया जाना होता है, अतः निर्दिष्ट प्राधिकारी को क्षति मूल्यांकन करने के लिए आयात की लागत के रूप में वास्तविक आधार पर पत्तन पर विनियामत लागत शीर्ष पर विचार करना चाहिए।

xvii. याचिकाकर्ता ने पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध की मौजूदगी सिद्ध नहीं की है।

xviii. याचिकाकर्ताओं को कोई वास्तविक क्षति नहीं हुई है।

xix. याचिकाकर्ता यह कहकर विरोधाभासी विवरण दे रहे हैं कि उनकी बिक्री लगातार बढ़ रही है और साथ ही संबद्ध सामानों के आयात के कारण संविदाओं से हाथ धो रहे हैं।

xx. याचिकाकर्ताओं को भारी लाभ हो रहा है, जैसा कि वित्त वर्ष 2012-13, 2015-16 की वार्षिक रिपोर्ट द्वारा तथा डीएफपीसीएल द्वारा जारी 21 जनवरी की प्रेस रिलीज से सिद्ध है।

xxi. याचिकाकर्ताओं ने अपनी प्रभावी स्थिति को गलत बताया है जिसके कारण आयातक विचाराधीन उत्पाद की अधिक कीमतें देने के लिए मजबूर थे, जबकि वही उत्पाद विदेशी आपूर्तिकर्ताओं से काफी कम और उपयुक्त कीमतों पर खरीदा जा सकता था।

xxii. अमोनियम नाइट्रेट की प्रमुख कच्ची सामग्री की कीमतों में गिरावट के बावजूद याचिकाकर्ता कच्ची सामग्री की कीमतों में गिरावट के अनुपात में बिक्री की लागत कम नहीं कर पाए।

xxiii. आयात की कीमतों में गिरावट प्राकृतिक गैस की कीमतें वैश्विक गिरावट के कारण हैं क्योंकि वह अमोनियम नाइट्रेट के उत्पादन के लिए अमोनिया के बजाए प्रयोग करने के लिए सस्ता स्टॉक है।

xxiv. माल सूची और आयातों के बीच कोई सह संबंध नहीं है।

xxv. आवेदन पत्र में रशियन फेडरेशन के मूल के उत्पाद अथवा पाटित आयातों का कोई क्षति और कारणात्मक संबंध के मामले में कोई संतोषजनक साक्ष्य नहीं दिया गया है।

xxvi. आवेदक ने जांच से प्रभावित सभी देशों के आयातों के संबंध में संचयी आंकड़ों के आधार पर क्षति का मूल्यांकन किया है, परंतु जांच की अवधि में ऐसे सिद्धांत के संभावित अनुप्रयोग को सिद्ध करने के लिए कोई सबूत नहीं दिया है।

xxvii. कोई कीमत दबाव अथवा ह्रास नहीं है।

xxviii. याचिका में दिए गए सीमित आंकड़ों के आधार पर गलत क्षति मूल्यांकन किया गया है।

xxix. उत्पादन क्षमता पूरी विचाराधीन अवधि में स्थिर रही है जबकि उत्पादन एवं क्षमता उपयोग 125 प्रतिशत से अधिक तक बढ़ा है।

xxx. आवेदक के बाजार हिस्से में कमी और आयात के बाजार हिस्से में समानांतर वृद्धि मांग में पर्याप्त वृद्धि से औचित्यपूर्ण ठहराई जा सकती है, जबकि आवेदक घरेलू बाजार की पूर्ति करने में सक्षम नहीं है।

xxxi. लाभप्रदता के संबंध में कोई भी नकारात्मक प्रभाव संबद्ध देशों से आयात से जोड़ा नहीं गया है, परंतु उसे उनकी उत्पादन लागत में नकारात्मक वृद्धि से जोड़ा गया है।

xxxii. आवेदक की उत्पादन लागत में वृद्धि और उससे संबंधित उसकी लाभप्रदता में कमी इस तथ्य से औचित्यपूर्ण है कि भारतीय सरकार ने आवेदक उद्योग को छूटशुदा कीमतों पर कद्दी सामग्री देना रोक दिया।

xxxiii. आवेदक ने बढ़ती हुई कीमतों और चढ़ती हुई मांग के संदर्भ में पाटनरोधी उपाय लगाए जाने की मांग करने की दृष्टि से लेखाकरण की दृष्टि से अपनी लाभप्रदता घटाना स्वैच्छिक रूप से स्वीकार किया ताकि आगे उन्हें ज्यादा लाभ हो सके।

xxxiv. विचाराधीन अवधि में रोजगार एवं उत्पादकता काफी बढ़ी है।

xxxv. वार्षिक रिपोर्ट में यह दर्शाने की प्रवृत्ति है कि आवेदक ने निर्यात बाजार पर जोर डालने का निर्णय लिया, जबकि वे अमोनियम नाइट्रेट की पूरी घरेलू मांग की पूर्णतः आपूर्ति करने की स्थिति में पहले से ही नहीं है।

xxxvi. आवेदक दावा करते हैं कि "वह अपने ग्राहकों को बनाए रखने के लिए तथाकथित पाटन स्रोतों से संबद्ध सामानों की न्यूनतम कीमत के अनुरूप मजबूर है।" यह विवरण भ्रामक है क्योंकि आवेदक ने वस्तुतः अपनी बिक्री मात्रा मांग में वृद्धि के सकारात्मक परिणाम के रूप में पर्याप्त रूप से बढ़ाई है जो यह सिद्ध करता है कि उसे ग्राहक बनाए रखने में कोई समस्या नहीं है यहां तक कि नए ग्राहक लेने में कोई समस्या नहीं है।

xxxvii. कोई भी लाभप्रदता का मुद्दा 2012-13 की स्थिति के आलोक में मूल्यांकित किया जाना चाहिए जिसमें आवेदक उद्योग को आयातों से किसी दबाव के बावजूद पहले ही घाटा हो रहा था। उपभोग में वृद्धि से भारतीय बाजार में प्रतिस्पर्द्धा में वृद्धि हुई जिससे स्वाभाविक रूप से कीमत में कमी आवश्यक हो गई।

xxxviii. रूस से आयात के कारण कोई मात्रा अथवा कीमत का दबाव नहीं है।

xxxix. बिक्री, लाभप्रदता और लागत से संबंधित अन्य उत्पादकों की सूचना लिए बिना कोई सार्थक क्षति विश्लेषण नहीं किया जा सकता। अन्य उत्पादकों की सूचना पर ध्यान दिए बिना क्षति मार्जिन का निर्धारण भी नहीं किया जा सकता।

xl. आवेदक ने जान बूझकर समान वस्तुओं के उन अन्य उत्पादकों के संबंध में कोई व्यौरा नहीं देना चाहा जिन्होंने आवेदक की तुलना में काफी स्तरी दरों पर संगत सामान बेचे और फिर भी अच्छा लाभ कमा रहे हैं। अतः अनुबंध-II की शर्तों को पूरा किया जाना नहीं कहा जा सकता।

xli. पाटन विशिष्ट बाजार परिस्थितियों में होता है अर्थात जब कोई नया व्यापारी बाजार में प्रवेश करना चाहता हो, जब कोई स्थापित व्यापारी नए प्रवेशक के प्रवेश को रोकना चाहता हो अथवा जब किसी मौजूदा व्यापारी के पास अत्यधिक माल सूची हो, भारतीय अमोनियम नाइट्रेट के बाजार में ऐसी कोई भी स्थिति मौजूद नहीं है।

xlii. भारत में रूसी निर्यातकों के उत्पादन का 2.5 प्रतिशत से कम है। इस प्रकार, भारतीय बाजार उनके लिए बहुत छोटा है और इसीलिए पाटन का प्रश्न बेकार है। इसके अतिरिक्त, निर्यातक ड्रेमूर फर्टिलाइजर्स के माध्यम से अमोनियम नाइट्रेट की बिक्री करते हैं और कीमतें अमोनियम नाइट्रेट की वैश्विक कीमत के आधार पर निर्धारित की जाती हैं।

xliii. याचिकाकर्ताओं ने इस तथ्य के बावजूद कि 2013-14 अमोनियम नाइट्रेट नियमावली का वर्ष था और अपेक्षित शर्तें निर्धारित थीं, विश्लेषण की प्रवृत्ति के लिए आधार वर्ष के रूप में 2013-14 पर विचार किया है।

xliv. हानियां उठाने के बावजूद याचिकाकर्ताओं ने 50 प्रतिशत का लाभांश घोषित किया।

xlv. याचिकाकर्ताओं को मेल्ट रूप में अमोनियम नाइट्रेट को ठोस रूप में परिवर्तित करने वाले लाइसेंसधारी परिवर्तकों के साथ आंतरिक प्रतिस्पर्द्धा के कारण क्षति हो रही है।

xlvi. याचिका के लाभ और हानियों तथा आयात के बीच कोई सह संबंध नहीं है।

xlvii. इसका विधिवत रूप से विश्लेषण नहीं किया गया कि घरेलू उद्योग का उपभोग 57-82 प्रतिशत के स्तर पर स्थिर स्थिति क्यों बनाए हुए था।

xlviii. जांच की अवधि के दौरान उत्पादन 126 प्रतिशत तक बढ़ा।

xlix. घरेलू उद्योग में रोजगार स्तर और वेतनों में स्थिरता प्रदर्शित हुई है।

ज.4 प्राधिकारी द्वारा जांच

44. जांच की प्रक्रिया के दौरान क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत समझे गए अनुरोधों की निम्नानुसार जांच और समाधान किया गया है।

क. संचयी मूल्यांकन:

45. पाटनरोधी नियमों के अनुबंध-II (iii) और विश्व व्यापार संगठन करार (डब्ल्यू टी ओ) के अनुच्छेद 3.3 में यह प्रावधान है कि यदि कहीं एक देश से अधिक देशों से उत्पाद का आयात साथ-साथ किया जा रहा हो और उसे पाटनरोधी जांचों में रखा जा रहा हो, तो प्राधिकारी ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी रूप से मूल्यांकन करेंगे, यदि वह यह निर्धारित करे कि :

(क) प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में स्थापित पाटन का मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में 2 प्रतिशत से अधिक अभिव्यक्त हो और प्रत्येक देश से आयात की मात्रा समान वस्तु के आयात के 3 प्रतिशत (या उससे अधिक) हो अथवा जहां अलग-अलग देशों से निर्यात 3 प्रतिशत से कम हो, सामूहिक रूप से आयात समान वस्तु के आयात के 7 प्रतिशत से अधिक बनता हो तथा

(ख) आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन आयातित वस्तु और समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की शर्तों के आलोक में उपयुक्त है।

46. प्राधिकारी नोट करते हैं कि :

क. संबद्ध देशों से भारत में संबद्ध वस्तु पाटित की जा रही है। संबद्ध देशों में से प्रत्येक से पाटन का मार्जिन नियमावली के अधीन विहित न्यूनतम सीमा से अधिक है।

ख. संबद्ध देशों में से प्रत्येक से आयात की मात्रा अलग-अलग आयातों की कुल मात्रा के 3 प्रतिशत से अधिक है।

ग. आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन करना उचित है क्योंकि संबद्ध देशों से निर्यात न केवल सीधे प्रतिस्पर्धा करते हैं बल्कि भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा बेची जाने वाली समान वस्तु से भी प्रतिस्पर्धा करते हैं।

47. उक्त के मद्देनजर प्राधिकारी संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के निर्यातों से संचयी रूप से घरेलू उद्योग को हुई क्षति का आकलन करना उचित समझते हैं।

48. अनुबंध-II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम-11 में किसी क्षति के निर्धारण में यह उपबंध है कि किसी क्षति जांच में "... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत कारकों को ध्यान में रखते हुए ..." ऐसे कारकों की जांच शामिल होगी जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का पता चल सकता हो। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात पर विचार करना आवश्यक है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती। भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए घरेलू की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टाक, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि पर पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II के अनुसार विचार किया गया है।

ख. घरेलू उद्योग पर पाठित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव

i. मांग और आयातों की मात्रा

49. प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के प्रयाजनार्थ भारत में उत्पाद की मांग या स्पष्ट खपत पर भारतीय उत्पादकों की घरेलू विक्रियों और सभी स्रोतों से आयातों के योग के रूप में विचार किया है। इस प्रकार आकलित मांग में पूरी क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है जैसा नीचे तालिका में दर्शाया गया है :

| विवरण | यूओएम | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | 2015-16 |
|--------------------------------|---------------|-----------------|-----------------|-----------------|-----------------|
| संबद्ध देश से आयात (पाठित) | मी. टन | 1,14,470 | 37,563 | 89,756 | 1,82,033 |
| संबद्ध देश से आयात (गैर-पाठित) | मी. टन | - | - | - | 2,000 |
| अन्य देशों से आयात | मी. टन | 1,07,261 | 7,788 | 276 | 5,602 |
| घरेलू उद्योग की विक्री | मी. टन | 1,08,614 | 2,16,626 | 2,30,820 | 2,49,775 |
| कुल मांग | मी. टन | 3,30,345 | 2,61,977 | 3,20,852 | 4,39,410 |

50. यह देखा जाता है कि विचाराधीन उत्पाद के आयातों में क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देशों से समग्र रूप से वृद्धि हुई है। क्षति विश्लेषण के प्रयोजन के लिए रूस से अपाठित आयात अर्थात मैसर्स यूरोकेम ट्रेडिंग जीएमबीएच, स्विट्जरलैंड (निर्यातक) के माध्यम से मैसर्स नोवोमोसोकविसकाया (नक अजोट), (उत्पादक) से आयातों को अलग कर दिया गया है।

| आयात का देश | यूओएम | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | 2015-16 |
|--------------------|--------|----------|---------|---------|----------|
| जॉर्जिया | मी. टन | - | - | - | 46,743 |
| इंडोनेशिया | मी. टन | - | - | 5,000 | 10,000 |
| ईरान | मी. टन | 100 | - | 35,558 | 40,726 |
| रूस (पाठित) | मी. टन | 1,14,370 | 37,563 | 49,198 | 84,564 |
| संबद्ध देश (पाठित) | मी. टन | 1,14,470 | 37,563 | 89,756 | 1,82,033 |
| रूस (गैर-पाठित) | मी. टन | - | - | - | 2,000 |
| संबद्ध देश (कुल) | मी. टन | 1,14,470 | 37,563 | 89,756 | 1,84,033 |
| चीन जन गण | मी. टन | - | 79 | 276 | 506 |
| कोरिया आर. पी. | मी. टन | 189 | 209 | - | - |
| संयुक्त अरब अमीरात | मी. टन | - | - | - | 5,096 |
| यूक्रेन | मी. टन | 1,07,072 | 7,500 | - | - |
| अन्य देश | मी. टन | 1,07,261 | 7,788 | 276 | 5,602 |

| | | | | | |
|---------|--------|----------|--------|--------|----------|
| सकल योग | मी. टन | 2,21,731 | 45,351 | 90,032 | 1,89,635 |
|---------|--------|----------|--------|--------|----------|

ii. मांग में बाजार हिस्सा

51. विभिन्न स्रोतों से आयात और घरेलू उद्योग की बिक्री पर विचार करते हुए भारत में मांग में संबद्ध आयातों के बाजार हिस्से की जांच की गई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि आधार वर्ष और पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि में संबद्ध देशों से आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है। वास्तव में संबद्ध देशों से पाटित आयात का हिस्सा जांच अवधि और क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देशों से अधिकतम रहा है। इस प्रकार यह देखा गया है विचाराधीन उत्पाद के आयातों में भारत में खपत के संबंध में वृद्धि हुई है।

| विवरण | यूओएम | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | 2015-16 |
|------------------------------------|--------|----------|----------|----------|----------|
| कुल मांग | मी. टन | 3,30,345 | 2,61,977 | 3,20,852 | 4,39,410 |
| संबद्ध देशों का हिस्सा (पाटित) | % | 35% | 14% | 28% | 41% |
| संबद्ध देशों का हिस्सा (गैर-पाटित) | % | - | - | - | 0.5% |
| अन्य देशों का हिस्सा | % | 32% | 3% | 0% | 1% |
| घरेलू उद्योग का हिस्सा | % | 33% | 83% | 72% | 57% |

iii. आयातों में बाजार हिस्सा

52. संबद्ध/अन्य देशों से आयातों का हिस्सा निम्नानुसार है :

| विवरण | यूओएम | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | 2015-16 |
|---|--------|----------|---------|---------|----------|
| संबद्ध देश से आयात (पाटित) | मी. टन | 1,14,470 | 37,563 | 89,756 | 1,82,033 |
| संबद्ध देशों से आयात (गैर-पाटित) | मी. टन | - | - | - | 2,000 |
| अन्य देशों से आयात | मी. टन | 1,07,261 | 7,788 | 276 | 5,602 |
| कुल आयात | मी. टन | 2,21,731 | 45,351 | 90,032 | 1,89,635 |
| कुल आयातों में संबद्ध देशों से आयात का हिस्सा | % | 52% | 83% | 100% | 97% |
| कुल आयातों में अन्य देशों से आयात का हिस्सा | % | 48% | 17% | 0% | 3% |

53. यह देखा गया है कि भारत में विचाराधीन उत्पाद के आयातों में संबद्ध देशों से आयातों के हिस्से में इस अवधि के दौरान काफी वृद्धि हुई है। संबद्ध देशों से आयातों जांच अवधि में कुल आयातों का 97 प्रतिशत हैं।

iv. उत्पादन के संबंध में आयातों का हिस्सा

| विवरण | यूओएम | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | 2015-16 |
|----------------------------|--------|----------|---------|---------|----------|
| संबद्ध देश से आयात (पाटित) | मी. टन | 1,14,470 | 37,563 | 89,756 | 1,82,033 |

| | | | | | |
|---|--------|----------|----------|----------|----------|
| घरेलू उद्योग का उत्पादन | मी. टन | 1,10,209 | 2,20,693 | 2,34,748 | 2,47,479 |
| उत्पादन की तुलना में पाटित आयातों का हिस्सा | % | 104% | 17% | 38% | 74% |

54. यह देखा गया है कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में घरेलू उद्योग के उत्पादन के संबंध में मासूली गिरावट आई है। तथापि, संबद्ध देशों से आयातों में 2013-14 और 2014-15 की तुलना में जांच अवधि में उत्पादन के संबंध में वृद्धि हुई है।

ग. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

55. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में, निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पादों की कीमत की तुलना में भारी कीमत कटौती की गई है या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमत को काफी अधिक कम करना है या ऐसी कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा काफी उच्च स्तर तक बढ़ गई होती। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की भारित औसत बिक्री लागत (सीओएस), भारित औसत निवल बिक्री प्राप्ति (एनएसआर) और भारित औसत क्षतिरहित कीमत (एनआईपी) की तुलना संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों की भारित औसत पंहुच लागत के साथ की गई है।

कीमत कटौती

56. निवल बिक्री प्राप्ति को बाहरी मालभाड़ा और करों को घटाने के बाद ज्ञात किया गया है। आयातों का पंहुच मूल्य 1 प्रतिशत संभलाई प्रभार और संबद्ध आयातों के सीआईएफ मूल्य के लिए लागू उपकर समेत लागू मूल सीमाशुल्क को जोड़कर ज्ञात किया गया है। आयातों के पंहुच मूल्य की तुलना घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति के साथ की गई थी और यह पाया गया कि प्रत्येक संबद्ध देश से कीमत कटौती जांच अवधि के दौरान सकारात्मक रही है। प्राधिकारी ने निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार पत्तन पश्चात स्तर पर संबद्ध वस्तु के पंहुच मूल्य और कारखाना-द्वार स्तर पर घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति को निर्धारित किया है।

| विवरण | पंहुच मूल्य | बिक्री कीमत | कीमत कटौती | कीमत कटौती % | कीमत कटौती रेंज |
|---------------------|-------------|-------------|------------|--------------|-----------------|
| रूस – (यूरोकैम) | *** | *** | *** | *** | 10-20 |
| रूस – (जेएससी एजोट) | *** | *** | *** | *** | 20-30 |
| रूस – (अवशिष्ट) | *** | *** | *** | *** | 35-45 |
| जार्जिया | *** | *** | *** | *** | 20-30 |
| ईरान | *** | *** | *** | *** | 20-30 |
| इंडोनेशिया | *** | *** | *** | *** | 10-20 |

कम कीमत पर बिक्री

57. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कम कीमत पर बिक्री क्षति के आकलन का एक महत्वपूर्ण संकेतक है। क्षति रहित कीमत ज्ञात की गई है और कम कीमत पर बिक्री की सीमा निर्धारित करने के लिए संबद्ध वस्तु के पंहुच मूल्य के साथ उसकी तुलना की गई। पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध ॥। के अनुसार उत्पादन लागत पर विचार करते हुए क्षति रहित

कीमत निर्धारित की गई है। भारित औसत एनआईपी और भारित औसत पंहुच मूल्य ज्ञात की गई और तुलना की गई। इस विश्लेषण से पता चलता है कि पीओआई के दौरान संबद्ध आयातों का पंहुच मूल्य घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से कम था जैसा कि नीचे तालिका से देखा जा सकता है, जिसमें सकारात्मक कम कीमत पर बिक्री दर्शाई गई है।

आकड़े रु./मी.टन में

| विवरण | पंहुच मूल्य | एनआईपी | कम कीमत पर बिक्री | कम कीमत पर बिक्री % | कम कीमत पर बिक्री रेंज |
|---------------------|-------------|--------|-------------------|---------------------|------------------------|
| रूस - (यूरोकैम) | *** | *** | *** | *** | 10-20 |
| रूस - (जेएससी एजोट) | *** | *** | *** | *** | 15-25 |
| रूस - (अवशिष्ट) | *** | *** | *** | *** | 20-30 |
| जार्जिया | *** | *** | *** | *** | 15-25 |
| ईरान | *** | *** | *** | *** | 15-25 |
| इंडोनेशिया | *** | *** | *** | *** | 5-15 |

कीमत ह्रास/न्यूनीकरण

58. प्राधिकारी ने इसकी जांच की कि क्या पाटित आयातों से भारत में समान वस्तु की कीमतों में न्यूनीकरण हो रहा है या ऐसी कीमत वृद्धि को रोका है जो अन्यथा काफी अधिक स्तर तक बढ़ गई होती।

| विवरण | यूओएम | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | 2015-16 |
|-------------|-----------|---------|---------|---------|---------|
| बिक्री लागत | रु./मी.टन | *** | *** | *** | *** |
| बिक्री लागत | सूचीबद्ध | 100 | 104 | 128 | 131 |
| बिक्री कीमत | रु./मी.टन | *** | *** | *** | *** |
| बिक्री कीमत | सूचीबद्ध | 100 | 111 | 118 | 113 |

59. यह देखा गया है कि यद्यपि घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत में 2012-13 से पीओआई तक 100 से 133 की वृद्धि हुई है, तथापि उसी अवधि के दौरान उसकी बिक्री कीमत में 100 से 113 की ही वृद्धि हुई है। आयातों की पंहुच कीमत में इस अवधि के दौरान 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस प्रकार घरेलू उद्योग की कीमतें पाटित आयातों के कारण न्यूनीकृत रही क्योंकि घरेलू उद्योग अपनी लागत में वृद्धि के अनुपात में अपनी कीमतों में वृद्धि करने में असमर्थ था।

घ. घरेलू उद्योग से संबंधित आर्थिक मापदंड

60. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में समान उत्पाद के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों

के परिणामी प्रभाव के संबंध में पाटनरोधी नियमों में आगे यह उपबंध है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में समस्त संगत आर्थिक मापदंडों और बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में वास्तविक एवं संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों; घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभावों का तथ्यपरक एवं निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होगा ।

(i) क्षमता, उत्पादन और क्षमता उपयोग

61. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की क्षमता और क्षमता उपयोग नीचे तालिका में दिया गया है :-

| विवरण | यूओएम | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | 2015-16 |
|-------------------------|-------|-----------------|-----------------|-----------------|-----------------|
| क्षमता | एमटी | 4,83,600 | 4,83,600 | 4,83,600 | 4,83,600 |
| संबद्ध वस्तु का उत्पादन | एमटी | 1,10,209 | 2,20,693 | 2,34,748 | 2,47,479 |
| अन्य वस्तु का उत्पादन | एमटी | 1,38,135 | 1,30,197 | 96,845 | 1,01,767 |
| कुल संयंत्र उत्पादन | एमटी | 2,48,343 | 3,50,890 | 3,31,592 | 3,49,246 |
| क्षमता उपयोग | % | 51% | 73% | 69% | 72% |

62. यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग के उत्पादन और क्षमता उपयोग में क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है।

(ii) बिक्री मात्रा

63. घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा नीचे तालिका में दी गई है :

| विवरण | यूओएम | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | 2015-16 |
|--------|----------|----------|----------|----------|----------|
| बिक्री | एमटी | 1,08,614 | 2,16,626 | 2,30,820 | 2,49,775 |
| बिक्री | सूचीबद्ध | 100 | 199 | 213 | 230 |
| मांग | एमटी | 3,30,345 | 2,61,977 | 3,20,852 | 4,39,410 |
| मांग | सूचीबद्ध | 100 | 79 | 97 | 133 |

64. यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है। तथापि, पीओआई में उत्पाद के पाटन के साथ बिक्री में वृद्धि मांग में वृद्धि के अनुरूप नहीं रही थी, जबकि घरेलू उद्योग के पास क्षमताएं मौजूद थीं।

(iii) लाभ/हानि

65. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता नीचे तालिका में दी गई है :

| विवरण | यूओएम | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | 2015-16 |
|---------------------|-----------|---------|---------|-----------|-----------|
| लाभ/(हानि) | रु./मी.टन | *** | *** | *** | *** |
| लाभ/(हानि) | सूचीबद्ध | (100) | 617 | (1,217) | (1,961) |
| लाभ/(हानि) | लाख रु. | *** | *** | *** | *** |
| लाभ/(हानि) | सूचीबद्ध | (100) | 1,230 | (2,585) | (4,509) |
| नियोजित पूंजी पर आय | % | *** | *** | *** | *** |
| नियोजित पूंजी पर आय | रेंज | 0-10% | 5-15% | नकारात्मक | नकारात्मक |

66. यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में क्षति अवधि के दौरान काफी गिरावट आई है और घरेलू उद्योग को पीओआई और पूर्ववर्ती वर्ष में काफी वित्तीय घाटा उठाना पड़ा है, जिससे नियोजित पूंजी पर ऋणात्मक आय हुई है।

(iv) नकद प्रवाह

67. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की नकद प्रवाह की स्थिति पर पाठन के प्रभाव की जांच करने के लिए नकद प्रवाह की प्रवृत्ति की जांच की गई। घरेलू उद्योग के नकद प्रवाह संबंधी सूचना नीचे तालिका में दी गई है। यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में क्षति अवधि के दौरान विकृति आई है और घरेलू उद्योग को पीओआई में भारी नकद घाटा उठाना पड़ा।

| विवरण | यूओएम | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | 2015-16 |
|---------|----------|---------|---------|---------|---------|
| नकद लाभ | लाख रु. | *** | *** | *** | *** |
| नकद लाभ | सूचीबद्ध | 100 | 1,086 | (1,277) | (2,667) |

(v) मालसूची

68. घरेलू उद्योग की मालसूची में निम्नानुसार गतिविधि हुई :

| विवरण | यूओएम | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | 2015-16 |
|-----------|----------|---------|---------|---------|---------|
| औसत स्टाक | एमटी | *** | *** | *** | *** |
| औसत स्टाक | सूचीबद्ध | 100 | 125 | 293 | 223 |

69. यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग की औसत मालसूची में क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है।

(vi) उत्पादकता

70. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की उत्पादकता, प्रतिदिन तथा प्रति कर्मचारी उत्पादकता में इस अवधि के दौरान वृद्धि हुई।

| विवरण | यूआएम | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | 2015-16 |
|--------------------------|-------------|---------|---------|---------|---------|
| उत्पादकता प्रतिदिन | किग्रा./दिन | *** | *** | *** | *** |
| प्रति कर्मचारी उत्पादकता | किग्रा./सं. | *** | *** | *** | *** |

(vii) रोजगार और मजदूरी

71. यह देखा गया है कि रोजगार के स्तर में पहले 2014-15 तक वृद्धि हुई है और उके बाद पीओआई के दौरान गिरावट आई है। तथापि, प्रदत्त मजदूरीमें इस अवधि में वृद्धि हुई है।

| विवरण | यूआएम | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | 2015-16 |
|--------|----------|---------|---------|---------|---------|
| रोजगार | सं. | *** | *** | *** | *** |
| मजदूरी | लाख रु. | *** | *** | *** | *** |
| मजदूरी | सूचीबद्ध | 100 | 142 | 164 | 165 |

(viii) पाटन की मात्रा

72. पाटन की मात्रा उस सीमा का संकेतक है जहां तक पाटित आयात घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा सकते हैं विश्लेषण से पता चलता है कि संबद्ध देशों के विरुद्ध निर्धारित पाटन मार्जिन निर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक और काफी अधिक है जो कि मैसर्स यूरोकेम ट्रेडिंग जीएमबीएच स्विट्जरलैंड (निर्यातक) के माध्यम से मैसर्स नोवोमोसकोविसकाया (नक अजोट) द्वारा किए गए निर्यातों के मामले को छोड़कर है।

(ix) वृद्धि

73. प्राधिकारी नोट करते हैं कि लाभ/हानि, निवेश पर आय, नकद लाभ, बाजार हिस्सा, मालसूची के संबंध में घरेलू उद्योग की वृद्धि क्रृष्णात्मक रही, जबकि उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग के संबंध में वृद्धि सकारात्मक रही थी।

(x) पूँजी निवेश जुटाने की क्षमता

74. घरेलू उद्योग ने यह दलील दी है कि इस क्षेत्र में भावी निवेश संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मौजूदगी के कारण बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं। क्रृष्णात्मक लाभप्रदता, निवेश पर आय में कमी और क्रृष्णात्मक नकद प्रवाह दर्शाता है कि इस क्षेत्र के लिए पूँजी निवेश जुटाने की घरेलू उद्योग की क्षमता संबद्ध देशों से निरंतर पाटन, यदि उसका समाधान नहीं हुआ तो गंभीर रूप से प्रभावित होगी।

(xi) घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

75. संबद्ध देशों और अन्य देशों से आयात कीमतों, लागत ढाँचे में बदलाव, घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा, पाटित आयातों के अलावा ऐसे अन्य कारक जो घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित कर सकते हों, आदि की जांच से

पता चलता है कि सकारात्मक कीमत कटौती और कम कीमत पर विक्री प्रभाव पड़े हैं। इसके अलावा क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की मांग में वृद्धि हुई है। अतः यह घरेलू कीमतों में गिरावट का कारण नहीं हो सकती है। इस प्रकार घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाला मुख्य कारक संबद्ध देशों से पाटित संबद्ध वस्तु के आयातों का पंहुच मूल्य है।

झ. क्षति संबंधी निष्कर्ष

76. इस प्रकार यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में क्षति अवधि के दौरान निम्नानुसार विकृति आई है :-

- संबद्ध देश से आयातों में समग्र रूप से और भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में वृद्धि हुई है।
- आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों में भारी कटौती हो रही है।
- आयातों से बाजार में कम कीमत पर भारी विक्री हो रही है।
- बाजार हिस्से, मालसूची, लाभ, नकद लाभ और निवेश पर आय के अनुसार घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में गिरावट आई है।
- संबद्ध देशों से आयातों में वृद्धि के कारण यद्यपि पीओआई में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है तथापि घरेलू उद्योग के पास अप्रयुक्त क्षमताओं के बावजूद आयातों में हिस्से में वृद्धि हुई है।
- क्षति मार्जिन काफी अधिक है।

77. इस प्रकार सामूहिक रूप से और संचयी रूप से घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न मानदंड यह सिद्ध करते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

ज. कारणात्मक संबंध और अन्य कारक

78. वास्तविक क्षति, घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों के मात्रा और कीमत प्रभावों की कम कीमत पर विक्री और कीमत ह्लास और न्यूनीकरण प्रभावों के रूप में मौजूदगी की जांच करने के बाद, भारतीय नियमावली और पाटनरोधी करार के अधीन सूचीबद्ध अन्य संकेतात्मक मापदंडों की प्राधिकारी द्वारा यह देखने के लिए जांच की गई है कि क्या पाटित आयातों से इतर किसी अन्य कारक से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है। तदनुसार, निम्नलिखित मापदंडों की जांच की गई है :-

- संबद्ध देश से इतर देशों से आयातों की मात्रा और मूल्य - संबद्ध देशों से इतर अन्य देशों से संबद्ध वस्तु के आयात मात्रा के अनुसार पर्याप्त नहीं हैं और न्यूनतम सीमा से कम या उच्च कीमतों पर रहे हैं। तीसरे देशों से आयात घरेलू उद्योग को क्षति का कारण नहीं होता है।
- मांग में संकुचन और खपत की प्रवृत्ति में परिवर्तन - प्राधिकारी नोट करते हैं कि देश में संबद्ध वस्तु की मांग में वृद्धि के बावजूद, घरेलू उद्योग अप्रयुक्त क्षमता से ग्रस्त है। इसके अलावा, बाजार में खपत की प्रवृत्ति में भी कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। इसलिए मांग में संभावित संकुचन और खपत की प्रवृत्ति में परिवर्तन घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं माने जा सकते हैं।
- प्रौद्योगिकी में विकास - किसी भी हितबद्धपक्ष ने प्रौद्योगिकी में विकास का ऐसा कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती हो।
- व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं और विभिन्न स्रोतों से आपूर्ति के बीच प्रतिस्पर्धा - प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु भारत में किसी व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथा से प्रभावित नहीं है। इसके अलावा किसी बाजार अर्थव्यवस्था में

स्वाभाविक प्रतिस्पर्धा के अलावा, कोई परस्पर प्रतिस्पर्धा या विभिन्न घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय स्रोतों से आपूर्तिओं के बीच ऐसा कोई प्रभाव नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो।

(v) **निर्यात कार्य निष्पादन** – घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन को घरेलू और निर्यात बाजारों के लिए अलग-अलग किया गया है। अतः, निर्यात कार्य निष्पादन में कोई संभावित गिरावट घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं है।

ट. कारणात्मक संबंध सिद्ध करने वाले कारक :

79. ऊपर बताए गए सभी मापदंडों से स्पष्ट रूप से सिद्ध होता है कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति अन्य कारकों की वजह से नहीं हुई है। ऐसी स्थिति में, याचिकाकर्ता अनुरोध करता है कि निम्नलिखित मापदंड यह सिद्ध करते हैं कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है।

- संबद्ध देशों से आयात घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग से कम कीमत पर पाटित किए जा रहे हैं।
- कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री से यह स्पष्ट है कि याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग द्वारा उठाई गई क्षति संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण हुई है। यद्यपि याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग ने अपनी कीमतें बराबर करने और सस्ते आयातों से प्रतिस्पर्धा करने का प्रयास किया है तथापि फिर भी उसने बाजार हिस्सा गंवाया है।
- लागत में वृद्धि के अनुपात में घरेलू उद्योग की अपनी कीमतें बढ़ाने की अक्षमता के कारण लाभप्रदता में भारी गिरावट आई है।
- कीमत कटौती/कम कीमत पर बिक्री के परिणामस्वरूप लाभ में कमी के कारण निवेश पर आय और नकद लाभ में उस सीमा तक गिरावट आई कि जांच अवधि में ये दोनों ऋणात्मक हो गए। इन मापदंडों में कमी का कारण संबद्ध देशों से पाटन है।
- आयातों के बाजार में हिस्से में भारी वृद्धि हुई है। पाटन के सीधे परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट हुई।

ठ. क्षति मार्जिन की मात्रा

80. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु की निर्धारित क्षति रहित कीमत की तुलना जांच अवधि के दौरान क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए संबद्ध देश से निर्यातों के पंहुच मूल्य के साथ की गई है। निर्धारित क्षति मार्जिन निम्नानुसार है:-

| क्र.सं | देश | उत्पादक | निर्यातिक | क्षतिरहित कीमत रु./मी.टन | पंहुच कीमत रु./मी.टन | क्षति मार्जिन रु./मी.टन | क्षति मार्जिन % | क्षति मार्जिन रेंज % |
|--------|-----|------------------------------|--|--------------------------|----------------------|-------------------------|-----------------|----------------------|
| 1 | रूस | नोवोमोस्कोविसकाया (नेकाएजोट) | यूरोकैम ट्रेडिंग जीएमबीएच, स्वीटजरलैंड राफेट के जरिए | *** | *** | *** | *** | 5-15 |
| 2 | रूस | जेएससी एजोट | एसबीयू नाइट्रोट्रेड एजी | *** | *** | *** | *** | 15-25 |

| | | | | | | | | |
|---|------------|-----|--|-----|-----|-----|-----|-------|
| | | | ड्रेसर फर्टिलाइजर्स ओवरसीज पीटीई लि., सिंगापुर के माध्यम से एसबीयू नाइट्रोट्रेड एजी | | | | | |
| 3 | रूस | कोई | कोई | *** | *** | *** | *** | 20-30 |
| 4 | जार्जिया | कोई | कोई | *** | *** | *** | *** | 15-25 |
| 5 | इंडोनेशिया | कोई | कोई | *** | *** | *** | *** | 5-15 |
| 6 | ईरान | कोई | कोई | *** | *** | *** | *** | 15-25 |

ड. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रकटन पश्चात विवरण संबंधी अनुरोध

ड.१ घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध

81. घरेलू उद्योग ने अपने प्रकटन पश्चात अनुरोधों में निम्नलिखित अनुरोध किया है: संक्षिप्तता की दृष्टि से जहां तक घरेलू उद्योग द्वारा की गई टिप्पणियां हैं, वे पूर्व अनुरोधों की पुनरावृत्ति हैं और उन पर ऊपर पहले ही विचार किया जा चुका है, अतः इन्हें नीचे दोहराया नहीं गया है।

- (i) पाटन मार्जिन, निर्यातकों का सत्यापन और निर्यातकों के साथ पत्राचार से संबंधित कुछ अनिवार्य तथ्य प्रकट नहीं गए हैं जिसके कारण टिप्पणियां करने के लिए प्रभावी अवसर नहीं दिया गया है।
- (ii) विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु को प्राधिकारी द्वारा सही-सही परिभाषित किया गया है।
- (iii) परिवर्तकों को समान वस्तु के उत्पादकों के रूप में इन कारणों से नहीं माना जा सकता कि (क) वह उत्पादन समान वस्तु के उत्पादन के समान योग्य नहीं होगा क्योंकि परिवहन में आसानी के लिए ही उस उत्पाद को ठोस रूप में बनाया जाता है तथा अन्यथा वह उत्पाद मेल्ट रूप में अमोनियम नाइट्रेट है, (ख) ऐसे परिवर्तक पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के अभिप्राय से पात्र उत्पादकों के रूप में योग्य नहीं होंगे क्योंकि वे आयातकों की ओर से कार्य के आधार पर परिवर्तन में लगे हुए हैं। इसके अतिरिक्त, इन परिवर्तकों के उत्पादन के संबंध में उदार आकलन के द्वारा भी अमोनियम नाइट्रेट को ठोस रूप में परिवर्तित यह उत्पादन बहुत कम है और याचिकाकर्ताओं का उत्पादन ऐसी स्थिति में भी 50 प्रतिशत से अधिक होगा।
- (iv) रूस के लिए सामान्य मूल्य कम आंका गया है। रूस में प्राकृतिक गैस की कीमतें, जो कि अमोनियम नाइट्रेट के लिए एक प्रमुख कंड्री सामग्री है, सरकार द्वारा विनिर्मित की जाती हैं। अतः रूस में एक विशेष बाजार स्थिति रहती है, जिसके कारण इन कीमतों को उत्पादन लागत के परिकलन के लिए अपनाया नहीं जाना चाहिए। उत्पादन लागत का परिकलन आवश्यक समायोजन करने के बाद किया जाना चाहिए। यह पूरे विश्व में विभिन्न जांचकर्ता प्राधिकारियों के विचारों के अनुरूप है। इसके अतिरिक्त, संबंधित निर्यातकों ने कोई सूचना, दस्तावेज अथवा साक्ष्य नहीं दिए हैं, जो यह सिद्ध कर सकें कि उनकी खपत कीमतें स्वीकार की जानी चाहिए।

(v) कैप्टिव इनपुट अर्थात् कमजोर नाइट्रिक एसिड पर क्षति रहित कीमत के परिकलन के लिए बाजार कीमत पर विचार किया जाना चाहिए था। यहां तक कि यदि बाजार कीमत स्वीकार नहीं की जाती है तो कैप्टिव इनपुट की उत्पादन लागत पर विचार किया जाना चाहिए। इनपुट की सामान्य उत्पादन लागत का प्रयोग इस प्रयोजन के लिए नहीं किया जा सकता। अनुबंध-III में केवल समान वस्तु की लागत के सामान्यीकरण का प्रावधान है, न कि कैप्टिव इनपुट की उत्पादन लागत के सामान्यीकरण का। इस प्रकार, प्रस्तावित समायोजन अनुबंध-III में किए गए प्रावधान से बाहर है।

(vi) क्षति रहित कीमत का निर्धारण कैप्टिव इनपुट का उनकी उत्पादन लागत पर मूल्य निर्धारण करने के बाद किया गया है। इसके अतिरिक्त, इन कैप्टिव इनपुट की वास्तविक उत्पादन लागत को नकारा गया है और इन कैप्टिव इनपुट की सामान्यीकृत उत्पादन लागत पर विचार किया गया है।

(vii) प्राधिकारी शुल्क तालिका में उल्लेख करें कि विचाराधीन उत्पाद पर उन सीमा शुल्क वर्गीकरण पर ध्यान न देते हुए शुल्क लगता है जिनके तहत सामानों का आयात किया जा रहा है।

(viii) विचाराधीन उत्पाद का पूर्ण विवरण और पक्षकारों के नाम, जिनको अलग-अलग पाठन मार्जिन की अनुमति दी गई है, शुल्क अधिसूचना में साफ-साफ उल्लिखित किए जाएं ताकि किसी पाठनरोधी शुल्क के छूटने से बचा जाए।

ड.2 निर्यातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

82. प्रकटन विवरण के उत्तर में निर्यातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित टिप्पणियां की हैं: संक्षिप्तता की दृष्टि से जहां तक घरेलू उद्योग द्वारा की गई टिप्पणियां हैं, वे पूर्व अनुरोधों की पुनरावृत्ति हैं और उन पर ऊपर पहले ही विचार किया जा चुका है, अतः इन्हें नीचे दोहराया नहीं गया है।

- i. प्राधिकारी ने प्रयोक्ताओं/उपभोक्ताओं की समझ के अनुसार, उत्पाद का घनत्व निर्धारित किया है। तथापि, प्रयोक्ताओं की समझ के अनुसार, 0.85 जी/सीसी से अधिक घनत्व वाले केवल अमोनियम नाइट्रेट का उच्च घनत्व है जबकि विचाराधीन उत्पाद को 0.83 जी/सीसी के घनत्व वाले उत्पाद के रूप में परिभाषित किया गया है।
- ii. भारतीय मानक ब्यूरो, यूनाइटेड स्टेट्स पैटेंट एंड ट्रेड मार्क कार्यालय तथा संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ में जांचकर्ता प्राधिकारी उच्च घनत्व वाले अमोनियम नाइट्रेट को 0.85 जी/सीसी से अधिक के घनत्व वाले उत्पाद के रूप में परिभाषित करते हैं। यह पूर्व जांचों में प्राधिकारी के जांच परिणामों के अनुरूप है।
- iii. प्रकटन विवरण में रिकार्ड किया गया है कि भारत में संबद्ध सामान का प्रयोग प्रमुख रूप से विस्फोटकों के विनिर्माण में किया जाता है जबकि उनका प्रयोग केवल विस्फोटकों के विनिर्माण में ही किया जा सकता है।
- iv. यह उल्लेख करते हुए कि "कोई भी पक्षकार प्राधिकारी की जानकारी में यह नहीं लाए हैं कि 0.83 जी/सीसी के बराबर अथवा उससे कम घनत्व वाले आयात, आयात आंकड़ों में शामिल किए गए हैं", प्राधिकारी ने खरीद तथा याचिकाकर्ताओं और प्राधिकारी से आयात आंकड़े निकालने का भार अन्य हितबद्ध पक्षकारों पर डाल दिया है।
- v. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह सिद्ध करने के लिए प्रयोगशाला प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए हैं कि उन्होंने 0.83 जी/सीसी से कम घनत्व वाले अमोनियम नाइट्रेट का आयात किया है।
- vi. प्राधिकारी ने अमोनियम नाइट्रेट मेल्ट का आयात किए जाने की असमर्थता पर अनुचित रूप से ध्यान केंद्रित किया है क्योंकि यह आवश्यक नहीं है कि समान वस्तु का आयात किया ही जाए।

vii. यहां तक कि पूर्व की जांचों में भी जब विचाराधीन उत्पाद को कुछ सामूहिक घनत्व के ठोस अमोनियम नाइट्रेट के रूप में परिभाषित किया गया था तो मैसर्स गुजरात नर्मदा वैली फर्टिलाइजर्स कंपनी लिमिटेड और मैसर्स राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड के बारे में क्षति के मूल्यांकन के प्रयोजन से विचार किया गया था।

viii. प्राधिकारी ने कुछ मामलों में जैसे कि नेपथलीन, विभिन्न उत्पादों को विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में माना है।

ix. किया गया क्षति मूल्यांकन दोषपूर्ण है। यद्यपि, घरेलू बाजार 33 प्रतिशत तक बढ़ गया, तथापि, आयात बाजार के अतिरिक्त 7 प्रतिशत तक ही पूरा किया गया। दूसरी ओर, घरेलू उद्योग की बिक्री में 24 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई।

x. जॉर्जिया ने जांच की अवधि में पहली बार भारत को संबद्ध सामानों का निर्यात किया है, यद्यपि, रूस से निर्यात में उस अवधि में गिरावट आई है।

xi. अमोनियम नाइट्रेट नियमावली, 2012 शुरू होने के कारण 2013-14 में आयात में कमी आई है। नियमावली लागू करने से आयात और घरेलू उत्पादन के बीच मांग का आबंटन प्रभावित हुआ।

xii. यद्यपि, कझी सामग्री अर्थात् अमोनिया की कीमतें कम हो गईं, तथापि, याचिकाकर्ताओं की बिक्री लागत बढ़ी है जो कि अत्यधिक अनियमित है। बिक्री कीमतों का न्यूनीकरण कझी सामग्री की कीमतों में गिरावट के कारण हुआ है।

xiii. घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग 80 प्रतिशत होता, यदि उसी संयंत्र द्वारा उत्पादित अन्य सामानों का उत्पादन जांच की अवधि में उसी स्तर पर रहता, जैसा कि 2012-13 में था।

xiv. सकारात्मक कीमत कटौती के महेनजर घरेलू उद्योग के लिए बाजार हिस्सा प्राप्त करना असंभव होना चाहिए था।

xv. यद्यपि, संबद्ध देश से आयात 900-1000 किलोग्राम के भारी बैगों में पैक किए जाते हैं, तथापि, घरेलू उद्योग सामान की बिक्री 50 किलोग्राम के बैग में करता है। उसी स्तर पर तुलना के लिए, प्राधिकारी को चाहिए कि वे संबद्ध सामानों के पहुँच मूल्य में पैकेजिंग लागत को शामिल करें।

xvi. कीमत कटौती का परिकलन क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए किया जाता है और वह क्षति के संकेतक के रूप में नहीं माना जा सकता।

xvii. प्राधिकारी ने नोट किया है कि घरेलू उद्योग की पूंजीगत निवेश जुटाने की क्षमता विद्यमान पाठन, यदि उसका समाधान न किया गया, से प्रभावित होगी जबकि मैसर्स दीपक फर्टिलाइजर्स एंड पैट्रोकेमिकल कारपोरेशन लि. की वार्षिक रिपोर्ट यह बताती है कि वह पाराद्वीप में नए संयंत्र की व्यवहार्यता का मूल्यांकन कर रहा है।

xviii. आयात की मात्रा तथा घरेलू उद्योग के लाभ/हानि के बीच कोई सह संबंध नहीं है। यहां तक कि जब आयात का पहुँच मूल्य अधिक था तो भी घरेलू उद्योग को बहुत अधिक हानियां हुई हैं।

xix. यद्यपि, क्षति की अवधि में निवल निर्धारित परिसंत्तियां कम हुई हैं, तथापि, मूल्य ह्रास में काफी वृद्धि है।

xx. चूंकि, क्षति विश्लेषण पाटित आयातों की मात्रा के आधार पर है, अतः मैसर्स नोवोमोसकोविसकाया (नक अजोट) से अपाटित आयात क्षति विश्लेषण से अलग किए जाने चाहिएं।

xxi. प्राधिकारी का विश्लेषण घरेलू उद्योग के आंकड़ों की केवल पुनरावृत्ति से बाहर होना चाहिए।

xxii. पाटित आयातों और घरेलू उद्योग को क्षति के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है। प्राधिकारी ने नोट किया कि अन्य देशों से आयात जांच की अवधि के दौरान नगण्य थे और इसीलिए घरेलू उद्योग को उससे क्षति नहीं हुई। तथापि, अन्य देशों से आयात में गिरावट मुख्य रूप से इस कारण है कि कतिपय आपूर्तिकर्ता देश, जैसे यूक्रेन, अमोनियम नाइट्रेट नियमावली, 2012 की शर्तों को पूरा करने में असमर्थ थे।

xxiii. निर्यातिक उच्च प्रौद्योगिकी तथा प्रमुख इनपुट के रूप में प्राकृतिक गैस के प्रयोग कर रहे हैं। घरेलू उद्योग को प्रयोग की जा रही अदक्ष उत्पादन प्रौद्योगिकी के कारण क्षति हो रही है।

xxiv. पीटी काल्टिम नाइट्रेट, इंडोनेशिया ने सितंबर, 2016 में प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए थे, जिसके बाद उत्तरों की लिखित प्रति के अलावा प्राधिकारी ने कोई कमी संबंधी पत्र जारी नहीं किया, इलैक्ट्रोनिक प्रति ई-मेल के माध्यम से 14 अक्टूबर, 2016 को भेजी गई थी। इस प्रकार, उनके द्वारा किए गए अनुरोधों को पूरी तरह से रद्द करना अनावश्यक है।

xxv. पीटी काल्टिम नाइट्रेट, इंडोनेशिया द्वारा तथा भारत में आयातकों द्वारा यह सिद्ध करने के लिए साक्ष्य प्रस्तुत किए गए थे कि पीटी काल्टिम नाइट्रेट, इंडोनेशिया द्वारा निर्यातित सामानों का घनत्व 0.83 जी/सीसी से कम था।

xxvi. मैसर्स ज्वाइंट स्टॉक कंपनी यूनाइटेड केमिकल कंपनी उरालकेम ने मैसर्स एसआईए उरालकेम ट्रेडिंग, लटविया के माध्यम से भारत में संबद्ध सामानों का निर्यात किया, जिन्होंने इसके बदले सामानों का निर्यात दूसरे निर्यातिक/व्यापारी, अर्थात मैसर्स सुलतेरा ग्रुप डीएमसीसी, दुबई, संयुक्त अरब अमीरात के माध्यम से निर्यात किया जिन्होंने फिर सामानों का निर्यात दूसरे निर्यातिक/व्यापारी अर्थात मैसर्स कॉसमॉस वु लिमिटेड, हांगकांग के माध्यम से किया। यद्यपि, अंतिम निर्यातिक/व्यापारी ने निर्यातिक प्रश्नावली के उत्तर दायर नहीं किए हैं, तथापि, साक्ष्य के रूप में बीजक और प्रविष्टि बिल दिए गए थे। चीनी सीमा शुल्क प्राधिकारियों द्वारा मंजूर किए गए संबद्ध सामानों की कीमत को धारा 9क(ख) के प्रावधान को ध्यान में रखते हुए निर्यात कीमत के रूप में माना जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त, कोई कानूनी आवश्यकता नहीं है कि मूल्य शृंखला सिद्ध की जानी चाहिए। यदि निर्यात कीमत निर्यातिक, आयातक अथवा तीसरे पक्षकार के बीच सहयोग अथवा प्रतिपूरक व्यवस्था के कारण अविश्वसनीय पाई जाती है तो निर्यात कीमत उस कीमत के रूप में होनी चाहिए जिस पर सामान किसी स्वतंत्र क्रेता को सबसे पहले बेचे गए थे, चाहे वे भारत में हों अथवा भारत से बाहर। ऐसी कोई आवश्यकता नहीं है कि स्वतंत्र क्रेता भारत में ही स्थित हों। इस प्रकार, यदि असंबद्ध व्यापारी अर्थात मैसर्स कॉसमॉस वु लिमिटेड, हांगकांग के माध्यम से इन असंबद्ध कंपनियों को विक्री की जाती हैं और सामान रूस के सीमा शुल्क क्षेत्र द्वारा के माध्यम से मंजूर किया जाता है तो सामान किसी स्वतंत्र क्रेता को सबसे पहले या तो भारत में या सिंगापुर में बेचे गए हैं और उसे भारत में निर्यात कीमत के परिकलन का आधार बनना चाहिए। इस संदर्भ में, यूरोपीय संघ तथा यूनाइटेड स्टेट्स में जांचकर्ता प्राधिकारियों की परिपाठी पर विश्वास किया गया था। निर्यात कीमत को रद्द करना पाटनरोधी करार के अनुबंध-II के प्रावधानों तथा प्राधिकारी की पूर्ण परिपाठी के अनुरूप नहीं है।

xxvii. यद्यपि, व्यापारी रॉफर्ट ने उत्तर दायर नहीं किया है, तथापि, अलग से पाटन मार्जिन की मैसर्स नोवोमोसकोविसकाया (नक अजोट) को अनुमति दी गई है जिन्होंने रॉफर्ट के माध्यम से यूरोकेम ट्रेडिंग जीएमबीएच, स्टिव्जरलैंड के माध्यम से भारत को निर्यात किया है। तथापि, मैसर्स उरालकेम के मामले में, जिन्होंने मैसर्स एसआईए उरालकेम ट्रेडिंग, लटविया के माध्यम से संबद्ध सामानों का निर्यात किया है, जिन्होंने कॉसमॉस वु लिमिटेड, हांगकांग के माध्यम से सामानों का फिर निर्यात किया है, इस आधार पर किसी अलग-अलग पाटन मार्जिन की अनुमति नहीं दी गई है कि कॉसमॉस वु लिमिटेड, हांगकांग ने उत्तर दायर नहीं किया है।

xxviii. मैसर्स जेएससी अजोट, जिन्होंने मैसर्स एसबीयू नाइट्रोट्रेड एजी के माध्यम से सामानों का निर्यात किया है, के मामले में सीधे ही भारत को किए गए निर्यातों तथा मैसर्स ड्रेमूर फर्टिलाइजर्स ओवरसीज पीटीई लि. के माध्यम से किए गए निर्यातों के लिए अलग-अलग पाटन मार्जिन परिकलित किया जाना चाहिए। इसी प्रकार, एसबीयू नाइट्रोट्रेड एजी द्वारा किए गए सीधे निर्यात तथा मैसर्स ड्रेमूर फर्टिलाइजर्स ओवरसीज पीटीई लि. के माध्यम से किए गए निर्यातों के लिए लग-अलग पाटन मार्जिन निर्धारित किया जाना चाहिए।

xxix. प्राधिकारी अपने अंतिम जांच परिणाम में साफ-साफ उल्लेख करें कि मैसर्स जेएससी अजोट ने विचाराधीन उत्पाद का भारत को निर्यात अपनी संबद्ध व्यापारी कंपनी एसबीयू नाइट्रोट्रेड एजी के माध्यम से किया है। एसबीयू नाइट्रोट्रेड एजी ने भारत को उत्पाद का निर्यात सीधे ही तथा एक असंबद्ध व्यापारी अर्थात मैसर्स ड्रेमूर फर्टिलाइजर्स ओवरसीज पीटीई लि. के माध्यम से किया है। इसके अतिरिक्त, पाटन मार्जिन/क्षति मार्जिन तथा शुल्क तालिका में उत्पादक/निर्यातक के पूरे नामों का उल्लेख किया जाए।

xxx. मैसर्स जेएससी अजोट द्वारा उत्पादित सामान का सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत निर्धारित करने के लिए व्यापार के उसी स्तर पर घरेलू और निर्यात कीमत की तुलना की जानी चाहिए अर्थात घरेलू उपभोक्ता को कीमत तथा भारतीय उपभोक्ता को कीमत की तुलना की जानी चाहिए। मध्यवर्ती व्यापारी को कीमत अर्थात मैसर्स ड्रेमूर फर्टिलाइजर्स ओवरसीज पीटीई लि. की कीमत हमेशा अंतिम उपभोक्ता को पड़ने वाली कीमत से कम होगी।

xxxi. अलग-अलग पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन का लाभ केवल उस चैनल को दिया जाना चाहिए जिससे संबंधित सूचना को प्राधिकारी ने सत्यापित कर लिया है।

xxxii. मैसर्स रुस्तवी अजोट, जॉर्जिया, जॉर्जिया के राष्ट्रीय दिवालिया कानूनों की प्रक्रियाओं के कारण सत्यापन के लिए अपने आंकड़े देने में असमर्थ रहे। सत्यापन के अलावा, उन्होंने पूरा सहयोग किया और प्राधिकारी को सभी उपलब्ध सूचनाएं दीं।

xxxiii. जॉर्जिया से आयात का पहुँच मूल्य ईरान से आयात के मूल्य से अधिक है। तदनुसार, जॉर्जिया के लिए क्षति मार्जिन और पाटन मार्जिन ईरान के लिए क्षति मार्जिन और पाटन मार्जिन से कम होना चाहिए। तथापि, प्रकटन विवरण के अनुसार, जॉर्जिया के लिए पाटन मार्जिन ईरान के पाटन मार्जिन से अधिक है जबकि दोनों देशों के लिए क्षति मार्जिन की श्रृंखला समान है।

xxxiv. जांच के तहत माने गए सभी अनिवार्य तथ्यों में पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 2.2 के अभिप्राय से सही मूल्य सिद्ध करने के सिद्धांत को लागू करने के लिए पर्याप्त आधार नहीं हैं। रूसी विनिर्माताओं के आयातों के संबंध में इस सिद्धांत को लागू करना डब्ल्यूटीओ नियमावली और विनियमों के विपरीत है।

xxxv. पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3 के उल्लंघन में जांच की सामग्री में घरेलू उद्योग क्षेत्र को क्षति का कोई साक्ष्य नहीं है, इसका भी कोई विस्तृत एवं समझने वाला स्पष्टीकरण नहीं है कि भारत के राष्ट्रीय उद्योग क्षेत्र में सकारात्मक प्रवृत्तियां कैसे अन्य संकेतकों की दृष्टि से अलग-अलग प्रवृत्तियों द्वारा अधिक भारित की जा सकती हैं। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग क्षेत्र अथवा विचाराधीन देशों से सामान को तथाकथित क्षति के बीच कारणात्मक संबंध का कोई साक्ष्य नहीं है।

xxxvi. प्राधिकारी कृपया यह स्मरण करेंगे कि यूरोकेम ग्रुप ने अपने दो उत्पादकों अर्थात नोवोमोसकोविसकाया (नक अजोट) तथा नेविनोमिसकी अजोट (नेविनका) और अपने व्यापारिक कंपनी यूरोकेम ट्रेडिंग जीएमबीएच, स्विट्जरलैंड (जुग) (निर्यातक) के माध्यम से जांच में पूरी तरह से भाग लिया था। प्राधिकारी यह मानेंगे कि यद्यपि, नेविनोमिसकी अजोट द्वारा उत्पादित सामान भारत को नहीं भेजे गए थे, तथापि, वे उसी तरह अलग-अलग पाटन एवं क्षति मार्जिन के हकदार हैं, जैसे नोवोमोसकोविसकाया (नक अजोट) है। कृपया यह मानेंगे कि यदि उस कंपनी के साथ अलग से व्यवहार किया जाता है जिसने जांच की अवधि के

दौरान भारत को संबद्ध सामानों का निर्यात किया है, तो फिर अन्य समूह कंपनियां न तो उसी दर पर अपने सामानों का निर्यात कर पाएंगी और न ही वे नियम 22 के अनुसार नई समीक्षा के लिए हकदार होंगे।

xxxvii. यह भी स्मरण किया जाए कि जांच की अवधि के दौरान जुग ने एक असंबद्ध निर्यातक अर्थात् रॉफर्ट के माध्यम से भारत को संबद्ध सामान बेचे थे, जिसने भी कार्यवाहियों के दौरान अपनी पूर्ण सूचना दी थी। चूंकि, रॉफर्ट एक व्यापारी है, जो कि यूरोकेम की निर्यात शृंखला का भाग नहीं है। अतः प्राधिकारी कृपया यह मानें कि यूरोकेम समूह सामान्यतः केवल जुग के माध्यम से संबद्ध सामानों का निर्यात करता है।

ड.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

83. प्राधिकारी नोट करते हैं कि अधिकतर अनुरोध पुनरावृत्ति प्रकृति के हैं और उनकी उपयुक्त रूप से, पर्याप्त रूप से और उचित रूप से पहले ही जांच की गई थी तथा पूर्व में प्रकटन विवरण में उनका समाधान किया गया था। उपर्युक्त जांच परिणाम यथा तथ्यतः हितबद्ध पक्षकारों के इन तर्कों को ले लेते हैं। इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों की जांच निम्नलिखित रूप में की है:

- i. अनिवार्य तथ्यों के प्रकटन के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाई गई चिंता के संबंध में यह अनुरोध किया जाता है कि वह समस्त संगत सूचना, जो संबंधित आवेदक के लिए गोपनीय नहीं है, प्रकट कर दी गई है और इन जांच परिणामों में संगत पैराओं में उनका समुचित रूप से उनका समाधान किया गया है।
- ii. प्राधिकारी ने सीमा शुल्क नियमावली, 1995 के नियम 16 का पूरी तरह से अनुपालन किया है और वर्तमान मामले में आवश्यक तथ्यों का प्रकटन जारी किया है। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए सभी संगत अनुरोधों पर विचार किया गया है और उन्हें प्राधिकारी के समक्ष तथ्य प्रस्तुत करने का पर्याप्त समय दिया गया है।
- iii. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि रूस में प्राकृतिक गैस की कीमतों को स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए, यह अनुरोध किया जाता है कि उत्पादन लागत का निर्धारण उत्पादकों की वास्तविक लेखा बहियों के आधार पर किया गया है और वह यह मूल्यांकन करने के लिए उपयुक्त है कि क्या घरेलू बाजार की विक्री व्यापार की सामान्य अवधि में की गई है।
- iv. जहां तक कैप्टिव इनपुट के बारे में बाजार कीमत पर विचार करने का संबंध है यह उल्लेख करना है कि पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के अनुसार, एनआईपी के निर्धारण के लिए लागत कीमत अथवा बाजार कीमत पर कैप्टिव इनपुट की अंतरण कीमत पर विचार किया जाता है जो कि लेखा बहियों में उसके सतत आधार पर आशोधन पर निर्भर करता है। इस मामले में, कंपनी ने अपनी बहियों में उत्पादन लागत पर कैप्टिव नाइट्रिक एसिड की अंतरण कीमत को माना है, अतः घरेलू उद्योग का यह तर्क मान्य नहीं है।
- v. प्रयोक्ताओं का यह दावा कि उच्च घनत्व वाले अमोनियम नाइट्रेट को 0.85 जी/सीसी से अधिक के घनत्व वाला माना जाता है, वर्तमान जांचों में असंगत है। वर्तमान मामले में विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र "उच्च घनत्व वाले अमोनियम नाइट्रेट" नहीं है। वर्तमान मामले में विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र 0.83 जी/सीसी से अधिक घनत्व वाला अमोनियम नाइट्रेट है। जहां तक उच्च घनत्व वाले अमोनियम नाइट्रेट को परिभाषित करने वाले विभिन्न भारतीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानकों का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान मामले में विचाराधीन उत्पाद उच्च घनत्व वाला अमोनियम नाइट्रेट नहीं है। यह 0.83 जी/सीसी से अधिक घनत्व वाला अमोनियम नाइट्रेट है। अतः उच्च घनत्व वाले अमोनियम नाइट्रेट के लिए निर्धारित मानक वर्तमान प्रयोजनों के लिए संगत नहीं हैं।
- vi. जहां तक आधार का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ताओं का उत्पादन कानून के तहत निर्धारित आधार की आवश्यकता को पूरा करता है। चूंकि, याचिकाकर्ता स्वयं जांच के प्रयोजन के लिए

आधार की आवश्यता को पूरा करते हैं, अतः प्राधिकारी के लिए यह अनिवार्य नहीं है कि वे अन्य घरेलू उत्पादकों के स्तर की मांग करें। प्राधिकारी ने रिकार्ड में उपलब्ध सूचना तथा याचिकाकर्ताओं और विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच करने के बाद, यह निर्धारित किया है कि याचिकाकर्ता कंपनियां नियम 2(ब) के अभिप्राय से घरेलू उद्योग हैं और याचिका पाटनरोधी नियमावली के अनुसार आधार का मानदंड पूरा करती है।

vii. यद्यपि, खरीद और आयात आंकड़ों को निकालने का भार निर्यातकों अथवा आयातकों पर नहीं है, तथापि, निर्यातक उपयुक्त साक्ष्य के साथ 0.83 जी/सीसी से अधिक घनत्व वाले आयातों के संबंध में घरेलू उद्योग के दावों का खंडन कर सकते थे। ये वही निर्यातक हैं जिन्होंने भारतीय बाजार में उत्पादों का निर्यात किया है और वही आयातक हैं जिन्होंने भारतीय बाजार में उत्पाद का आयात किया है तथा इसीलिए संगत अवधि के दौरान भारत में आयातित उत्पाद की इन दोनों को अच्छी जानकारी है। तथापि, निर्यातक अथवा आयातक, किसी के द्वारा भी कोई मात्रात्मक दावा सिद्ध नहीं किया गया है।

viii. अमोनियम नाइट्रेट मेल्ट को वर्तमान जांच परिणामों में संगत पैरा में उल्लिखित कारणों से वर्तमान जांचों के प्रयोजन के लिए विचाराधीन उत्पाद की समान वस्तु नहीं माना जा सकता। जब कोई वस्तु आयातित उत्पाद से बारीकी से समानता रखती हुई उपलब्ध हो तो समान वस्तु के क्षेत्र में दूसरी वस्तु पर विचार करने का कोई कारण नहीं है। चूंकि, मेल्ट रूप में अमोनियम नाइट्रेट को समान वस्तु नहीं माना जा सकता, अतः उसके उत्पादकों को घरेलू उद्योग के क्षेत्र में शामिल करने का कोई तर्क आधार नहीं है। जो भी हो, किसी भी आयातक/प्रयोक्ता ने यह सिद्ध करने के लिए रिकार्ड में कोई मात्रात्मक सत्यापन योग्य दावा नहीं किया है कि यदि अमोनियम नाइट्रेट मेल्ट के उत्पादन पर विचार किया जाता है तो याचिकाकर्ता अपना आधार खो जाएंगे।

ix. नेपथ्यलीन के मामले पर विश्वास करना उपयुक्त नहीं है। विचाराधीन उत्पाद को प्राधिकारी द्वारा परिभाषित किए जाने की अपेक्षा है जिसमें उन्हें भारत में पाटित किए जा रहे उत्पाद पर ध्यान देना चाहिए। इसके अतिरिक्त, एक बार विचाराधीन उत्पाद को नकार दिया जाता है तो समान वस्तु को उस उत्पाद के रूप में निर्धारित किया जाना चाहिए जो विचाराधीन उत्पाद के समान है अथवा उसकी गैर-मौजदूरी में सर्वाधिक रूप से अत्यंत अनुरूपी उत्पाद हो। विभिन्न उत्पादों को समान वस्तु के क्षेत्र में शामिल नहीं किया जा सकता।

x. मात्रात्मक प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी को इस बात पर विचार करने की अपेक्षा है कि क्या पाटित आयातों में काफी वृद्धि हुई है, भले ही वह पूर्ण रूप से हो अथवा उत्पादन के सापेक्ष हो अथवा भारत में उपभोग के सापेक्ष हो। यह पाया जाता है कि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में वृद्धि दूसरे देशों के हिस्से में कमी के कारण है तथा अनुबंध-II के पैरा (iv) के तहत संगत है एवं अनुबंध-II के पैरा (ii) के लिए नहीं। संबद्ध देशों से आयातों का हिस्सा क्षति अवधि में बढ़ा है। इसके अतिरिक्त, बाजार मांग/उपभोग के संबंध में संबद्ध देशों से आयात का हिस्सा भी इस अवधि में बढ़ा है। अनुबंध-II के प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए पाटित आयात भारत में उपभोग के संबंध में तथा पूर्ण रूप से दोनों दृष्टि से बढ़े हैं।

xi. कीमत प्रभाव के संबंध में घरेलू उद्योग से संबंधित आंकड़ों तथा आयातों से यह स्पष्ट है कि आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों में पर्याप्त कटौती हो रही है। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग की कीमतों का आयातों के कारण न्यूनीकरण हुआ है। घरेलू उद्योग की लाभप्रदता और संबद्ध देशों से आयातों के बीच एक अंतर्मुखी सह संबंध है। चूंकि, संबद्ध देशों से आयात बढ़े हैं, अतः घरेलू उद्योग को हुई हानियां भी बढ़ी हैं।

xii. चूंकि, क्षति विश्लेषण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II की शर्तों को ध्यान में रखते हुए संचयी आधार पर किया गया है, अतः अलग-अलग संबद्ध देशों से आयातों की प्रवृत्ति इस प्रयोजन के लिए असंगत हो

जाती है। यह तर्क दिया गया है कि कम कीमत पर बिक्री को क्षति का संकेतक नहीं माना जा सकता, प्राधिकारी मानते हैं कि नई जांच में घरेलू उद्योग को क्षति दर्शने के लिए क्षति मार्जिन एक मानदंड है।

xiii. यह निर्धारित करने के लिए कि घरेलू उद्योग को पाठित आयातों के कारण क्षति हुई है, नियमों में यह अपेक्षा नहीं है कि अनुबंध-II के पैरा (iv) में निर्धारित प्रत्येक मानदंड ह्वास अथवा कमी दर्शाए। प्राधिकारी को सभी मानदंडों पर सामूहिक रूप से और संचयी रूप से विचार करना होता है और उसके बाद निष्कर्ष निकालना होता है।

xiv. जहां तक प्रौद्योगिकी में तथाकथित अंतर का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियमों में प्रौद्योगिकी में संभावित विकासों पर विचार करने की अपेक्षा है। प्रौद्योगिकी में अंतर का यह अर्थ नहीं है कि घरेलू उद्योग के निष्पादन में कमी प्रौद्योगिकी में तथाकथित अंतर के कारण है।

xv. जहां तक अलग से पाटन एवं क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए उठाई गई चिंता का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि व्यापारी और निर्यातिक दोनों के सत्यापित आंकड़ों पर पहुँच मूल्य तथा निवल निर्यात कीमत के निर्धारण के लिए विचार किया गया है तथा भारित औसत पाटन और क्षति मार्जिन निकाला गया है। तदनुसार, जहां भी जांच के लिए पूरे चैनल ने उत्तर दिया है तथा संगत आंकड़े दायर किए हैं, वहां पाटनरोधी शुल्क का प्रस्ताव किया गया है। जहां विदेशी उत्पादक द्वारा उत्पादित सामान विभिन्न चैनलों के माध्यम से निर्यातित किए जाते हैं, वहां प्रत्येक निर्यात चैनल के लिए पृथक पाटन मार्जिन वांछनीय नहीं होगा। यह प्राधिकारी की पूर्व परिपाटी के अनुरूप है।

xvi. मैसर्स ज्वाइंट स्टॉक कंपनी यूनाइटेड केमिकल कंपनी उरालकेम, अंतिम निर्यातिक/व्यापारी अर्थात मैसर्स कॉसमॉस वु लिमिटेड, हांगकांग के मामले में उन्होंने निर्यातिक प्रश्नावली का उत्तर दायर नहीं किया है। तदनुसार, उत्पादक तथा निर्यातिक को असहयोगी माना गया है।

xvii. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि रॉफर्ट ने निर्यातिक प्रश्नावली का उत्तर दायर नहीं किया है। तथापि, यह स्पष्ट किया जाता है कि रॉफर्ट ने प्रश्नावली का उत्तर दायर कर दिया है और वर्तमान जांच परिणामों के प्रयोजन के लिए प्राधिकारी ने उस पर विचार कर लिया है।

xviii. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग ने अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है। यह स्पष्ट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने समस्त सूचना दे दी है और उस पर पर्यास रूप से एवं उचित रूप से विचार किया गया है तथा पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 के अनुसार वर्तमान जांच परिणामों में उनका समाधान किया गया है। चूंकि कुछ सूचना घरेलू उद्योग की व्यापार संबंधी संवेदनशील गोपनीय सूचना है, अतः प्राधिकारी ऐसी सूचना को अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट करने के लिए बाध्य नहीं है।

xix. जहां तक सहयोगी निर्यातिकों नोवोमोसकोविसकाया (उत्पादक), रूस के लिए अलग से पाटन मार्जिन निर्धारित करने का अनुरोध का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि, चूंकि उन्होंने जांच की अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद का निर्यात नहीं किया, अतः निर्यात कीमत के अभाव में अलग से पाटन मार्जिन का मूल्यांकन नहीं किया जा सकता। उनके इस अनुरोध पर विचार करना भी वांछनीय नहीं है कि वही पाटन मार्जिन उनके लिए भी रखा जाए जो संबंधित उत्पादक नेविनोमिसकी अजोट (उत्पादक) के लिए आंकलित किया गया है।

xx. जहां तक रस्तवी अजोट, जॉर्जिया द्वारा किए गए अनुरोधों का संबंध है, अलग से पाटन मार्जिन तब तक निर्धारित नहीं किया जा सकता, जब तक कि प्राधिकारी आंकड़ों/सूचना की शुद्धता एवं पर्यासता के संबंध में

खुद को पूर्णतः संतुष्ट न कर लें। चूंकि, निर्यातिक जांच सत्यापन के लिए अपने मूल आंकड़े देने में असमर्थ रहा, अतः प्राधिकारी अलग से पाटन मार्जिन निर्धारित नहीं कर पाए और उन्हें असहयोगी माना।

xxi. जहां तक जॉर्जिया और ईरान के बीच पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन में अंतर का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि वे सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और क्षति रहित कीमत पर निर्भर हैं। अतः दो देशों के लिए यह विचार करते हुए कि सामान्य मूल्य अलग-अलग हो सकता है, पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन की तुलना करना उपयुक्त नहीं होगा। सत्यापित आंकड़े के आधार पर किया गया है।

निष्कर्ष

84. हितबद्ध पक्षों द्वारा उठाए गए मुद्दे और किए गए अनुरोध मौखिक सुनवाई में व्यक्त विचारों और इस जांच परिणाम में यथा दर्ज प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध कराए गए तथ्यों की जांच करने के बाद प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि :

- संबद्ध वस्तु का ईरान से भारत को निर्यात उसके संबद्ध सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है, परिणामस्वरूप पाटन हुआ है।
- संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के पाटन के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।
- यह वास्तविक क्षति संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण हुई है।

३. भारतीय उद्योग का हित और अन्य मुद्दे

85. प्राधिकारी यह मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने से भारत में इस उत्पाद के कीमत स्तर पर प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, पाटनरोधी उपायों का अधिरोपण करने से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी। इसके विपरीत पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने से पाटन की प्रक्रियाओं द्वारा अर्जित अनुचित लाभ कम होगा, घरेलू उद्योग का पतन होने से रुकेगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं को इस उत्पाद की व्यापक उपलब्धता बनाए रखने में सहयोग मिलेगा। सामान्यतः पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य पाटन के अनुचित व्यापार व्यवहार द्वारा घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में मुक्त एवं पक्षपात रहित प्रतिस्पर्धा कायम हो सके जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी शुल्क को लगाए जाने से उपभोक्ताओं को इस संबद्ध वस्तु की उपलब्धता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने से संबद्ध देशों से आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होगा और इसलिए उपभोक्ताओं का इस संबद्ध वस्तु की उपलब्धता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। उपभोक्ता अभी भी इस उत्पाद की आपूर्ति के दो अथवा उससे अधिक स्रोत बनाए रख सकते हैं।

४. सिफारिशें

86. हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोधों और उनमें उठाए गए मुद्दों की जांच करने के बाद और रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों पर विचार करने के बाद प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि:

i. संबद्ध वस्तु का भारत को संबद्ध देशों से निर्यात उसके संबद्ध सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है।

ii. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

iii. यह वास्तविक क्षति संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण हुई है।

87. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरूआत की गई और उसकी सूचना सभी हितबद्ध पक्षकारों को प्रदान की गई थी और पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के पहलुओं पर सकारात्मक सूचना प्रदान करने के लिए घरेलू उद्योग, निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। पाटनरोधी नियमों के अनुसार पाटन, क्षति एवं उनके कारणात्मक संबंध के बारे में जांच शुरू और संपन्न करने के बाद और सकारात्मक पाटन मार्जिन तथा ऐसे पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति की पुष्टि करने के उपरांत प्राधिकारी का यह मत है कि पाटन एवं परिणामस्वरूप क्षति को समाप्त करने के लिए निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाना अपेक्षित है। अतः प्राधिकारी नीचे दिए गए ढंग और तरीके से संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करना आवश्यक समझते हैं।

88. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन, इनमें से जो भी कम हो, के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार, संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से निम्नलिखित तालिका में उल्लिखित राशि के अनुसार निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

| क्र.सं. | उप-शीर्ष | वस्तुओं का विवरण | उद्भव का देश | निर्यात का देश | उत्पादक | निर्यातक | शुल्क की राशि | इकाई |
|---------|----------|--|--------------|----------------|-----------------------------|---|---------------|---------------|
| 1. | 3102 | 0.83 जी/सीसी*से अधिक घनत्व का अमोनियम नाइट्रेट | रूस | स्विटजरलैंड | नोवोमोसकोवस्काया (नेकएंजोट) | रॉफर्ट ऑफशोर साल के माध्यम से यूरोकैम ट्रेडिंग जीएमबीएच | शून्य | अम.डा./ मी.टन |
| 2. | -वही- | -वही- | रूस | रूस | जेएससी एंजोट | एसबीयू-नाइट्रोट्रेड एंजी | 11.42 | अम.डा./ मी.टन |
| 3. | -वही- | -वही- | रूस | सिंगापुर | जेएससी एंजोट | ड्रेमर फर्टिलाइजर्स ओवरसीज पीटीई लि. के माध्यम से | 11.42 | अम.डा./ मी.टन |

| | | | | | | एसबीयू- नाइट्रोट्रेड एजी | | |
|-----|-------|-------|-----------------------------------|--------------------------------|-----|--------------------------------|-------|---------------|
| 4. | -वही- | -वही- | रूस | रूस | कोई | कोई | 25.00 | अम.डा./ मी.टन |
| 5. | -वही- | -वही- | रूस | संबद्ध देशों से इतर कोई देश | कोई | कोई | 25.00 | अम.डा./ मी.टन |
| 6. | -वही- | -वही- | संबद्ध देशों से इतर कोई देश | रूस | कोई | कोई | 25.00 | अम.डा./ मी.टन |
| 7. | -वही- | -वही- | जार्जिया | जार्जिया | कोई | कोई | 53.99 | अम.डा./ मी.टन |
| 8. | -वही- | -वही- | जार्जिया | संबद्ध देशों से इतर कोई देश | कोई | कोई | 53.99 | अम.डा./ मी.टन |
| 9. | -वही- | -वही- | संबद्ध देशों से इतर कोई देश | जार्जिया | कोई | कोई | 53.99 | अम.डा./ मी.टन |
| 10. | -वही- | -वही- | ईरान | ईरान | कोई | कोई | 60.35 | अम.डा./ मी.टन |
| 11. | -वही- | -वही- | ईरान | संबद्ध देशों से इतर कोई देश | कोई | कोई | 60.35 | अम.डा./ मी.टन |
| 12. | -वही- | -वही- | संबद्ध देशों से इतर कोई देश | ईरान | कोई | कोई | 60.35 | अम.डा./ मी.टन |
| 13. | -वही- | -वही- | इंडोनेशिया | इंडोनेशिया | कोई | कोई | 26.07 | अम.डा./ मी.टन |
| 14. | -वही- | -वही- | इंडोनेशिया | संबद्ध देशों से इतर कोई देश | कोई | कोई | 26.07 | अम.डा./ मी.टन |
| 15. | -वही- | -वही- | संबद्ध देशों से इतर कोई देश | इंडोनेशिया | कोई | कोई | 26.07 | अम.डा./ मी.टन |

* "अमोनियम नाइट्रेट" है, चाहे वह प्रिल्ड, ग्रेन्युलर अथवा अन्य ठोस रूप में हो और संयोजनों अथवा कोटिंग सहित या बिना इसके हो तथा वह 0.83 जी/सीसी से अधिक सामूहिक घनत्व वाला हो, उप शीर्ष 3102 30 00 के तहत सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 के अध्याय 31 में वर्गीकृत।

89. इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ आयातों का पहुंच मूल्य सीमा शुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) के अंतर्गत सीमाशुल्क द्वारा यथानिर्धारित आकलन योग्य मूल्य होगा और इसमें उक्त अधिनियम की धारा 3, 3क, 8ख, 9 तथा 9क के अंतर्गत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी शुल्क शामिल होंगे।

90. केन्द्र सरकार द्वारा इस अंतिम जांच परिणाम पर आधारित आदेश के विरुद्ध खिलाफ कोई अपील सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी।

डॉ. इन्द्रजीत सिंह, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st August, 2017

Final Findings

Subject: Anti-dumping investigation concerning imports of Ammonium Nitrate, originating in or exported from Russia, Indonesia, Georgia and Iran.

A. Background of the Case

No.14/1/2016-DGAD.— Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Act), and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time, (hereinafter also referred to as the Rules) thereof:

2. Whereas Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Limited and Smartchem Technologies Limited, (hereinafter also referred to as the petitioners or the applicants or domestic industry) have jointly filed an application before the Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) in accordance with the Act and the Rules, for initiation of Anti-dumping investigation concerning imports of “Ammonium Nitrate” (hereinafter also referred to as the subject goods), originating in or exported from Russia, Indonesia, Georgia and Iran (hereinafter also referred to as the Subject Countries), alleging dumping and consequent injury and requested for levy of Anti-dumping duty on the imports of the subject goods from the Subject Countries.
3. And whereas, the Authority on the basis of sufficient evidence, submitted by the applicant issued a public notice vide Notification No. 14/1/2016-DGAD dated 5th August, 2016, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating the subject investigation in accordance with the sub Rule 5 of the Rules, to determine the existence, degree and effect of the alleged dumping and to recommend the amount of Anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

B. Procedure

4. The procedure described herein below has been followed by the Authority with regard to the subject investigation:

- (i) The Designated Authority, under the above Rules, received a written application from the Applicants on behalf of the domestic industry, alleging dumping of Ammonium Nitrate originating in or exported from the Subject Countries.
- (ii) Preliminary scrutiny of the application revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the Applicants and revised and updated petition was filed by the applicant. The application was, therefore, considered as properly documented.
- (iii) The Authority notified the embassy of the Subject Countries in India about the receipt of the present Anti-dumping application before proceeding to initiate the investigation in accordance with Rule 5 supra.
- (iv) The Authority issued a public notice dated 5th August, 2016 published in the Gazette of India Extraordinary, initiating Anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods.
- (v) The Authority sent a copy of the initiation notification to the embassy of the Subject Countries in India, known producers/exporters from the Subject Countries, known importers/users and the domestic industry as well as other domestic producers as per the addresses made available by the applicants and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.
- (vi) The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known producers/exporters and to the embassy of the Subject Countries in India in accordance with Rule 6(3) of the Rules supra.
- (vii) The embassy of the Subject Countries in India was also requested to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time limit. A copy of the letter and questionnaire sent to the producers/exporters was also sent to them along with the names and addresses of the known producers/exporters from the subject countries.
- (viii) The Authority sent exporter's questionnaires to elicit relevant information to the following known producers/exporters in accordance with Rule 6(4) of the Rules:
 - a. Shiraz Petrochemical, Tehran, Iran
 - b. Eurochem, Moscow, Russia
 - c. Uralchem, Moscow, Russia
 - d. PT Kaltim Nitrate Indonesia, Indonesia
 - e. Rustavi Azot, Georgia
- (ix) The following producers/exporters from the Subject Countries filed exporter's questionnaire response in the prescribed format:
 - a. JSC Azot, Russia

- b. Dreymoor Fertilizers Overseas PTE Ltd., Singapore
- c. Rustavi Azot LLC, Georgia
- d. Joint Stock Company United Chemical Co. Uralchem, Russia
- e. SIA Uralchem Trading, Latvia
- f. Uralchem Trading House LLC, Russia
- g. NevinnomysskyAzot (Nevinka), Russia
- h. EuroChem Trading GmBH, Switzerland
- i. Novomoskovskaya (NakAzot), Russia

(x) The Authority sent Importer's Questionnaires to the following known importers/users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the Rules:

- a. Solar Industries Limited, Nagpur
- b. Special Blast Limited, Raipur (C.G.)
- c. IDL Industries Limited, Hyderabad, Andhra Pradesh
- d. Indian ExplosivesPvt. Limited (Orica), Kolkata, West Bengal
- e. Black Diamond, Asansol, West Bengal
- f. Vetrivel Explosive Pvt. Ltd., Salem, Tamilnadu
- g. Salvo Explosives & Chemicals, Secunderabad

(xi) Importer's questionnaire response have been filed by the following:

- a. Black Diamond Explosives Pvt. Limited, Dhanbad
- b. Indian Oil Corporation Limited (IBP Division)
- c. Solar Industries India Limited, Nagpur
- d. IDL Explosives Limited, Telangana.
- e. Vetrivel Explosives Limited, Salem, Tamil Nadu.
- f. Indian Explosives Limited, Kolkata, West Bengal
- g. Special Blasts Limited, Raipur, Chattisgarh.
- h. AKS Expo-Chem Private Limited, New Delhi
- i. Ideal Industrial Explosives Limited, Telangana.

(xii) Apart from the exporters, importers, domestic industry and other domestic producers, submissions have been received by the Russian Federation during the course of this investigation.

- (xiii) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;
- (xiv) The applicant had furnished transaction-wise imports data from IBIS source and the Authority had relied upon the same *prima facie* for initiating the investigation. Post initiation, the Authority also obtained transaction-wise imports data from the DGCI&S for the past three years, and the period of investigation, and has now relied upon the same in these findings.
- (xv) The Non-injurious Price (NIP) based on the cost of production and cost to make & sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the Anti-dumping Rules has been worked out so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry.
- (xvi) Verification of the information provided by the applicant domestic industries, to the extent deemed necessary, was carried out by the Authority. Only such verified information with necessary rectification, wherever applicable, has been relied upon for the purpose of present findings.
- (xvii) The Period of Investigation for the purpose of the present 1st April, 2015 to 31st March, 2016 from (12 Months). The injury investigation period has however, been considered as the period from 2012-13, 2013-14, 2014-15 and the POI.
- (xviii) The submissions made by the interested parties during the course of this investigation, wherever found relevant, have been addressed by the Authority, in these findings.
- (xix) Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- (xx) Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has considered such parties as non-cooperative and recorded the disclosure statement on the basis of the facts available.
- (xxi) *** In this statement represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- (xxii) The exchange rate adopted by the Authority for the subject investigation is 1 US \$= Rs. 65.91
- (xxiii) In accordance with Rule 6(6) of the AD Rules, the Authority also provided opportunity to all interested parties to present their views orally in a hearing held on 20th December, 2016 and thereafter on 15th June, 2017. All the parties who had attended the oral hearing were advised to file

written submissions of the views expressed orally. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and were advised to offer their rebuttals. A number of interested parties attended the hearing.

- (xxiv) The arguments made in the written submissions/rejoinders received from the interested parties have been considered in the present findings.
- (xxv) In accordance with the Rules, the Authority disclosed the essential facts of the present investigation to all interested parties vide a disclosure statement issued on 13th July, 2017, and advised them to file the comments on the disclosure statement by 27th July, 2017. The comments received from the domestic industry and other interested parties have been addressed in this findings to the extent considered relevant.

C. Product Under Consideration and Like Article

- 5. The product under consideration in the present investigation is “ammonium nitrate”, whether prilled, granular, or in other solid form, with or without additives or coating, and having bulk density in excess of 0.83 g/cc. Ammonium nitrate is a chemical compound with the formula NH_4NO_3 . It is composed of nitric acid and salt of ammonia. The nitrogen content exceeds 28% of weight in solid form. At room temperature, ammonium nitrate appears in a white crystalline colourless form. Its melting point is 169.6 degrees Celsius or 337.3 degrees Fahrenheit.
- 6. Ammonium nitrate is produced from ammonia and nitric acid, in various forms, such as melt, prills, flakes, granules, lumps, etc. The subject goods are ammonium nitrate in solid form having density above 0.83 g/cc. Ammonium nitrate in liquid or melt form and Ammonium Nitrate having bulk density equal to or below 0.83 g/cc i.e. low density ammonium nitrate is beyond scope of the present investigation and product under consideration.
- 7. Subject goods are classified under chapter 31 of Customs Tariff Act, 1975 under the sub-heading 3102 30 00. The Custom classification is indicative only and not binding on the scope of investigation.

C. 1 Submissions made by the Domestic Industry

- 8. The submissions made by the domestic industry with regard to product under consideration and like article and considered relevant by the Authority are as follows:
 - (i) Ammonium nitrate is a chemical compound with the formula NH_4NO_3 . It is composed of nitric acid and salt of ammonia. The nitrogen content exceeds 28% of weight in solid form. In room temperature, ammonium nitrate appears in a white crystalline colourless form. Its melting point is 169.6 degrees Celsius or 337.3 degrees Fahrenheit.
 - (ii) Ammonium nitrate is produced from ammonia and nitric acid, in various forms, such as melt, prills, flakes, granules, lumps, etc.

(iii) The product under consideration in the present investigations is ammonium nitrate in solid form - whether prilled or granular, or in any other solid form, with or without additives or coating; having density above 0.83 g/cc. Specifically excluded from the scope of product under consideration, is solid ammonium nitrate, having bulk density equal to or below 0.83 g/cc or low density ammonium nitrate, and ammonium nitrate in melt form.

(iv) The PUC is what remains, after taking away the exclusions, which are well defined in terms of density, and physical form.

(v) The subject goods are used in India, predominantly in the manufacture of explosives, such as emulsion explosives, whereas they are used as fertilisers in many other parts of the world.

(vi) Low density ammonium nitrate is a distinct product, having low density, porosity, and high oil absorption, which give it a low critical diameter, optimum sensitivity, and velocity of detonation. These properties, make it suitable for the relevant applications, such as for blasting agents, like ANFO. It is evident from the specifications of major producers in the world that the density of LDAN is invariably below or upto 0.83 g/cc. Thus, the exclusion or cut-off has been appropriately defined so as to exclude low density ammonium nitrate.

(vii) There would not be any difficulties in implementation of proposed Anti-dumping duties on the PUC as there are many entries in the tariff as well as notifications, which are contingent upon the process of manufacture, predominance by weight of a particular input material in the imported article, end use, etc. When such goods are imported, the importer/exporter makes a declaration in this regard, duly supported by necessary evidence. The Customs Authorities, usually assess the goods, based on the declaration, and in case of doubt, or on a random/selective basis, samples are sent for test to Government Labs (CRCL), to verify the accuracy of the declaration.

(viii) In case of several previous investigations, the product had been defined with regard to certain specifications, which may require ascertainment at the stage of import.

(ix) The petitioner placed on record various documents to show that while exporting the subject goods, the domestic industry declares the density in the export documents, consistent with the international practice. Where density is not given, it would be safe to consider such exports as other than LDAN.

(x) The domestic industry is not aggrieved by imports of LDAN, the same has been excluded from the scope of product under consideration, keeping in view the nomenclature in international trade and technical specifications for the product.

(xi) Since there is no guidance under the Act or the Rules to define PUC, the DA may, keeping in view activity of dumping and causal injury, define product under consideration, as covering several types / categories of a broader description, and there is no requirement that all the articles falling within scope of PUC need to be internally homogenous.

- (xii) Fertilizer grade ammonium nitrate necessarily has density above 0.83 g/cc, as low density ammonium nitrate is not suitable for use in fertilizer applications. Thus, if the company has produced ammonium nitrate for fertiliser applications, it must necessarily have density above 0.83 g/cc.
- (xiii) None of the interested parties contested the scope of PUC during the second hearing, even after when the Designated Authority posed a specific query with respect to the same. Thus, the scope of PUC is no longer an issue of dispute.
- (xiv) The domestic industry produces the like article to the PUC that is; prilled ammonium nitrate having bulk density above 0.83 g/cc. DFPCL is engaged in production of OPTIFORM, OPTISPAN, OPTIMEX and OPTIBLAST, of which OPTIFROM and OPTISPAN come under the category of like article. In case of STL, Vertex Supreme, Norma and Crystal have high density, and are like to the PUC. The goods produced by the domestic industry are commercially and technically substitutable to the imported goods, and are used by the same users for the same applications. As against the claims of some importers/users, it has been demonstrated during the course of verification that the density of its production, is above 0.83 g/cc. Various evidences were also placed on record in this regard.
- (xv) During the second oral hearing, the opposing parties have accepted that the domestic industry has undertaken production of HDAN. Further, in order to determine density, the produced goods are tested batch-wise and records are being maintained which have been submitted to the Authority and have been duly verified.
- (xvi) The agreements entered into by M/s. DFPCL with its buyers establish that the M/s. DFPCL has supplied high density ammonium nitrate or subject goods during the period of investigation.
- (xvii) A perusal of the WTO Panel Report in US - Lumber V (WT/DS264/R) and argued that when the identical article, solid ammonium nitrate having density above 0.83 g/ml, is available; it is not necessary to consider ammonium nitrate in liquid or melt form as a similar article for defining the like article. Even otherwise, ammonium nitrate in liquid or melt form is not like article to the subject goods, as it is not a commercial substitute for the latter.
- (xviii) Further, in the earlier investigations, the interested parties had argued that ammonium nitrate in melt form is not 'like article' to high density ammonium nitrate in prill form. In this regard, reference was made to the submissions made by M/s. Special Blasts Pvt. Ltd., and M/s. Indian Explosives Ltd., as recorded in the preliminary findings.
- (xix) In the earlier investigations, the Designated Authority had, vide Final Findings dated March 19, 2004, found that ammonium nitrate in melt form was not like article to the solid forms of ammonium nitrate.

C.2 Submissions made by Exporters, Importers, Users and other Interested Parties

9. The submissions made by the exporters, importers, users and other interested parties with regard to product under consideration and like article, and considered relevant by the Authority, are as follows:

- (i) The petitioners do not manufacture the product under consideration.
- (ii) For the classification of the PUC, there is no commercial, legal basis, satisfactory explanation, logical basis or support of any technical literature and the petitioner has failed to provide any rationale for the same.
- (iii) In order to include their product in the category of “HDAN” prills, the petitioner has deliberately misled the DA by prescribing a density of 0.83 g/cc.
- (iv) Even though the bulk density of the subject goods is not a relevant criterion amongst the technical specification of the product, the Petitioner has unnecessarily and arbitrarily created a density-based segregation and classification. Purity, moisture content, PH and not density are the stipulated specifications of ammonium nitrate.
- (v) As per the website of the one of the petitioning companies, STL, the density of LDAN manufactured by it is in the range of 0.75 - 0.85 gm/cc. As soon as this was pointed out by the opposing parties, the same was changed in the website subsequent to the date of hearing. This has been done only to justify their density claim filed in the petition which has no technical significance
- (vi) Density of the subject goods was never a criterion for purchase of ammonium nitrate by the respondent.
- (vii) The plants of M/s. Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Limited (K-1 and K-8) are meant for the manufacture of low density ammonium nitrate, as evident from their Annual Report for the year 2013-14. By prescribing the cut-off limit at density of 0.83 g/cc, the domestic industry has attempted to include low density ammonium nitrate as like article to the product under consideration
- (viii) Ammonium Nitrate, on the basis of density, is not being defined by the ITC HS and customs classification. In fact, the import data provided by the petitioner does not mention any density in the product description.
- (ix) If the present arbitrary definition is accepted and the Anti-dumping duty is imposed, the same will increase the burden of the custom officials and the transaction costs of the importers and it is likely to lead to duty circumvention.
- (x) The petitioners, during the oral hearing, claimed that their product OPTIFORM was tested to have a density above 0.83 g/cc. As per the Annual Report of DFPCL, it is mentioned that they have tried magnesium nitrate as additive and coating agent to improve the quality by which they could reduce complaints in last three quarters. Product tested today for density cannot be representative of the product density existing during POI.

- (xi) Many manufacturing plants that were forced to rely on imported ammonium nitrate in the last decade have customized their handling system for imported prills and now any substitution with agglomerated prills/crystals results in approx. 20 % loss on production capacity per day plus additional cost of sizing.
- (xii) OPTIFORM manufactured by DFPCL has been tested to have a Bulk Density much lower than 0.83 g/cc whereas imported prills are always having a density of 0.94 g/cc and above.
- (xiii) The petitioners have not sold the product mentioned in PUC with density specification in public/customer domain.
- (xiv) There is no evidence in the application for supporting the argument that the product originating from Russia is alike the ammonium nitrate manufactured in India.
- (xv) There is difference in process technologies of both the articles, which directly affects the prime cost of the final product. Same is the case with scope of applicability.
- (xvi) The application doesn't specify any information on the share of product use in India for any other purpose than industrial.
- (xvii) The applicant industry is not manufacturing the entire range i.e. above 0.85g/cc, on which Anti-dumping duties are proposed to be levied, for which, decision in Ammonium Nitrate vs. Union of India &Ors. may be taken into account which notes that DFPCL & STL produces LDAN and not HDAN. Also, the product range of STL also categorically states that their density range is from 0.75 to 0.85g/cc.
- (xviii) The scope of the product under consideration should be re-defined and restricted to "Ammonium nitrate" of prilled, granular, or in other solid form, with or without additives or coating, and having bulk density in excess of 0.83 g/cc but not exceeding 0.85 g/cc."
- (xix) The product should be defined as per nitrogen discharge which should be 34% in fertilizer grade.

C.3 Examination by the Authority

10. The Authority has noted submissions made by various interested parties with regard to scope of the product under consideration and like article offered by the domestic industry. With respect to the product under consideration, the Authority notes:
 - (i) The product under consideration in the present investigation is “Ammonium nitrate” whether prilled, granular, or in other solid form, with or without additives or coating, and having bulk density in excess of 0.83 g/cc, classified under chapter 31 of Customs Tariff Act, 1975 under the sub-heading 3102 30 00.
 - (ii) Ammonium Nitrate, a chemical compound with the formula NH_4NO_3 is composed of nitric acid and salt of ammonia. The nitrogen content exceeds 28% of weight in solid form. In room temperature,

ammonium nitrate appears in a white crystalline colourless form. Its melting point is 169.6 degrees Celsius or 337.3 degrees Fahrenheit.

- (iii) Ammonium nitrate is produced from ammonia and nitric acid, in various forms, such as melt, prills, flakes, granules, lumps, etc. The subject goods are ammonium nitrate in solid form having density above 0.83 g/cc. Ammonium Nitrate in any form having bulk density upto 0.83 g/cc and Ammonium Nitrate in melt or liquid form in any density is beyond the scope of the product under consideration.
- (iv) The subject goods are used in India, predominantly in the manufacture of explosives, such as emulsion explosives, whereas they are used as fertilizers in many other parts of the world. In fact, the interested parties have contended that the product under consideration can be only used for the manufacture of explosives in India.
- (v) As regards scope of the product under consideration, the Authority notes that the product under consideration has been considered based on the facts available before the Authority. In the present case, ammonium nitrate, excluding ammonium nitrate having density equal to or below 0.83 g/cc and Ammonium Nitrate melt is the product under consideration. In market parlance, while the terms “high density” or “low density” may be used, there are no domestic or international standards in this regard. However, a product is being described in market parlance as high or low density ammonium nitrate on the basis of some understanding about the density of the product and that is with reference to the understanding and the users/ consumers. As regards the consideration of 0.83 g/cc as the relevant parameter, the Authority notes that the domestic industry has provided copies of production records, including certificate of analysis of the product. It is noted that the petitioners have produced ammonium nitrite having density above 0.83 g/cc and as high as 0.94 g/cc. It was, therefore, appropriate to consider density as criteria to define PUC.
- (vi) None of the parties have brought to the notice of the Authority that imports having density equal to or below 0.83 g/cc, have been included in the import figures. The Authority also notes that the interested parties had earlier at the time of previous investigation contended that LDAN or Ammonium Nitrate melt cannot be imported. None of the importers or exporters has shown that LDAN or Ammonium Nitrate melt has been imported in India. Even the domestic industry has maintained separate records of production and sale of HDAN, LDAN and AN Melt in the form of brand names being used by the petitioners for producing and selling the product.
- (vii) The Authority, notes that the domestic industry is required to be engaged in production of “like article”, which may be identical in all characteristics to the product under consideration or in the absence of the same, having characteristics closely resembling the imported product under consideration. Thus, absence of identical article produced by the petitioners does not imply that the petitioners are not eligible domestic industry to seek remedy under the law. Authority further notes that none of the interested parties have established with verifiable documents that the goods produced by the domestic industry are not commercially and technically substitutable to the imported goods, and were not used interchangeably. As against the claims of some importers/users, the petitioners have demonstrated during the verification that they produce Ammonium Nitrate of

density higher than 0.83 g/cc and the petitioners have produced and supplied Ammonium Nitrate to those consumers who have also imported the product under consideration from amongst subject countries. There are number of consumers of the product who have bought the subject goods from both the petitioners and exporters from the subject countries to be used for similar application. The like article produced by the domestic industry and product under consideration imported from subject countries are comparable in terms of essential product characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. Consumers can use and are using the two interchangeably. The Authority therefore treats the subject goods produced by the petitioners as 'Like Article' to the subject goods being imported from the subject countries.

(viii) As regards Ammonium Nitrate melt produced by some other Indian producers, the Authority notes that the interested parties even agreed that Ammonium Nitrate melt has not been imported in India during the relevant period, nor the scope of the product under consideration includes Ammonium Nitrate melt. Like article has been defined under Rule 2(d) and provides that like article should either have characteristics identical to the imported product under consideration, or in the absence of the same, another article, which has characteristics closely resembling the product under consideration. When an article most closely resembling the imported product is available, Authority cannot consider another article in the scope of like article. Thus, in this case, when domestic industry produces identical article to article imported into India, the Authority cannot look at another product (Ammonium Nitrate melt) holding characteristics resembling the product under consideration. It is noted in this regard that the interested parties agree that the Ammonium Nitrate melt cannot be imported due to inherent disadvantages associated with its transportation and some of the consumers while buying from other domestic producers even get it converted into solid before transportation. This itself establishes that Ammonium Nitrate melt and product under consideration are not identical in all respect. Thus, the product under consideration in the present investigation is "Ammonium nitrate" whether prilled, granular, or in other solid form, with or without additives or coating, and having bulk density in excess of 0.83 g/cc, classified under chapter 31 of Customs Tariff Act, 1975 under the sub-heading 3102 30 00.

D. Scope of Domestic Industry & Standing

D.1 Submissions made by the Domestic Industry

11. The submissions made by the domestic industry during the course of the investigation with regard to scope of domestic industry & standing are as follows:

(i) The petitioners are the only producers of the like article in India accounting for 100% of the domestic production and therefore they satisfy the criteria for qualifying as "domestic industry" in terms of Rule 2(b) of the Rules.

(ii) Even if ammonium nitrate in melt form is considered to be like article, DFPCL and STL would continue to remain eligible as domestic industry in terms of Rule 2(b) of the Rules as both constitutes “major proportion” of the total domestic production.

D.2 Submissions made by Exporters, Importers, Users and other Interested Parties

12. The producers/exporters/importers/other interested parties during the course of the investigation have made the submission that AN Melt is a like product to the PUC and to the petitioner's product also. The definition of “domestic industry” should be construed keeping in view the producers of AN Melt i.e. GNFC and RCF also. Thus, the initiation itself needs to be reconsidered.
13. As decided by Panel in EC Salmon, any methodology for determining domestic industry that results in wholesale exclusion of a section of the domestic industry cannot be considered as consistent with the WTO.

D.3 Examination by the Authority

14. The submissions made by the interested parties with regard to the scope of domestic industry & standing of the petitioners to file the present petition and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows.

(i) Authority notes that Rule 2(b) provides as

“domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers”.

(ii) With regard to the issue raised regarding standing, the Authority notes that during the spot verification conducted at the premises of the domestic industry, the documents with regard to production of Ammonium Nitrate by the petitioners and density tests of the production routinely conducted by them shows that the petitioners produce Ammonium Nitrate having density above 0.83. Authority also notes that interested parties did not substantiate with evidence that the petitioners do not produce Ammonium Nitrate having density above 0.83. Thus, Authority notes that the goods produced by the petitioners are like article to the imported product under consideration based on the information available before the Authority.

(iii) Ammonium Nitrate melt cannot be included as like article to the imported product under consideration and it is noted that the interested parties themselves have contended that Ammonium Nitrate cannot be imported in melt form. Further, since there is production and sale of solid Ammonium Nitrate having density above 0.83, it is inappropriate to consider another article as like article to the imported product under consideration. Only in a situation where there was no

production of solid Ammonium Nitrate in the country with density above 0.83, Ammonium Nitrate melt could be considered as like article to the imported product under consideration.

- (iv) With regard to AN solids converted out of AN melt, Authority notes, since none of the interested parties provided any verifiable evidence of such production of solid Ammonium Nitrate from AN Melt, the Authority is not in a position to take such AN solid as part of the domestic industry. The Authority is required to examine whether the product constitutes like article to the product under consideration, which is possible only when relevant information has been provided and has been quantified. Since these interested parties have neither quantified the production nor provided any information to establish that it constituted like article to the imported product under consideration, the Authority could not take cognizance of their production.
- (v) As per Anti-dumping Rules, the Authority is required to examine whether (a) domestic producers expressly supporting the application account for more than twenty five percent of the total production of the like article by the domestic industry; and (b) the application is supported by those domestic producers whose collective output constitute more than fifty percent of the total production of the like article produced by that portion of the domestic industry expressing either support for or opposition to the application. The applicants M/s Deepak Fertilizers & Petrochemicals Corporation Ltd. and M/s Smartchem Technologies Ltd., themselves constitute 100% of the total domestic production of the like article
- (vi) The applicants declared that they have neither imported the product under consideration, nor any of their related parties in India have imported the product during the POI. It was further declared that the applicants are not related to any of the importers of the subject goods in India or exporters of the subject goods from the subject countries. None of the interested parties contended that the petitioners are ineligible domestic industry within the meaning of Rule 2(b). The Authority has considered the petitioners as eligible domestic industry within the meaning of Rule 2(b).

15. The Authority thus notes that production by Deepak Fertilizers & Petrochemicals Corporation Limited and Smartchem Technologies Limited account for “a major proportion” of the total domestic production of the subject goods during the POI and constitute domestic industry within the meaning of the Rule 2 (b) and they satisfy the criteria of standing in terms of Rule 5 (3) of the Anti-dumping Rules.

E. Confidentiality

E.1 Submissions made by the Domestic industry

- 16. With regard to the confidentiality, the domestic industry while quoting Rule 7 of the Rules and WTO Panel in its report in the case of Guatemala — Cement II (WT/DS156/R), submitted as follows:
 - (i) Most of the exporters have claimed confidentiality on the information which is not confidential or business sensitive in nature. Also, neither the non-confidential summary/indexed form nor any reason for not providing it has been given.

- (ii) The decisions of the Hon'ble Supreme Court of India and CESTAT make it clear that the claims with regard to confidentiality of the interested parties must be scrutinized; and only such information should be allowed to be claimed confidential, which if revealed, may prejudice the interests of the interested party.
- (iii) While replying to the arguments of the other parties, petitioners submitted that have claimed only such information as confidential, disclosure of which is not possible due to confidentiality of the information and confidentiality of which is permitted under the rules. The authority has factual data on record and can make appropriate assessment of the same. Further, the exporters and consumers are very well aware of the price at which the goods have been exported from subject countries and the correctness of the same can be commented by these parties.
- (iv) Consumption norms of the petitioners are confidential business sensitive information and therefore cannot be disclosed.

E.2 Submissions made by Exporters, Importers, Users and other Interested Parties

17. The submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties with regard to confidentiality and considered relevant by the Authority are as follows:

- (i) Excessive confidentiality has been claimed by the petitioners on a number of details without showing good cause for the same or providing non- confidential summary of the same.
- (ii) Name and addresses of various plants of the petitioners are not being provided and putting the respondents in such a position so that they cannot comment on the alleged injury suffered by domestic industry and the same could be attributed to various regional reasons, such as electricity shortage or water scarcity.
- (iii) With respect to Normal Value, the Petitioners have failed to provide the consumption norms of the DI as used by them for calculation of Normal Value.
- (iv) At one place, the Petitioners have stated that they have considered raw material cost on the basis of the experience of the domestic industry, corroborated by the prices of Fertecon and at another place, CRU Report. The two data sources are not the same and it is confusing whether actual data of the Petitioners has been used or CRU prices have been used or Fertecon prices have been used.
- (v) Utility cost has been taken on basis of experience of the domestic industry while also considering the power rates reported in the World Bank Group Flagship Report. However, the constructed Normal Value states “Price in the Country”. This is vague and misleading.
- (vi) The Petitioners have claimed confidentiality with respect to the calculation of the export price.
- (vii) Due to confidentiality on the provided data on prices, the respondents can't comment on price undercutting.

- (viii) The non-confidential version of the costing information relating to the domestic industry has not been supplied. Moreover, details pertaining to Costing of the applicant industry, Information pertaining to Technical Specifications and Density of the subject goods manufactured have been claimed as confidential in the petition without showing any good cause.
- (ix) Consumption norms used to calculate the normal value have not been provided.

E.3 Examination by the Authority

18. With regard to confidentiality of information, Rule 7 of Anti-dumping Rules provides as follows:-

Confidential information: (1) Notwithstanding anything contained in sub-rules (2), (3) and (7) of rule 6, sub-rule(2) of rule 12, sub-rule(4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.

(2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information.

19. Submissions made by the domestic industry and other opposing interested parties with regard to confidentiality to the extent considered relevant were examined by the Authority and addressed accordingly. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis was directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available the non-confidential version of the evidences submitted by various interested parties in the form of public file. The Authority also notes that all interested parties have claimed their business related information as confidential.

F. Miscellaneous Submissions

F.1 Submissions made by the Domestic industry

20. The miscellaneous submissions made by the domestic industry are as follows:

- (i) With respect to the contention of the interested parties that PT Kaltim Nitrate has not exported the subject goods to the Indian markets, the domestic industry submitted that the imported goods have been cleared under Chapter No. 31, which is applicable for Fertilizers or PUC. In case of imports of LDAN, the description of goods would reflect that it is low-density, and exporter's brand name for LDAN and pril would have been mentioned in the import invoice, which is not so in the case of imports from Indonesia. The exporter needs to adduce positive evidence establishing that it has exported LDAN, in support of its claim for seeking exclusion of its exports to India.
- (ii) The Indonesian plant and machinery can be used for the production ammonium nitrate having density equal to or below 0.83 g/cc and subject goods. There is no dispute that the goods imported from Indonesia have been used interchangeably, with the like article produced by the petitioning domestic industry.
- (iii) Without admitting or accepting the claim of PT Kaltim Nitrate, if the goods produced and exported by them are not subject matter of investigation, they would not be affected by the duties, if any, which may be imposed. They can hence, have no grievance or objection to the present investigations. If in the present investigation, their claim is accepted, they wouldnot have any locus in the proceedings, as they are not an interested party, in terms of the Rules. Petitioner referred to CESTAT's decision in Merino Panel Products Ltd. vs. Designated Authority while arguing this point.
- (iv) M/s PT Kaltim Nitrate, Indonesia has filed a response to the Exporters Questionnaire, on June 21, 2017, at the very fag end of the investigations.
- (v) Certificate of analysis as mentioned by PT Kaltim has not been made available.
- (vi) The exporter from Indonesia had not filed questionnaire response within the stipulated time and is non-cooperative. If it has exported goods other than PUC (Non PUC), it does not have any right to seek termination of the investigation on that basis. The contention of the company is that they have supplied Non PUC, but the same has not been established.
- (vii) With respect to the claim of other parties regarding projected combined capacity, the petitioners submit that the capacities claimed are for various kinds of AN and therefore, these are not only capacities reported but also achievable level of production. A statement showing month by month production during the POI is already on record.
- (viii) The law envisages a situation where separate identification of the production is not possible and provides the methodology that should be followed in such a situation, i.e., the effects of the dumped imports should be assessed by the examination of the production of the narrowest group or range of products, which includes the like product, for which the necessary information can be provided.

- (ix) The production capacities are in respect of AN in different form and therefore un-utilized capacities have been determined on the basis of production of AN in various forms and the capacity with the domestic industry for production of AN in all forms.
- (x) The application proforma doesn't require the petitioner to declare their plant wise and product wise capacities. The application proforma requires the petitioners to provide information in respect of domestic industry as a whole. The application proforma does not require separate information for each constituent of the domestic industry
- (xi) Regarding the claim of other parties about shortage of power and machinery, the petitioners submitted that there was no shortage of power and plant & machinery breakdowns at any point of time. There was a strike in K1 plant of DFPCL for 4 months. However, the plant operated at normal level. In STL, there was a major breakdown for 4 months, which has affected production in STL.
- (xii) Regarding the claim of the interested parties regarding unjust hindrance to the consumers, the petitioner submitted that there is no linkage between capacity with the domestic industry and alleged unjust hindrance to user industries and mining industry. If any exporters/consumers wish to export/import the product and meet the demand of the product in the country, they are free to do so, but not at the dumped prices.
- (xiii) Regarding the contention of the interested parties related to demand and supply gap, the petitioners contended that they have not sought any ban on imports. As held by the CESTAT and repeatedly held by the authority, demand supply gap for the product in the country does not in any manner affect the rights of the domestic industry to seek remedial measures against the dumped imports from subject countries.
- (xiv) With regard to the contention of the interested parties regarding supplying of "their" capacities by the domestic industry, the petitioners submitted that they have clearly provided combined data for determination of capacity utilization for the reason that the same capacity can be utilized for production of different kinds of AN and can be fully utilized to produce AN having density above 0.83 g/cc.
- (xv) Responding to the arguments of the other interested parties, it was submitted that since the imports from Ukraine were below the limits prescribed under Rule 14(d) during the POI, it could not be treated as a subject country.
- (xvi) Regarding contentions of the interested parties that TPM Consultants is not authorized in the present matter, the petitioners submitted that TPM Consultants are duly authorized and copy of authorization letter is already placed on record.
- (xvii) The contentions of the interested parties relating to defects in the domestic industry's product were denied and disputed on the basis that the domestic industry has been engaged in the production and sale of the subject goods for the last several years. If the goods would have been defective, they would not have been consumed in such large volumes.

(xviii) Regarding contention of one of the interested parties that the DFPCL's Industry product is not stabilized, the petitioners submitted that the domestic industry catered to 60% of the demand over the injury period which itself shows that the goods produced by the domestic industry are being consumed in India.

(xix) Introduction of AN Rules 2012 has not led to any distortion and have not affected the demand for the product. When demand declined, profits improved and when the demand increased, profits declined. Thus, the decline in profits of the domestic industry is not due to contraction in demand. Evidently, AN Rules 2012 in any way is irrelevant to the present investigations.

(xx) Regarding the adverse impact of proposed ADD on PSU Consumers, as contended by one of the interested parties i.e. Black Diamond, the petitioners submitted that it is mere statement without any justifications. If the import price of AN for the period is considered, it would be clear that if ADD is imposed, the import price for the product shall still remain below the import prices that were prevailing in 2013-14. Moreover, Black Diamond is not a PSU consumer and therefore, cannot contend about other PSU consumers and should restrict itself to only their operations.

F.2 Submissions made by Exporters, Importers, Users and other Interested Parties

21. The submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties with regard to miscellaneous issues during the course of the investigation are as follows:

- (i) PT Kaltim Nitrate is a manufacturer and exporter of ammonium nitrate with a bulk density of 0.757 to 0.772 g/cc which is specifically excluded from the scope of the subject investigation. Thus, they should be excluded from the scope of investigation, as the same are not within the scope of the PUC.
- (ii) Since there is only one exporter from Indonesia, the current investigation against Indonesia must be terminated immediately.
- (iii) The petition indicates only the combined capacity of the domestic industry, which is not appropriate. .
- (iv) The Authority must conduct on the spot verification and verify the actual capacity of both the Petitioners.
- (v) Petitioners are manufacturers of multiple products and their capacity for production of subject goods should be considered as per the actual dedicated capacity for the production of subject goods and not of various grades of AN.
- (vi) The Petitioners have consistently produced under capacity because of the shortage of power and plant & machinery breakdowns at various points.
- (vii) Considering this capacity as the actual capacity, misrepresents the quantum of AN that can be supplied domestically and would unjustly hinder user industries and mining industry as well.

Explosives are consumed by mining industries which form the backbone of various industries. Thus, ADD won't be in public interest.

- (viii) In order to meet the demand in India, the import of Ammonium Nitrate is absolutely mandatory. Even if the petitioners produce at full capacity, the demand in India can't be met.
- (ix) The petition is deficient on various parameters which calls for terminating the investigation.
- (x) No evidence of adjustments made in export price has been provided
- (xi) The basis on which transaction-wise data received from IBIS has been sorted is not clear.
- (xii) It is impossible to segregate data with respect to bulk density of the PUC on the basis of the IBIS data supplied by the Petitioners. The data is not segregated to exclude imports of AN having bulk density less than 0.83 g/cc and thus, the data is extremely unreliable.
- (xiii) The Petitioner has withheld major exporting countries, in its calculation of 'other countries'. Prior to the implementation of AN Rules, 2012, major quantities of AN were imported into India from Ukraine in loose form.
- (xiv) TPM Consultants are not authorized to make any submissions on behalf applicant industry.
- (xv) The product of the domestic industry is inherently defective.
- (xvi) Information about other producers of Melt and Ammonium Nitrate 'Solid/ Prills have been withheld from the Authority, even when DFPCL, in its Annual Report, claims to have "surpassed" the industry growth.
- (xvii) 1,60,000 tons of AN melt produced by GNFC is converted into AN solid (density ~ 1.0 g/cc) near their plant at Bharuch in Gujarat with the assistance of licensed converters at Bharuch into solid crystalline AN which best fits the classification of PUC and this information is deliberately suppressed by the petitioner.
- (xviii) The petitioners have suppressed vital facts like there is no recent developments which have affected demand or that were no imports between January and July 2013 and the imports and consequently, the demand drastically reduced in the year 2013-14 due to the introduction of AN Rules, 2012.
- (xix) Imposition of Anti-dumping measures would severely impact the PSU consumers of the final product and the national economy.
- (xx) The petitioners have deliberately misrepresented that Ammonia prices have been increasing, which is not the case.
- (xxi) Rustavi Azot does not sell Ammonium Nitrate to India directly and have an agreement with Dreymoor that further sells to other countries. Rustavi is not a party to the commercial negotiations between Dreymoor and its buyers.

- (xxii) JSC Azot procures natural gas at market prices and enjoys a natural cost advantage in using natural gas as a feedstock and with its more efficient production process, is price competitive globally. These factors cannot be the basis for alleging that it is dumping Ammonium Nitrate.
- (xxiii) There is only one transaction of direct sales to India during the POI. This was done at market driven prices. All other sales are done through Dreymoor Fertilizers. JSC is not a party to the commercial negotiations between Dreymoor and its customers.
- (xxiv) In Nov, 2003, Russia was excluded from the list of countries with NME in Indian Customs Tariff Rules, 1995 and later, Indian officials assured Russia that India has already accepted de-facto market status of Russia which was reassured on various occasions.
- (xxv) The list of producers provided by the petitioners along with the density of LDAN, in their written submissions dated 3rd January, 2017, do not have any consistency in the range of density. Moreover, the data given is unsourced, so there is no way of ascertaining its reliability.

F.3 Examination by the Authority

- 22. Various submissions made by the interested parties with regard to miscellaneous issues and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows:
 - (i) As regards termination of investigation against Indonesia, Authority notes that PT Kaltim Nitrate did not file exporter's questionnaire response and merely advanced arguments. However, the company claimed that they have not exported the product under consideration but they did not provide any information whatsoever with regard to the product they have exported in the EQ to enable the Authority to verify their claim that the goods exported by them are beyond the scope of the product under consideration. The Authority notes that in the absence of verifiable information with regard to the goods exported by the company, the Authority cannot satisfy itself with regard to the product exported by them and whether the same falls beyond the scope of the product under consideration. The Authority therefore, could not establish that the imports of Ammonium Nitrate from Indonesia are not Ammonium Nitrate having density above 0.83 g/cc. However, based on the submission filed by them, the Authority notes that the Anti-dumping duty, if levied, will attract duty only against the imports of PUC i.e. ammonium nitrate", whether prilled, granular, or in other solid form, with or without additives or coating, and having bulk density in excess of 0.83 g/cc.
 - (ii) Regarding the combined capacity reported by the petitioners, the Authority notes that the same capacity is utilised for production of subject product and non-subject product Ammonium Nitrate. Therefore, reporting combined capacity and total production is appropriate for the purpose of determination of capacity utilisation. As regards the disclosure of plant-wise capacity and production, the Authority notes that the Authority is required to examine injury to the domestic industry by considering domestic industry as a whole and not injury to a particular constituent of the domestic industry.

- (iii) As regards the contention that the proposed ADD would unjustly cause hindrance to the mining industry and user industries, the Authority notes that if any exporters/consumers wish to import the product and meet the demand of the product in the country, they are free to do so, albeit at un-dumped prices, as the purpose of AD duty is generally to ward off the injurious affect, if any.
- (iv) As regards the contention of the interested parties regarding gap in demand and supply, the Authority notes that the ADD doesn't put restriction on imports rather it just provides a level playing field to the domestic industry and protects it from the dumped products.
- (v) As regards the imports from Ukraine, the Authority notes that the same has been excluded from the ambit of the present investigations as the imports from Ukraine are below the de-minimis level of 3% of total imports.
- (vi) As regards the contention that the product produced by domestic industry is defective, the Authority notes that none of the parties have substantiated their argument with any evidence and therefore these claims have no merits. The Authority also notes that the goods produced by the domestic industry are being consumed in India by a large number of consumers as can be demonstrated by the fact that it catered 60% demand in India, over the injury period.
- (vii) As regards the non-disclosure of the fact that GNFC and RCF are major AN melt manufacturers, the Authority notes that since AN melt is not part of the PUC, it is not desirable to examine the non PUC item and none of the interested parties substantiated their claim with facts.
- (viii) As regards the impact of AN Rules, 2012, the Authority notes that the same has not led to any distortion and have not affected the demand for the product, rather it is demonstrated by the fact that when demand declined, profits improved and when the demand increased, profits declined. Thus, the decline in profits of the domestic industry is not due to contraction in demand.

G. Normal Value, Export Price and Dumping Margin

23. Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:-

- (i) *the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
- (ii) *When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either*
 - (a) *Comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*

(b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

G.1 Submissions by Domestic Industry

24. Following submissions made by the domestic industry with regard to Normal Value:

- (i) Even after making best efforts, the petitioners were not able to gather information relating to domestic sales, in the country of export and thus, were left with no option but to construct the cost of production for the exporter. The CIF Price has been taken from the IBIS data for the POI. The rates of overseas freight are based on the quotation obtained from Seashell Logistics. Inland freight and port charges are estimated based on experience. The same methodology has been widely applied globally and in India also.
- (ii) Ammonia is a marketable product having significant trade globally. In a situation where a producer is backward integrated and is producing ammonia captively, the authority must consider valuation of ammonia in such cases at market price. No discrimination can be created between integrated and non-integrated producer. Further, in a situation where ammonia is a captive input, its valuation based on records of the company may be highly distorted. The authority should therefore establish that ammonia has been valued by such companies at fair market values.
- (iii) There is no requirement of positive evidence in the petition and at the stage of initiation. On the contrary, the requirement of positive evidence is with regard to determination made by the authority and not for the contents of the application. The argument of the parties implies that the Designated Authority can make determination at the stage of initiation itself.
- (iv) The authority may kindly compare consumption norms reported by the petitioners with the consumption reported by the exporters. While petitioners have reported consumption of raw material for entire injury period, exporters have reported consumption norms only for the POI.
- (v) Export price has been determined in accordance with Section 9A of the Customs Tariff Act, 1975. In fact, in the initiation notification, the authority noted that the petition contained sufficient evidence of export price.
- (vi) IBIS data does not report approximate CIF prices. It reports actual CIF prices. Further, the authority may kindly call DG systems data and co-relates the QR of exporters with the DG systems data.
- (vii) Natural gas is not an input for production of the PUC but for production of ammonia which is largely trade-able commodity. There are significant imports of ammonia in the country, which

clearly establishes marketability of ammonia as product. Thus, even if the producers of PUC are backward integrated and are producing their own ammonia from natural gas, the authority is required construct the cost of PUC and by considering the purchase price of ammonia as raw material cost.

- (viii) Natural gas is a major raw material input used for the manufacture of ammonia and nitric acid, and is also used as a source of energy. Majority of gas produced in Russia is by the government controlled Gazprom. Russian Federation domestic gas prices continue to remain artificially low due to the intervention of the Russian government (via the FTS) to fix natural gas prices. Thus, a “particular market situation” prevails in the Russian Federation. The petitioner also referred to the Australian Investigating Authority’s observations in this regard, in the investigations relating to Ammonium Nitrate exported from the Russian Federation either directly or via Estonia. Since the domestic prices of natural gas are not reliable, normal value should be constructed on a reasonable basis.
- (ix) The exporters and producers of the subject goods in Iran, as well as some producers in other subject countries, have not submitted a response to the Questionnaire. In such a situation, an adverse inference must be drawn, on account of non-cooperation by the foreign producer/exporter.

G.3 Submissions made by Exporters, Importers, Users and other Interested Parties

25. The submissions made by the exporters, importers and other interested parties are summarized below:
 - (i) Normal value cannot be constructed for market economy countries i.e. Russia, Indonesia and Iran.
 - (ii) Even by the yardstick of constructing Normal value for a Non-Market Economy (in the case of Georgia), the Petitioners methodology is inconsistent with AD Rules as neither any efforts have been made to obtain data to calculate the normal value for Georgia nor mention of the efforts undertaken by the Petitioners to find the domestic prices in the third country for the purposes of calculating the normal value.
 - (iii) Petitioners have failed to select an appropriate market economy third country or provide details on the manner in which the normal value on the basis of price in India has been arrived at.
 - (iv) Most exporters generate Ammonia from Natural Gas within an integrated Ammonium Nitrate Plant. In such a case, Ammonia is an intermediate product and its direct cost cannot be calculated based on CRU price which is a market price for Ammonia.
 - (v) No positive evidence or the basis on which certain costs were adopted has been adduced by the Petitioners, thus failing the test of evidentiary requirement under the WTO ADA.
 - (vi) The consumption norms of the participating exporter must be considered in the present investigation for determination of normal value.
 - (vii) Basis of export price determination is erroneous.

- (viii) The methodology used for construction of Normal Value is flawed because as the exporters use Natural Gas whereas the petitioners have used Ammonia as a raw material which is a more expensive and inefficient production process; the petitioners have considered their depreciation and their plants have been recently set up, thereby making their cost of depreciation higher as compared to that of the exporters and the capacity of the plants of the exporters is much greater than the petitioners because of which the exporters enjoy economies of scale that decrease their cost of production.
- (ix) Rustavi Azot procures natural gas at prices greater or equal to market prices that are based on those reflected in an International publication. It enjoys a natural cost advantage in using natural gas as a feedstock due to its proximity to vast natural gas reserves and with its more efficient production process, is price competitive globally which cannot be the basis for alleging that it is dumping Ammonium Nitrate
- (x) There are four major producers of AN in Russia and every one of them is a private joint stock company with no government interference.
- (xi) Prices in the gas market in Russia are being determined by correlation of supply and demand and follow the market signals and have nothing to do with the present investigation.
- (xii) Electricity prices in Russia have nothing to do with the present investigation. Distributors and sales companies selling electricity and capacity to industrial consumers except household in retail markets at free market prices. The govt. regulates only some components of the final price in particular services which is conducted in accordance with antimonopoly legislation.
- (xiii) Export prices submitted by petitioners on the basis of IBIS data is not suitable as IBIS Reports contains only approximately CIF/FOB prices and DGAD should base its assumptions on the basis of data submitted by Russian Exporters.
- (xiv) The calculation of constructed normal value is not in consonance with the provisions Article 2.2 of the Antidumping Agreement

G.4 Examination by the Authority

Examination of the Authority

26. Under section 9A (1) (c) normal value in relation to an article means:

- (i) The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article, when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6), or
- (ii) When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the

sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either

- (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
- (b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);

27. The Authority sent questionnaires to the known exporters from the subject countries, advising them to provide information in the form and manner prescribed. However, barring the following producer and exporters, none of the other producers/exporters from subject countries co-operated in this investigation by filing the prescribed questionnaire responses,

- a. Novomoskovskaya (NakAzot), Russia (Producer), EuroChem Trading GmbH, Switzerland (Exporter) and Rawfert Offshore Sal
- b. JSC Azot, Russia (Producer), SBU-Nitrotrate AG and Dreymoor Fertilizers Overseas PTE Ltd., Singapore (Exporter)
- c. Rustavi Azot LLC, Georgia (Producer) and Dreymoor Fertilizers Overseas PTE Ltd., Singapore (Exporter)
- d. Joint Stock Company United Chemical Co. Uralchem, Russia (Producer) And SIA Uralchem Trading, Latvia (Exporter)

28. Since the above mentioned producers/exporters have filed the questionnaire response, the Authority proposes to determine individual dumping margin in respect of cooperative exporters. The general methodology adopted by the Authority for determination of Normal Value for these exporters is to first examine whether the domestic sales of the subject goods by the responding exporters in their home markets were representative and viable for permitting determination of Normal Values on the basis of domestic selling prices and whether the ordinary course of trade test was satisfied as per the data provided by the respondents. Normal value has been constructed based on the best of the Russia Cooperative Producers.

29. In the case of non-cooperating exporters in the subject countries, the Authority proposes to determine the normal value on the basis of facts available in terms of Rule 6 (8) of AD Rules read with Article 6.8 of the Agreement.

30. The Authority proposes to determine the normal value, export price and dumping margin in respect of producers/exporters of the subject goods as follows:

G.4.1 Dumping margin in case of Russia

A. Normal Value of M/s Novomoskovskaya (NakAzot), Russia (Producer),

31. The questionnaire response filed by NakAzot has been examined and it is found that the respondent has provided domestic sales price details of the subject goods in Appendix-1 of their response. It was also noted that the weighted average domestic selling price so determined was more than the weighted average domestic cost of production and the profit making transactions were taken for determination of normal value. Therefore, the Authority has proceeded to determine the normal value based only on the profitable sales in terms of the provisions of Annexure I of the AD Rules. The adjustments on account of packing, inland freight, credit cost claimed by NakAzot has been verified and accepted to the extent found correct. The proposed Normal value of NakAzot so determined works out to US\$ *** per MT.

Export price of M/s Novomoskovskaya (NakAzot), Russia (Producer) and EuroChem Trading GmbH, Switzerland (Exporter)

32. As per the exporter's questionnaire response (EQR), M/s EuroChem Trading GmbH exported the subject goods to the Indian customer M/s Black Diamond through Rawfart, produced by M/s. NakAzot. As per the EQ responses, during the POI, NakAzot has exported subject goods to India through EuroChem Trading GmbH. It is noted by the authority that NakAzot ships the finished subject goods directly to India and only the commercial invoicing is done through M/s EuroChem Trading GmbH and Rawfert Offshore Sal. Adjustment on account of inland freight, overseas freight, packing charges, and credit cost, bank charges has been claimed and the same have been accepted after necessary verification. The authority has also made adjustment of SG&A and profit of trader for determination of export price. The proposed export price has been determined as US\$ *** per MT.

B. Normal Value of M/s JSC Azot, Kemerovo Russia (Producer)

33. The questionnaire response filed by JSC Azot has been examined and it is found that the respondent has provided domestic sales price details of the subject goods in Appendix-1 of their response. It was noted that the weighted average domestic selling price so determined was more than the weighted average domestic cost of production and the profit making transactions were taken for determination of normal value. Therefore, the Authority has proceeded to determine the normal value based only on the profitable sales in terms of the provisions of Annexure I of the AD Rules. The adjustments claimed on account of inland freight and packing cost has been verified and accepted to the extent found correct. As all the transactions were on 100% pre-payment, there was no incidence of credit cost. The proposed Normal value of JSC Azot so determined works out as US\$ *** per MT.

Export price of M/s JSC Azot, Kemerovo Russia (Producer), SBU Nitrotrade AG and Dreymoor Fertilizers Overseas PTE Ltd., Singapore (Exporter)

34. As per the exporter's questionnaire response (EQR), M/s Dreymoor Fertilizers Overseas PTE Ltd exported the subject goods to the Indian customer produced by M/s. JSC Azot from Russia. As per the EQ responses, during the POI, JSC Azot has exported the subject goods to India through SBU Nitrotrade AG and Dreymoor Fertilizers Overseas PTE Ltd. SBU Nitrotrade AG has also directly exported one consignment to the Indian customer. However, It is noted that JSC Azot ships the finished subject goods directly to India and only the commercial invoicing is done through SBU Nitrotrade AG and M/s

Dreymoor Fertilizers Overseas PTE Ltd respectively. Adjustment on account of inland freight, commission packing and overseas freight has been claimed and the same have been accepted after necessary verification. As goods are sold on 100 % pre-payment basis, there is no incidence of credit cost and bank charges. The authority has also made adjustment of SG&A and profit of trader for determination of export price. The Authority found it appropriate to determine the weighted average export price for the exporter/trader produced by JSC (Azot). The proposed weighted average export price has been determined for as US\$ *** per MT.

C.M/s Joint Stock Company United Chemical Co. Uralchem, Russia (Producer)and SIA Uralchem Trading, Latvia (Exporter)

35. As per the exporter's questionnaire response (EQR), M/s SIA Uralchem Trading exported the subject goods to the Indian customer through a Hong Kong based trader who did not file the EQR, produced by M/s. Joint Stock Company United Chemical Co. Uralchem from Russia. In absence of the information from the Hong Kong based trader, authority could not determine individual dumping margin due to incomplete information of exports from producer to Indian customer, the authority treated them as non-cooperative.

All other Producers/Exporters from Russia

36. In respect of all other exporters from Russia who are treated to be non-cooperative, the Authority determined normal value and export price as per facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules. The normal value and export price so determined comes to **US\$ *** /MT and US\$ ***/MT** respectively.

G.4.2 Dumping margin in case of Georgia

37. Rustavi Azot LLC, Georgia filed response to questionnaire. However, after filing initial questionnaire response, the company did not respond to the Authority's request to file complete information. In view of non-submissions of entire information with regard to the cost and relevant information, the Authority treated them as non-cooperative and Normal value for the purpose has been determined on the basis of constructed cost of production, after addition for selling, general & administrative costs and reasonable amount of profits as per facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules. Export price has also been determined as per facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules. The normal value and export price so determined all the exporters/producers comes to **US\$ *** /MT and US\$ *** /MT** respectively.

G.4.3 Dumping margin in case of Indonesia

38. None of the producers/exporters from Indonesia filed the complete response to questionnaire. However, M/s PT Kaltim, Indonesia has filed incomplete EQ response. Therefore, the Authority treated them as non-cooperative. In view of no cooperation from the producers/exporters from Indonesia, the Authority is not able to determine individual dumping margin for producers/exporters and is constrained to proceed with the principles of best available information with regard to determination of dumping margin. In view of non-cooperation of the exporters, the Authority determined normal value and export price as per

facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules. Normal value for the purpose has been determined on the basis of constructed cost of production, after addition for selling, general & administrative costs and reasonable amount of profits. Export price has also been determined as per facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules. The normal value and export price so determined comes to **US\$ *** /MT and US\$ *** /MT** respectively.

G.4.4 Dumping margin in case of Iran

39. None of the producers/exporters from Iran filed response to questionnaire. In view of no cooperation from the producers/exporters of product in Iran, the Authority is not able to determine individual dumping margin for producers/exporters on the basis of their questionnaire response and is constrained to proceed with the principles of best available information with regard to determination of dumping margin. In view of non-cooperation of the exporters, the Authority determined normal value and export price as per facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules. Normal value for the purpose has been determined on the basis of constructed cost of production, after addition for selling, general & administrative costs and reasonable amount of profits. Export price has also been determined as per facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules. The normal value and export price so determined comes to **US\$ *** /MT and US\$ *** /MT** respectively.

G.4.5 Determination of Dumping Margin

40.

| Countries | Russia | Russia | Russia | Georgia | Indonesia | Iran | |
|-------------------|--|---|--|------------------------------------|----------------------------------|-------------------------------------|--------------------------------|
| Exporter/Producer | M/s Novomoskovskaya (NakAzot), (Producer) and EuroChem Trading GmbH, Switzerland (Exporter) through Rawfart Offshore Sel | M/s JSC Azot,Kemerovo (Producer) SBU Nitrotrade AG (Exporter) | M/s JSC Azot, (Producer) through SBU Nitrotrade AG and Dreyemoor Fertilizers Overseas PTE Ltd., Singapore (Exporter) | Other Exporters/Producers (Russia) | All Exporter/Producers (Georgia) | All Exporters/Producers (Indonesia) | All Exporters/Producers (Iran) |
| Normal Value | *** | *** | *** | *** | *** | *** | |

| (US\$/MT) | | | | | | |
|----------------------------|-------------|------|-------|-------|------|-------|
| Net Export Price (US\$/MT) | *** | *** | *** | *** | *** | *** |
| US\$/MT | *** | *** | *** | *** | *** | *** |
| Dumping Margin% | *** | *** | *** | *** | *** | *** |
| Range | (-5)- (-10) | 0-10 | 10-20 | 30-40 | 5-15 | 25-35 |

H. Injury Determination

H.1. Injury Examination

41. The Authority notes that the petition for imposition of antidumping duty has been filed by DFPCL and STL, whose production constitutes a major proportion in Indian production of the subject goods in India. In terms of Rule 2(b) of the Rules, the petitioners have been treated as the domestic industry for the purpose of this investigation. Therefore, for the purpose of determination the cost and injury, information of the petitioners, constituting the domestic industry as defined in Rule 2(b), has been examined.

H.2 Submissions made by domestic industry

42. The following submissions with regard to injury and causal link have been made by the domestic industry:

- (i) The domestic industry has suffered injury due to the severe dumping of the subject goods by the exporters in subject countries. The injurious effect of the dumped imports may be analysed on a cumulatively basis for the subject countries, in view of Para (iii) of Annexure II of the Rules, as the conditions laid down in same are being met in the present investigation.
- (ii) The quantum of imports from subject countries has shown increase of 61% in POI when compared to the base year and an increase of more than 107% as compared to previous year.
- (iii) 2.52% of the total imports appear to have been made from UAE. As per the best available information with the petitioning domestic industry, there are no producers of the subject goods in that country. It appears that these imports are actually trans-shipments from Iran, and thus, may be considered as imports from Iran itself.
- (iv) The market share of the imports has nearly tripled in the POI as compared to 2013-14. The imports from subject countries account for 97% of the total imports entering the Indian markets.
- (v) The imports from the subject countries as a percentage of domestic production increased by 97% in POI as compared to previous year.
- (vi) The demand has increased substantially during the POI as compared to immediately preceding year, and the incremental demand has been met largely by the low priced imports, resulting in a

decline in the market share of the domestic industry. The injury is therefore, on account of the dumped imports.

- (vii) The landed value of imports has also declined by about 14% during the POI as compared to immediately preceding year which has prevented the domestic industry from increasing its prices, in line with the increase in costs. There is significant price undercutting during the POI, and the low price of the imports has had an adverse price effect on the domestic industry.
- (viii) Both the landed value and the net sales realization of the domestic industry have decreased during 2014-15 and the period of investigation but the fall in former is much steeper. As a consequence, the market share of the domestic industry has declined, in spite of offering the subject goods at lower prices.
- (ix) In view of the increased demand, the petitioners were able to increase its production of the subject goods, thereby increasing the overall capacity utilization as well.
- (x) Since it is producing different types of products in one plant, the domestic industry has determined capacity utilization after including production of other products as well. Thus, the Authority, may determine the capacity utilization considering either the production of other products and the total capacity of the plant; or after segregating the capacity of different products on a reasonable basis. Either approach can be adopted in the present case or they shall lead to similar results. The same has been done in several previous investigations.
- (xi) In spite of an increase in the size of the Indian market, the incremental demand has been largely captured by the exporters of the subject countries by selling at dumped prices, affecting adversely growth prospects of the domestic industry.
- (xii) The domestic industry has been losing contracts due to its inability to compete with the low priced imports from the subject countries.
- (xiii) There is significant price effect of the imports, with a price undercutting in the range of 10% to 20% for Russia, Georgia and Indonesia; and 20-30% for Iran during the period of investigation.
- (xiv) The price underselling from the subject countries is in the range of 30% to 40%, which is significant and positive.
- (xv) The profitability of the domestic industry has taken a severe blow as the industry has slid into losses in POI from a situation of profit in 2013-14.
- (xvi) While the net sales realization of domestic industry has increased during the injury period, it is not commensurate with the increase in cost. The losses have increased to colossal levels impacting the ability of the domestic industry to continue production and sale of the subject goods in the long run.
- (xvii) Return on investment is negative and declining further.
- (xviii) The inventories of the domestic industry have increased substantially in the POI as compared to 2012-13.
- (xix) The magnitude of dumping is significant, and warrants imposition of Anti-dumping duties for protecting the domestic industry from the injurious effects of the imports.

- (xx) The future investment in this sector is also marred by the presence of dumped imports from the subject countries. The negative profitability reduced cash flows and no returns clearly indicate that the ability of the domestic industry to raise capital investment for the sector is jeopardized by the dumped imports.
- (xxi) There are no trade restrictive practices on account of which there is injury to the domestic industry. There are also no recent developments which have adversely affected the demand for the product. The like article produced by the domestic industry continues to be used interchangeably with the subject goods. As regards the competition between the foreign and domestic producers, it is submitted that the domestic industry is suffering only on account of unfair trade practices of the exporters in the subject countries. If the imports take place at fair market prices, the domestic industry is in a position to face the competition from the imports.
- (xxii) As regards the export performance, it constitutes a very small proportion (around 1%) of the total sales of the domestic industry and, therefore, has not had any significant impact nor can it be considered to be a cause of injury.
- (xxiii) As regards the productivity of the domestic industry, it has improved during the period of investigation and, therefore, is not a cause for injury.
- (xxiv) As against the contention of the interested parties, the steep fall in market share of the domestic industry from 82% to 55% cannot be referred as stability.

H.3 Submissions made by Exporters, Importers, Users and other Interested Parties

43. The following submissions with regard to injury and causal link have been made by the Exporters, Importers, Users and other Interested Parties:

- (i) The imports have not increased commensurate with the growth of the domestic demand / market when the same has increased in pure quantum. The general increase of product imports from the countries affected by the investigation is due to the increase in demand for the product in India.
- (ii) Imports remained unduly suppressed during 2013-14 and 2014-15 because of the introduction of AN Rules, are merely recovering to levels previous to imposition of the AN Rules, 2012 and have not shown any abnormal increase.
- (iii) Data pertaining to the anomalous intervening years may be disregarded and examination may be done on the basis of the years prior to 2012-13 when imports were relatively stable and the POI (2015-16) when the imports re-stabilized again.
- (iv) Within the period of 2012-15, the product imports from Russia have decreased by 36% in value terms from 117,765 to 77,065 tons in quantitative terms. Imports ratio of product from the Russia has decreased against the total imports by 8% in 2014 as compared to 2014.
- (v) DA should consider injury to GNFC and RCF during POI for making a fair injury assessment to the domestic industry. In particular, the price and volume analysis is to be conducted based on data relating to all domestic producers of the like article or the domestic market.

- (vi) For the determination of Injury margin, the Petitioners' Non-Injurious Price (NIP) should be re-determined for proper comparison with the Landed Value.
- (vii) Economic parameters of the Petitioners show positive growth and are not suffering any price injury. The application doesn't provide any explicit and conclusive explanation stating how the positive trends with the DI can outweigh by several trends under other indices.
- (viii) A uniform price undercutting cannot give rise to such fluctuations in profit.
- (ix) The depreciation of domestic industry has increased significantly in the year 2014-15 without increase in any fixed assets, which is the cause of alleged injury.
- (x) Factors other than dumped imports are causing injury, if any, to the petitioners.
- (xi) The petitioners have been facing issues in the quality of the products.
- (xii) Alleged injury is due to costs incurred towards procurement of Natural Gas by the Petitioners.
- (xiii) Alleged injury is due to the high costs of Litigation of the Petitioners against the Government, to get their natural gas supply restarted
- (xiv) Other factors like volatile energy pricing, coal mining restrictions, implementation of ammonium nitrate rules, inter-se competition between domestic producers of like articles, cheap exports made by the petitioners, shut-down of plant of STL, as mentioned in the Annual Report for the year 2015-16 of the DFPCL, are the causes of the alleged injury,
- (xv) On one hand the petitioners claim in the petition that 'the negative profitability reduced cash flows and no returns clearly indicates that the ability of the domestic industry to raise capital investment for the sector is jeopardized by the dumped imports' and on the other hand, the petitioners are evaluating the possibilities of setting up a new plant.
- (xvi) Ammonium Nitrate import is not permitted under OGL. Since the part of handling cost is necessarily incurred to comply with the mandatory regulatory provisions, DA should consider the regulatory cost heads at port on actual as cost of imports for making injury assessment.
- (xvii) The petitioner has not established existence of dumping, injury and causal link.
- (xviii) The petitioners have not suffered any material injury.
- (xix) Petitioners are making contradicting statements by saying that their sales continue to increase and at the same time, losing contracts due to the import of the subject goods
- (xx) Petitioners are making huge profits as evident by Annual Report for FY 2012-13, 2015-16 and a press release of 21st January issued by DFPCL.
- (xxi) The petitioners abused their dominant position, due to which the importers were forced to pay higher prices of the product under consideration, when the same could have been procured at much lower and reasonable prices from the foreign suppliers.
- (xxii) Despite decline in prices of the major raw material of Ammonium Nitrate, the petitioners have not been able to reduce cost of sales in proportion to the decline in raw material prices.
- (xxiii) The fall in prices of imports is on account of a global fall in the price of natural gas, which is a cheaper feedstock to use than Ammonia for producing AN.
- (xxiv) There is no correlation between inventories and imports.

- (xxv) The application doesn't provide any satisfactory evidence of the dumped imports or products originating from the Russian Federation, of any injury and causal link.
- (xxvi) The applicant has assessed injury based on cumulative data on imports from all countries affected by the investigation but doesn't provide any proof evidencing the potential application of such methodology in the course of investigation.
- (xxvii) There's no price suppression or depression.
- (xxviii) Incorrect Injury assessment has been done on the basis of limited figures provided in the Petition.
- (xxix) Production capacity has remained stable throughout the period considered, while production and capacity utilization increased by more than 125%.
- (xxx) Decrease in the applicant's market share and parallel increase in the market share of imports can be justified by the considerable growth in demand, when the applicant is not capable of cater the domestic market.
- (xxxi) Any negative impact in terms of profitability is not linked to imports from the subject countries, but to the negative evolution of their costs of production.
- (xxxii) The increase in the applicant's costs of production, and the correlated decrease in profitability thereof, is justified by the fact that the Indian government stopped providing raw materials to the applicant industry at subsidized prices.
- (xxxiii) The applicant voluntarily accepted to decrease its profitability, from an accounting point of view, with a view to seek the imposition of Anti-dumping measures in a context of increasing prices and booming demand, so as to yield higher profits in the long-term.
- (xxxiv) Employment and productivity increased considerably over the period considered.
- (xxxv) The Annual Report tends to indicate that the applicant decided to focus on export markets, whereas they are already not in a position to fully supply the whole of the domestic demand for Ammonium Nitrate.
- (xxxvi) The applicant claims that "in order to retain its customers, it is forced to match the lowest price of the subject goods from the alleged dumped sources," This statement is misleading since the applicant has in fact significantly increased its sales volumes, as a positive result of the increase in demand, evidencing that it has no issue maintaining customers and even gaining customers.
- (xxxvii) Any profitability issue must in addition be assessed in light of the situation back in 2012-2013, where the applicant industry was already loss-making, despite any pressure from imports. With the increase in consumption came an increase in competition on the Indian market, which warranted naturally a price decrease.
- (xxxviii) There is no volume or price pressure caused by imports from Russia.
- (xxxix) Without having information of other producers' relating to sales, profitability and cost, no meaningful injury analysis can be done. Without having regard to the information of other producers, injury margin also cannot be determined.

- (xl) The applicant intentionally chose not to provide any details on the other producers of like articles, who sell the subject goods at much cheaper rates compared to the applicant and yet make good profits, the requirements of Annexure II cannot be said to have been met with.
- (xli) Dumping takes place in specific market circumstances i.e. when a new player wants to enter a market, when an established player wants to deter the entry of new entrants, or, when an existing player has excessive inventories. None of the situations exist in the Indian AN market.
- (xlii) India accounts for less than 2.5% of the production of Russian exporters. Thus, the Indian market is too small for them, and hence, the question of dumping is absurd. Further, the exporters sell AN through Dreyemoor Fertilizers, and the prices are fixed based on the global price of AN.
- (xliii) The petitioners have considered 2013-14 as the base year for trend analysis, despite the fact that this was the year AN Rules and bagging requirements were prescribed.
- (xliv) Despite making losses, the petitioners declared a dividend of 50%.
- (xlv) The petitioners are facing injury due to internal competition with the licensed converters converting ammonium nitrate in melt form to solid form
- (xlvi) There is no correlation between imports and profit/losses of the petitioner.
- (xlvii) It wasn't duly analysed why the domestic industry consumption was holding a stable position at the level of 57-82%.
- (xlviii) The production during the investigation period increased by 126%
- (xlix) The employment level and salaries in the domestic industry have demonstrated a stable standing.

H.4 Examination of the Authority

44. The submissions made by the domestic industry and other interested parties during the course of investigations with regard to injury and causal link and considered relevant by the Authority are examined and addressed as below.

A. Cumulative Assessment:

45. Article 3.3 of WTO agreement and Para (iii) of Annexure II of the Anti-dumping Rules provide that in case where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to Anti-dumping investigations, the Authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that:

- a. the margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent (or more) of the import of like article or where the export of individual countries is less than three percent, the imports collectively account for more than seven percent of the import of like article and
- b. Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.

46. The Authority notes that:

- a. The subject goods are being dumped into India from subject countries. The margins of dumping from each of the subject countries are more than the de minimis limits prescribed under the Rules.
- b. The volume of imports from each of the subject countries is individually more than 3% of total volume of imports.
- c. Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate as the exports from the subject countries not only directly compete inter se but also with the like articles offered by the domestic industry in the Indian market.

47. In view of the above, the Authority considers it appropriate to assess injury to the domestic industry cumulatively from exports of the subject goods from the subject countries.

48. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “.... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....”. In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the Anti-dumping Rules.

B. Volume Effect of the Dumped Imports on the Domestic Industry

i. Demand and Volume of Imports

49. The Authority has taken into consideration, for the purpose of the present investigation, demand or apparent consumption of the product in India as the sum of domestic sales of the Indian Producers and imports from all sources. The demand so assessed shows increase throughout the injury period, as is given in the table below:

| Particulars | UOM | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | 2015-16 |
|--|-----------|-----------------|-----------------|-----------------|-----------------|
| Imports from subject countries (dumped) | MT | 1,14,470 | 37,563 | 89,756 | 1,82,033 |
| Imports from subject countries (un-dumped) | MT | - | - | - | 2,000 |
| Imports from other countries | MT | 1,07,261 | 7,788 | 276 | 5,602 |
| Sales of domestic industry | MT | 1,08,614 | 2,16,626 | 2,30,820 | 2,49,775 |
| Total Demand | MT | 3,30,345 | 2,61,977 | 3,20,852 | 4,39,410 |

50. It is seen that the imports of the product under consideration increased in absolute terms from subject countries over the injury period. For the purpose of injury analysis, the un-dumped imports from Russia, that is, imports from M/s Novomoskovskaya (NakAzot), (Producer), through M/s EuroChem Trading GmbH, Switzerland (Exporter) have been excluded.

| Country of Import | UOM | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | 2015-16 |
|-----------------------------------|-----------|-----------------|---------------|---------------|-----------------|
| Georgia | MT | - | - | - | 46,743 |
| Indonesia | MT | - | - | 5,000 | 10,000 |
| Iran | MT | 100 | - | 35,558 | 40,726 |
| Russia (dumped) | MT | 1,14,370 | 37,563 | 49,198 | 84,564 |
| Subject Countries (dumped) | MT | 1,14,470 | 37,563 | 89,756 | 1,82,033 |
| Russia (un-dumped) | MT | - | - | - | 2,000 |
| Subject Countries (Total) | MT | 1,14,470 | 37,563 | 89,756 | 1,84,033 |
| China P RP | MT | - | 79 | 276 | 506 |
| Korea RP | MT | 189 | 209 | - | - |
| U Arab Emnts | MT | - | - | - | 5,096 |
| Ukraine | MT | 1,07,072 | 7,500 | - | - |
| Other Countries | MT | 1,07,261 | 7,788 | 276 | 5,602 |
| Grand Total | MT | 2,21,731 | 45,351 | 90,032 | 1,89,635 |

ii. Market Share in Demand

51. Considering imports from various sources and sales of the domestic industry, market share of subject imports in demand in India was examined. The Authority notes that while the market share of the imports from the Subject Countries increased in POI as compared to base year and previous year. In fact the share of dumped imports from subject countries has been highest in POI during the injury period. It is thus seen that the imports of the product under consideration have increased in relation to consumption in India.

| Particulars | UOM | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | 2015-16 |
|--|-----|----------|----------|----------|----------|
| Total Demand | MT | 3,30,345 | 2,61,977 | 3,20,852 | 4,39,410 |
| Share of subject countries (dumped) | % | 35% | 14% | 28% | 41% |
| Share of subject countries (un-dumped) | % | - | - | - | 0.5% |
| Share of other countries | % | 32% | 3% | 0% | 1% |
| Share of domestic industry | % | 33% | 83% | 72% | 57% |

iii. Market share in imports

52. The Share of imports from subject/other countries are as under:

| Particulars | UOM | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | 2015-16 |
|--|-----|----------|---------|---------|----------|
| Imports from subject countries (dumped) | MT | 1,14,470 | 37,563 | 89,756 | 1,82,033 |
| Imports from subject countries (un-dumped) | MT | - | - | - | 2,000 |
| Imports from other countries | MT | 1,07,261 | 7,788 | 276 | 5,602 |
| Total Imports | MT | 2,21,731 | 45,351 | 90,032 | 1,89,635 |
| Share of imports from subject countries in total imports | % | 52% | 83% | 100% | 97% |
| Share of imports from other countries in total imports | % | 48% | 17% | 0% | 3% |

53. It is seen that the share of dumped imports from subject countries in imports of the product under consideration in India increased substantially over the period. Imports from subject countries accounted for 97% of the total imports in POI.

iv. Share of imports in relation to production

| Particulars | UOM | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | 2015-16 |
|---|-----|----------|----------|----------|----------|
| Imports from subject countries (dumped) | MT | 1,14,470 | 37,563 | 89,756 | 1,82,033 |
| Production of domestic industry | MT | 1,10,209 | 2,20,693 | 2,34,748 | 2,47,479 |
| Share of dumped imports in relation to production | % | 104% | 17% | 38% | 74% |

54. It is seen that the dumped imports from Subject Countries have marginally declined in relation to the production of the domestic industry in POI as compared to base year. However, the dumped imports from subject countries increased in relation to production in the POI as compared to 2013-14 and 2014-15.

C. Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry

55. With regard to the price effect, the Designated Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. For the purpose of this analysis, the weighted average cost of sales (COS), weighted average Net Sales Realization (NSR) and the weighted average Non-Injurious Price (NIP) of the domestic industry have been compared with the weighted average landed cost of imports of the subject goods from the Subject Countries.

Price Undercutting

56. The net sales realization has been arrived after deducting outward freight and taxes. Landed value of imports has been calculated by adding 1% handling charge and applicable basic customs duty including applicable cess to the CIF value of subject imports. The landed value of imports was compared with net sales realization of the domestic industry and it was found that the price undercutting from each of the Subject Countries is positive during the POI. The Authority has determined the landed value of the subject goods at ex-port level and the net sales realization of the domestic industry at ex-factory level as per the established practice.

| Particulars | Landed Value | Selling Price | Price Undercutting | Price Undercutting % | Price Undercutting Range |
|--------------------|--------------|---------------|--------------------|----------------------|--------------------------|
| Russia- (Eurochem) | *** | *** | *** | *** | 10-20 |
| Russia (JSC AZOT) | *** | *** | *** | *** | 20-30 |
| Russia (Residual) | *** | *** | *** | *** | 35-45 |
| Georgia | *** | *** | *** | *** | 20-30 |
| Iran | *** | *** | *** | *** | 20-30 |
| Indonesia | *** | *** | *** | *** | 10-20 |

Price Underselling

57. The Authority notes that the price underselling is an important indicator of assessment of injury. Non injurious price has been worked out and compared with the landed value of the subject goods to arrive at the extent of price underselling. The non-injurious price has been determined considering the cost of production of the domestic industry for the product under consideration during the POI, in accordance with Annexure III of the Anti-dumping Rules. The weighted average NIP and weighted average Landed Value have been worked out and compared. The analysis shows that during the POI the landed value of subject imports were below the non-injurious price of the domestic industry, as can be seen from the table below, demonstrating positive price underselling effect.

Figures in Rs. /MT

| Particulars | Landed Value | NIP | Price Underselling | Price Underselling % | Price Underselling Range |
|-------------------|--------------|-----|--------------------|----------------------|--------------------------|
| Russia (Eurochem) | *** | *** | *** | *** | 10-20 |
| Russia (JSC Azot) | *** | *** | *** | *** | 15-25 |
| Russia (All) | *** | *** | *** | *** | 20-30 |
| Georgia | *** | *** | *** | *** | 15-25 |
| Iran | *** | *** | *** | *** | 15-25 |
| Indonesia | *** | *** | *** | *** | 5-15 |

Price suppression/depression

58. The Authority examined whether the effect of the dumped imports was to depress the prices of the like article in India, or prevent price increases which would have otherwise occurred.

| Particulars | UOM | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | 2015-16 |
|--------------------|------------|----------------|----------------|----------------|----------------|
| Cost of Sales | Rs./ MT | *** | *** | *** | *** |
| Cost of Sales | Indexed | 100 | 104 | 128 | 131 |
| Selling Price | Rs./ MT | *** | *** | *** | *** |
| Selling Price | Indexed | 100 | 111 | 118 | 113 |

59. It is seen that while the cost of production of domestic industry has increased from 100 to 133 from 2012-13 to POI, their selling price increased only from 100 to 113 during the same period. Landed price of the imports increased by 12% over this period. Thus the domestic industry's prices were suppressed on account of dumped imports, as the domestic industry was not able to increase its prices in proportion to increase in its costs.

D. Economic Parameters relating to the Domestic Industry

60. Annexure II to the Anti-dumping Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the Anti-dumping Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.

(i) Capacity, production and capacity utilization

61. Capacity and capacity utilization of the domestic industry over the injury period is given in the following table:-

| Particulars | UOM | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | 2015-16 |
|-----------------------------|------------|----------------|----------------|----------------|----------------|
| Capacity | MT | 4,83,600 | 4,83,600 | 4,83,600 | 4,83,600 |
| Production of subject goods | MT | 1,10,209 | 2,20,693 | 2,34,748 | 2,47,479 |
| Production of other goods | MT | 1,38,135 | 1,30,197 | 96,845 | 1,01,767 |

| | | | | | |
|-------------------------------|-----------|-----------------|-----------------|-----------------|-----------------|
| Total Plant Production | MT | 2,48,343 | 3,50,890 | 3,31,592 | 3,49,246 |
| Capacity Utilization | % | 51% | 73% | 69% | 72% |

62. It is seen that production and capacity utilization of the domestic industry has increased over the injury period.

(ii) Sales volume

63. Sales volume of the domestic industry is given in the following table:

| Particulars | UOM | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | 2015-16 |
|--------------------|------------|----------------|----------------|----------------|----------------|
| Sales | MT | 1,08,614 | 2,16,626 | 2,30,820 | 2,49,775 |
| Sales | Indexed | 100 | 199 | 213 | 230 |
| Demand | MT | 3,30,345 | 2,61,977 | 3,20,852 | 4,39,410 |
| Demand | Indexed | 100 | 79 | 97 | 133 |

64. It is seen that the sales volume of the domestic industry has increased over the injury period. However, with the dumping of the product in the POI, the increase in sales was not commensurate with the increase in demand, even when the domestic industry had capacities available with them.

(iii) Profit/Loss

65. The profitability of the domestic industry is given in the following table:

| Particulars | UOM | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | 2015-16 |
|----------------------------|------------|----------------|----------------|----------------|----------------|
| Profit/(Loss) | Rs./MT | *** | *** | *** | *** |
| Profit/(Loss) | Indexed | *** | *** | *** | *** |
| Profit/(Loss) | Rs.Lacs | *** | *** | *** | *** |
| Profit/(Loss) | Indexed | *** | *** | *** | *** |
| Return on Capital Employed | % | *** | *** | *** | *** |
| Return on Capital Employed | Range | 0-10% | 5-15% | Negative | Negative |

66. It is seen that profitability of the domestic industry declined significantly over the injury period and the domestic industry suffered significant financial losses in POI and preceding year, which led to negative return on capital employed.

(iv) Cash Flow

67. Authority has examined the trends in cash profits in order to examine the impact of dumping on cash flow situation of the domestic industry. Information regarding cash profit of the domestic industry is given in the following table. It is seen that the performance of the domestic industry deteriorated over the injury period and the domestic industry suffered significant cash losses in POI.

| Particulars | UOM | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | 2015-16 |
|--------------|----------|---------|---------|---------|---------|
| Cash Profits | Rs. lacs | *** | *** | *** | *** |
| Cash Profits | Indexed | 100 | 1,086 | (1,277) | (2,667) |

(v) Inventories

68. Inventories with the domestic industry moved as follows:

| Particulars | UOM | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | 2015-16 |
|---------------|---------|---------|---------|---------|---------|
| Average Stock | MT | *** | *** | *** | *** |
| Average Stock | Indexed | 100 | 125 | 293 | 223 |

69. It is seen that average inventories with the domestic industry increased over the period.

(vi) Productivity

70. Authority notes that productivity of the domestic industry, productivity per day as well as per employee increased over the period.

| Particulars | UOM | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | 2015-16 |
|---------------------------|--------|---------|---------|---------|---------|
| Productivity per Day | KG/Day | *** | *** | *** | *** |
| Productivity per employee | KG/Nos | *** | *** | *** | *** |

(vii) Employment and Wages

71. It is seen from that the employment level first increased upto 2014-15 and then declined during the POI. However, wages paid have increased over the period .

| Particulars | UOM | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | 2015-16 |
|-------------|----------|---------|---------|---------|---------|
| Employment | Nos | *** | *** | *** | *** |
| Wages | Rs. Lacs | *** | *** | *** | *** |
| Wages | Indexed | 100 | 142 | 164 | |

(viii) Magnitude of Dumping

72. Magnitude of dumping as an indicator of the extent to which the dumped imports can cause injury to the domestic industry shows that the dumping margins determined in respect of the Subject Countries are above de-minimis and significant, except in the case of exports made by M/s Novomoskovskaya (NakAzot), (Producer), through M/s EuroChem Trading GmBH, Switzerland (Exporter).

(ix) Growth

73. The Authority notes that growth of the domestic industry in respect of profit/loss, ROI, cash profits, market share, inventories was negative, whereas the growth was positive as regards production, sales and capacity utilisation.

(x) Ability to raise capital investment

74. Domestic industry contended that the future investment in this sector is marred by the presence of dumped imports from the subject countries. The negative profitability, reduced and negative cash flows and increased losses however, indicate that the ability of the domestic industry to raise capital investment for the sector will be impacted by persistent dumping, if not addressed.

(xi) Factors Affecting Domestic Prices

75. The examination of the import prices from the Subject Countries and other countries, change in the cost structure, competition in the domestic market, factors other than dumped imports that might be affecting the prices of the domestic industry in the domestic market, etc shows positive price undercutting and underselling effects. Further, the demand for the subject goods has increased over the injury period. Therefore, it cannot be the cause for the decline in domestic prices. Thus, the principal factor affecting the domestic prices is the landed value of the imports of dumped subject goods from subject countries.

I. Conclusion on injury

76. It is thus seen that performance of the domestic industry has deteriorated over the injury period, as summarized below:

- a. Imports from the subject country have increased not only in absolute terms but also in relation to production and consumption in India.
- b. Imports are significantly undercutting the prices of the domestic industry.
- c. Imports are leading to significant price depression in the market.
- d. Performance of the domestic industry has deteriorated in terms of market share, inventories, profits, cash profits, and return on investment.
- e. While the market share of the domestic industry declined in the POI that of imports increased, despite domestic industry having unutilized capacities, due to increase in imports from subject countries.
- f. The injury margin is significant.

77. Thus, various parameters relating to domestic industry collectively and cumulatively establish that the domestic industry has suffered material injury.

J. Causal Link and Other Factors

78. Having examined the existence of material injury, volume and price effects of dumped imports on the prices of the domestic industry, in terms of its price underselling and price suppression, and depression effects, other indicative parameters listed under the Indian Rules and Agreement on Anti-Dumping have been examined to see whether any other factor, other than the dumped imports could have contributed to injury to the domestic industry. Accordingly, the following parameters have been examined:-

- (i) **Volume and value of imports from countries other than the Subject Countries-** Imports from countries other than the subject countries are not significant in volumes as either de-minimis or at higher prices. Imports from third countries are not causing any injury to the domestic industry.
- (ii) **Contraction of demand or Changes in the pattern of consumption-** The Authority notes that despite increased demand for the subject goods in the country, the domestic industry suffers from unutilized capacity. Moreover, the market has not demonstrated any change in the pattern of consumption as well. Therefore, possible contradiction of demand or changes in the pattern of consumption cannot be construed as the cause for injury to the domestic industry.
- (iii) **Development in Technology-** None of the interested parties have furnished any evidence to demonstrate significant changes in technology that could have caused injury to the domestic industry.
- (iv) **Trade restrictive practices and competition between supply from various sources-** The Authority notes that the subject goods are not subjected to any trade restrictive practices in India. Moreover, apart from the competition that is obvious in any market economy, no inter se competition or competition between supplies from various domestic and international sources exhibit any such impact that could be construed as injurious to the domestic industry.
- (v) **Export performance-** Performance of the domestic industry has been segregated for domestic and export market. Therefore, any possible decline in export performance is not a cause of injury to the domestic industry.

K. Factors establishing causal link:-

79. All Parameters enumerated above clearly establish that injury to the domestic industry has not been caused by the other factors. Under such a situation, petitioner submits that the following parameters establish that the injury to the domestic industry has been caused by the dumped imports.

- i. Imports from the subject countries are being dumped in the domestic market at prices lower than domestic industry
- ii. It is evident from the price undercutting and price suppression that the injury suffered by the petitioning domestic industry is on account of the dumped imports from the subject countries. Although the petitioning domestic industry has tried to align its prices and compete with the cheap imports, it has nevertheless lost out on market share.

- iii. Inability of the domestic industry to increase its prices in proportion to the cost led to significant decline in profitability.
- iv. Decline in profits as a result of price undercutting/underselling led to decline in return on investment and cash profits to such an extent that both became negative in the period of investigation. Deterioration in these parameters is therefore due to dumping from the subject countries.
- v. Market share of the imports increased significantly. As a direct consequence of dumping, the market share of the domestic industry declined.

L. Magnitude of Injury And Injury Margin

80. The non-injurious price of the subject goods produced by the domestic industry determined has been compared with the landed value of the exports from the subject country for determination of injury margin during POI. The injury margin determined are as under:-

| S.No | Country | Producer | Exporter | Non Injurious Price Rs/MT | Landed price Rs/MT | Injury Margin Rs/MT | Injury Margin % | Injury Margin Range % |
|------|-----------|---------------------------|---|---------------------------|--------------------|---------------------|-----------------|-----------------------|
| 1 | Russia | Novomoskovskaya (NakAzot) | EuroChem Trading GmbH, Switzerland through Rawfert Offshore Sel | *** | *** | *** | *** | 5-15 |
| 2 | Russia | JSC Azot, Kemerovo | SBU Nitrotrade AG | *** | *** | *** | *** | 15-25 |
| | | | SBU Nitrotrade AG through Dreymoor Fertilizers Overseas PTE Ltd., Singapore | | | | | |
| 3 | Russia | Any | Any | *** | *** | *** | *** | 20-30 |
| 4 | Georgia | Any | Any | *** | *** | *** | *** | 15-25 |
| 5 | Indonesia | Any | Any | *** | *** | *** | *** | 5-15 |
| 6 | Iran | Any | Any | *** | *** | *** | *** | 15-25 |

M. POST DISCLOSURE STATEMENT SUBMISSIONS BY THE INTERESTED PARTIES

M.1 Submissions by Domestic Industry

81. The domestic industry, in its post disclosure submissions has submitted as follows. For the sake of brevity, comments made by the domestic industry, to the extent they are reiterations of the earlier submissions and already dealt with hereinabove, have not been repeated hereunder.

- (i) Certain essential facts, relating to dumping margin, verification of exporters and communications with the exporters have not been disclosed, due to which an effective opportunity to make comments has been denied.
- (ii) The product under consideration and like article has been rightly defined by the Authority.
- (iii) The converters cannot be treated as producers of like article for the reason that (a) such production would not qualify as production of like article, as the product is solidified only for ease of transportation and the product otherwise is ammonium nitrate in melt form, (b) such converters would not qualify as eligible producers within the meaning of Rule 2(b) Anti-Dumping Rules as they are engaged in conversion on job work basis on behalf of the importers. Moreover, even by liberal estimates about the production of these converters, production of such converted Ammonium Nitrate in solid form is quite low and the production of the petitioners shall account for more than 50% even in such a situation.
- (iv) Normal value for Russia is under-estimated. In Russia, the prices of natural gas, which is a major raw material for ammonium nitrate, are regulated by the Government. Therefore, a particular market situation exists in Russia, due to which such prices should not be adopted for calculation of cost of production. The cost of production should be calculated after making necessary adjustments. This is consistent with the views of various investigating authorities across the globe. Furthermore, the exporters concerned have provided no information, document or evidence which could establish that their consumption prices must be accepted.
- (v) The captive inputs, namely, weak nitric acid, should have been considered at market price for the calculation of non-injurious price. Even if market price is not accepted, the cost of production of the captive inputs must be considered. The normated cost of production of the input cannot be used for this purpose. Annexure III provides for normation of only the cost of the like article, and not that of the cost of production of captive inputs. Thus, the proposed adjustment is beyond what is provided for in Annexure III.
- (vi) The non-injurious price has been determined after valuing captive inputs at their cost of production. Further, actual cost of production of such captive inputs has been ignored and normated cost of production of such captive inputs has been considered.
- (vii) The Authority may specify in the Duty Table that the product under consideration attracts duty, regardless of the customs classification under which the goods are being imported.

(viii) The complete description of product under consideration and names of the parties, to which individual dumping margin has been allowed, may be clearly specified in the duty notification, to avoid any evasion / avoidance of Anti-dumping duty.

M.2 Submissions by exporters and other interested parties

82. Following comments have been made by the exporters and other interested parties, in response to the disclosure statement. For the sake of brevity, comments made by the parties, to the extent they are reiterations of the earlier submissions and already dealt with hereinabove, have not been repeated hereunder.

- (i) The Authority has determined the density of the product, with reference to the understanding of the users / consumers. However, as per the understanding of the users, only ammonium nitrate having density above 0.85 g/cc is high density, whereas the product under consideration has been defined as having density above 0.83 g/cc.
- (ii) The Bureau of Indian Standards, United States Patent and Trademark Office and the investigating authorities in United States and European Union, define high density ammonium nitrate as having density above 0.85 g/cc. This is consistent with the findings of the Authority in the earlier investigations.
- (iii) The Disclosure Statement records that the subject goods are used in India predominantly in the manufacture of explosives; whereas they can be used only in the manufacture of explosives.
- (iv) By stating that "*none of the parties have brought to the notice of the Authority that imports having density equal to or below 0.83 g/cc have been included in the import figures*", the Authority has shifted the burden of procurement and sorting the import statistics from the petitioners and Authority to the other interested parties.
- (v) Some of the interested parties have submitted Laboratory Certificates to establish that they have imported ammonium nitrate having bulk density below 0.83 g/cc.
- (vi) The Authority has unduly focused on the inability of Ammonium Nitrate Melt to be imported, since it is not necessary that the like article must be imported.
- (vii) Even in the earlier investigations, when the product under consideration was defined as solid ammonium nitrate of a certain bulk density, /s Gujarat Narmada Valley Fertilizers Company Limited and M/s Rashtriya Chemicals and Fertilizers Limited were considered for the purpose of assessment of injury.
- (viii) The Authority has in certain cases, such as in Napthalene, considered different products within the scope of product under consideration.

- (ix) The injury assessment done is flawed. While the domestic market grew by 33%, the imports catered to only an additional 7% of the market. On the other hand, the sales of the domestic industry recorded a growth of 24%.
- (x) Georgia has exported the subject goods to India for the first time in the period of investigation, while the exports from Russia have witnessed a fall during the period.
- (xi) The imports had declined in 2013-14 due to the introduction of Ammonium Nitrate Rules, 2012. The introduction of Rules affected the allocation of demand between imports and domestic production.
- (xii) While the prices of raw material, that is, ammonia has reduced, the cost of sales of the petitioners has increased, which is highly irregular. The suppression of selling prices is attributable to the decline in the prices of raw material.
- (xiii) The capacity utilization of the domestic industry would have been 80%, had the production of the other goods produced by the same plant remained at the same level in the period of investigation as it was in 2012-13.
- (xiv) In view of the positive price undercutting, it should have been impossible for the domestic industry to gain market share.
- (xv) While the imports from the subject country are packaged in jumbo bags of 900-1000 kg, the domestic industry sells goods in bags of 50kg. For comparison at the same level, the Authority must include packaging costs in the landed value of the subject goods.
- (xvi) Price underselling is calculated for determining injury margin, and cannot be treated as an indicator of injury.
- (xvii) The Authority has noted that the ability of the domestic industry to raise capital investment will be impacted by persistent dumping, if not redressed; whereas the Annual Report of M/s Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Limited reveals that it is evaluating the feasibility of a new plant at Paradip.
- (xviii) There is no correlation between the volume of imports and the profit / loss of the domestic industry. Even when the landed price of the imports was high, the domestic industry still incurred very high losses.
- (xix) While the net fixed assets have reduced over the injury period, there is a significant increase in depreciation.
- (xx) Since the injury analysis is based on the volume of dumped imports, the undumped imports from M/s Novomoskovskaya (NakAzot) must be excluded from the injury analysis.
- (xxi) The Authority's analysis must go beyond mere iteration of the data of the domestic industry.

(xxii) There is no causal link between the dumped imports and the injury to the domestic industry. The Authority noted that imports from other countries were negligible during the period of investigation, and hence, did not cause injury to the domestic industry. However, the fall in imports from other countries is mainly due to the reason that certain supplying countries, like Ukraine, were unable to fulfill the requirements of the Ammonium Nitrate Rules, 2012.

(xxiii) The exporters are using superior technology and natural gas as major input. The domestic industry is facing injury due to the inefficient production technology used.

(xxiv) PT Kaltim Nitrate, Indonesia had submitted its questionnaire response in September, 2016, post which no deficiency letter was issued by the Authority. In addition to the hard copy of the response, electronic copy was sent through email on October 14, 2016. Thus, a blanket rejection of the submissions made by them is unwarranted.

(xxv) Evidence was submitted by PT Kaltim Nitrate, Indonesia and by the importers in India, to corroborate that the goods exported by the former have density less than 0.83 g/cc.

(xxvi) M/s Joint Stock Company United Chemical Company Uralchem, exported the subject goods to India through M/s SIA Uralchem Trading, Latvia, who in turn exported the goods through another exporter / trader namely M/s Sultera Group DMCC, Dubai, UAE, who again in turn exported the goods through another exporter / trader namely, M/s Cosmoss Vu Limited, Hong Kong. Although the ultimate exporter / trader has not filed a response to the Exporter Questionnaire, the invoices and bills of entry were provided as evidence. The price at which the subject goods were cleared by Chinese Customs Authorities should be treated as the export price, in keeping with the provisions of Section 9A(b). Moreover, the law does not require that the value chain must be established. In case the export price is found to be unreliable due to association or compensatory arrangement between exporter, importer or third party, the export price must be construed as the price at which the goods are first sold to an independent buyer, whether located in India or outside India. There is no requirement that the independent buyer must be situated in India. Thus, in case of sales through unrelated trader namely M/s Cosmoss Vu Limited, Hong Kong, to these unrelated entities and goods have been cleared through the Customs territory of Russia. The goods have been sold first to an independent buyer either in India or in Singapore and the same should form basis of calculating Export Price to India. In this context, the practice of the investigating authorities in European Union and the United States was relied upon. Rejection of the export price, is not in consonance with the provisions of Annexure – II of the Anti Dumping Agreement, as well as the past practice of the Authority.

(xxvii) Although the trader Rawfert has not filed a response, an individual dumping margin has been allowed to M/s Novomoskovskaya (NakAzot), who have exported to India through EuroChem Trading GmBH, Switzerland through Rawfert. However, in case of M/s Uralchem, who has exported the subject goods through M/s SIA Uralchem Trading, Latvia, who in turn has exported

the goods through Cosmoss VU Limited, Hong Kong, no individual dumping margin has been allowed on the basis that Cosmoss VU Limited, Hong Kong, has not filed a response.

- (xxviii) In case of M/s JSC Azot, who have exported the goods through M/s SBU Nitrotrade AG, different dumping margin must be calculated for the exports made to India directly and those made through M/s Dreymoor Fertilizers Overseas Pte Limited. Likewise, the injury margin should be separately determined for exports made by SBU-Nitrotrade AG has directly, and those made through M/s Dreymoor Fertilizers Overseas Pte Limited.
- (xxix) Authority may categorically mention that the Final Findings that M/s JSC Azot has exported the product under consideration to India through its related trading company SBU-Nitrotrade AG. SBU-Nitrotrade AG has exported the products to India directly as well as through an unrelated trader, that is, M/s Dreymoor Fertilizers Overseas Pte Limited. Further, the full name of the producer / exporter may be mentioned in the dumping margin, injury margin and duty table.
- (xxx) For determining normal value and export price for goods produced by M/s JSC Azot, the comparison of domestic and export price should be made at the same level of trade, that is, price to domestic consumer and price to Indian consumer must be compared. The price to intermediate trader, that is, M/s Dreymoor Fertilizers Overseas Pte Limited, would always be lower than price to the end consumer.
- (xxxi) Benefit of individual dumping margin and injury margin must be extended only to the channel, on which information has been verified by the Authority.
- (xxxii) M/s Rustavi Azot, Georgia was unable to offer their data for verification due to the procedures of the national bankruptcy laws of Georgia. Apart from the verification, they have fully cooperated with and provided all available information to the Authority.
- (xxxiii) Landed value of imports from Georgia is higher than that of imports from Iran. Accordingly, the injury margin and the dumping margin for Georgia should be lower than that for Iran. However, as per the Disclosure Statement, the dumping margin for Georgia is higher than that of Iran; while the range of injury margin for both the countries is the same.
- (xxxiv) The Essential Facts considered under the Investigation lack sufficient grounds for applying the methodology of establishing a fair value in the meaning of Art.2.2 of the Anti-Dumping Agreement. Application of this methodology with respect to imports of Russian manufacturers is contrary to the WTO rules and regulations
- (xxxv) In violation of Art 3 of the Anti-Dumping Agreement, the materials of the investigation have no evidence of injury to the domestic industry sector, no detailed and convincing explanation of how positive trends in the national industry sector of India can be outweighed by individual trends in terms of other indicators. In addition, there is no evidence of a causal link between the alleged injury to the domestic industry sector of the Goods from the countries under investigation.

(xxxvi) The Authority would kindly recall that EuroChem Group had fully participated in the investigation through its two producers namely Novomoskovskaya (NAK Azot) and Nevinnomyssky Azot (Nevinka) and its trading entity EuroChem Trading GMBH, Switzerland (Zug) (Exporter). The Authority would appreciate that although goods produced by Nevinnomyssky Azot were not shipped to India, they are entitled to the same individual dumping and injury margin as Novomoskovskaya (NAK Azot). It may kindly be appreciated that if the individual treatment is restricted only to the entity which has exported the subject goods to India during the period of investigation, then the other group companies will neither be able to export their goods at the same rate nor would they be entitled to new shipper review in terms of Rule 22.

(xxxvii) It may be recalled that during the period of investigation Zug had sold the subject goods to India through an unrelated exporter namely Rawfert, who had also provided its complete information during the proceedings. Since Rawfert is also a trader, which is not the part of export chain of EuroChem, the Authority may kindly appreciate that EuroChem Group normally exports the subject goods through Zug only.

M.3 Examination by the Authority

83. The Authority notes that most of the submissions are repetitive in nature and were already examined suitably, adequately and appropriately addressed earlier in the disclosure statement. The findings above ipso facto deals with these arguments of the interested parties. Further, the authority has examined submissions of interested parties herein below:

- (i) With regard to the concern raised by the interested parties concerning disclosure of essential facts, it is noted that all relevant information which are not confidential to the concerned applicant, have been disclosed and appropriately been addressed at relevant paras in these findings.
- (ii) Authority has well followed Rule 16 of Custom Tariff Rules, 1995 and issued the disclosure of essential facts in the present matter. All the relevant submissions made by the interested parties are taken into consideration and they were given sufficient time to present facts before the Authority.
- (iii) With regard to the contention that the prices of natural gas in Russia should not be accepted, it is noted that the cost of production has been determined on the basis of the actual books of accounts of the producers, and the same is appropriate for evaluating whether the sales in domestic market have been made in the ordinary course of trade.
- (iv) As regards considering captive inputs at market price, it is to state that in terms of Annexure II of Anti-Dumping Rules, the transfer price of captive inputs is considered at cost price or market price for the determination of NIP, depending upon its treatment in books of accounts on consistent basis. In this case, the company has treated the transfer price of captive Nitric Acid at cost of production in its books, therefore, the contention of domestic industry is not tenable.

(v) The claim of the users that high density ammonium nitrate is understood as having density above 0.85 g/cc is irrelevant to the present investigations. The scope of the product under consideration in the present case is not “high density ammonium nitrite”. The scope of the product under consideration in the present case is ammonium nitrite having a density above 0.83 g/cc. As regards various Indian and international standards defining high density ammonium nitrate, the Authority notes that the product under consideration in the present case is not high density ammonium nitrate. It is ammonium nitrate having density above 0.83 g/cc. Therefore, the standards laid down for high density ammonium nitrate are not relevant for the present purposes.

(vi) As regards the standing, Authority notes that production of the petitioners satisfies the requirement of standing laid down under the law. Since the petitioners themselves satisfy the requirement of standing for the purpose of initiation, it is not mandatory for the Authority to seek the status of other domestic producers. The Authority after examining the information on record and submissions made by petitioners and various interested parties has determined that the petitioner companies constitute domestic industry within the meaning of the Rule 2(b) and the petition satisfies the criteria of standing in terms of Anti-Dumping Rules.

(vii) While the burden of procurement and sorting the import statistics does not rest on the exporters or importers, the exporters could have, with appropriate evidence, rebutted the claims of the domestic industry, with regard to the imports having density above 0.83 g/cc. It is these exporters who have exported the product in Indian market and the importers who have imported the product in Indian market and therefore both these set of entities are very well aware of the product imported in India during the relevant period. However, no such quantified claim has been established by either the exporters or importers.

(viii) Ammonium Nitrate Melt cannot be treated as like article to the product under consideration for the purposes of the present investigations, for the reasons explained in relevant para in the present findings. When an article most closely resembling the imported product is available, there is no cause to consider another article in the scope of like article. Since ammonium nitrate in melt form cannot be treated as like article, there is no rationale for including the producers thereof within the scope of domestic industry. In any case, none of the importers/users have brought any quantified verifiable claim on record to establish that the petitioners lose their standing if production of Ammonium Nitrate Melt is considered.

(ix) The reliance on the case of Naphthalene is inappropriate. The product under consideration is required to be defined by the Authority, having regard to the product being dumped in India. Further, once the product under consideration has been defined, like article must be determined as the product which is identical to the product under consideration, or in the absence thereof, to the most closely resembling product. Different products cannot be included within the scope of like article.

(x) In the context of volume effect, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in the dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. It is observed that the increase in the market share of the domestic industry is on account of the reduction in share of the other countries and is relevant under para (iv) of Annexure-II and not for para (ii) of Annexure-II. The share of the imports from subject countries has increased over the injury period. Moreover, the share of imports from subject countries in relation to the market demand / consumption has also increased over the period. In keeping with the provisions of Annexure-II, dumped imports have increased both in absolute terms and in relation to consumption in India.

(xi) With regard to the price effect, it is clear from the data relating to the domestic industry and imports that the imports are significantly undercutting the prices of the domestic industry. Moreover, the prices of the domestic industry have been suppressed due to the imports. There is an inverse correlation between the profitability of the domestic industry and the imports from the subject countries. As the imports from subject countries increased, the losses suffered by the domestic industry also increased.

(xii) Since the injury analysis has been done on a cumulative basis, in keeping with the requirements of Annexure-II of the Anti-Dumping Rules, the trend of imports from individual subject countries becomes irrelevant for the purpose. It has been contended that price underselling cannot be treated as an indicator of injury. The Authority considers that in a fresh investigation, injury margin is one of the parameters to show injury to the domestic industry.

(xiii) To determine the injury margin has suffered injury duty the dumped imports, rules do not required that each and every parameter specified at para (iv) of Annexure –II must show a deterioration or decline. The Authority is required to consider all parameters collectively and cumulatively and thereafter come to conclusion.

(xiv) As regards the alleged difference in technology, the Authority notes that the Rule require consideration of possible developments in technology. Difference in technology does not mean that the deterioration in performance of the domestic industry is due to the alleged difference in technology.

(xv) As regards the concerned raised for determination of separate dumping and injury margin, authority notes that the verified data of both the traders and exporters have been considered for determination of landed value and net export price and weighted average dumping and injury margin have been arrived. Accordingly, the Anti-dumping duty has been proposed wherever the entire channel has responded and filed the data relevant for the investigation. Where the goods produced by a foreign producer are exported through different channels, a separate dumping margin may not be desirable for each export channel. This is consistent with the past practice of the Authority.

- (xvi) In case of M/s Joint Stock Company United Chemical Company Uralchem, the ultimate exporter / trader, that is, M/s Cosmoss Vu Limited, Hong Kong did not file a response to the exporter questionnaire. Accordingly, the producer and exporter have been treated as non-cooperative.
- (xvii) Some interested parties have contended that Rawfert has not filed a response to the exporter questionnaire. It is however clarified that Rawfert has filed a questionnaire response and the same has been considered by the Authority for the purpose of the present findings.
- (xviii) Some interested parties have contended that the domestic industry has claimed excessive confidentiality. It is clarified that the domestic industry has provided all the information and the same has been adequately and appropriately considered and addressed in the present findings as per Rule 7 of AD Rules. Since some of the information constitutes business sensitive confidential information of the domestic industry, the authority is not bound to disclose such information to the other interested parties.
- (xix) As regards the request for determination of individual dumping margin for the cooperative exporters Novomoskovskaya (Producer) Russia, it is noted since they did not export the product under consideration during the period of investigation, the individual dumping margin could not be assessed in absence of export price. It is also not desirable to consider their request to have the same dumping margin which has been assessed for the related producer Nevinnomyssky Azot (Producer).
- (xx) As regards submissions by Rustavi Azot, Georgia, an individual dumping margin cannot be determined unless the Authority has fully satisfied itself with regard to the accuracy and adequacy of the data / information. Since the exporter was unable to offer its complete data for verification, the Authority is unable to determine individual dumping margin and treated them non-cooperative.
- (xxi) As regards the difference in dumping margin and injury margin between Georgia and Iran, the Authority notes that these are dependent on the normal value, export price and non-injurious price. It would therefore not be appropriate to compare dumping margin and injury margin for the two countries, considering that the normal value and export price may be different which has been determined based on the verified data.

CONCLUSIONS

84. After examining the issues raised and submissions made view expressed in oral hearing, by the interested parties and facts made available before the Authority as recorded in this finding, the Authority concludes that:

- i. The product under consideration has been exported to India from Iran below its normal value, resulting in dumping.
- ii. The domestic industry has suffered material injury due to dumping of the product under consideration from the subject countries.

iii. The material injury has been caused by the dumped imports from the subject countries.

N. Indian Industry's Interest & Other Issues:

85. 70. The Authority recognizes that the imposition of Anti-dumping duties might affect the price levels of the product in India. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the imposition of Anti-dumping measures. On the contrary, imposition of Anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods. The purpose of Anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of Anti-dumping duties, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The Authority notes that the imposition of the Anti-dumping measures would not restrict imports from subject countries in any manner and, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The consumers could still maintain multiple sources of supply.

O. Recommendation

86. After examining the submissions made by the interested parties and issues raised therein; and considering the facts available on record, the Authority concludes that:

- i. The product under consideration has been exported to India from subject countries below their normal values.
- ii. The domestic industry has suffered material injury.
- iii. Material injury has been caused by the dumped imports of subject goods from subject countries.

87. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the domestic industry, exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspects of dumping, injury and the causal link. Having initiated and conducted investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the AD Rules and having established positive dumping margins as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of definitive Anti-dumping duty is required to offset dumping and consequent injury. Therefore, the Authority considers it necessary to recommend imposition of definitive Anti-dumping duty on imports of the subject goods from subject countries in the form and manner described hereunder.

88. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of definitive Anti-dumping duty equal to the lesser of the margin of dumping and the margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, definitive antidumping duty as per amount specified in the table below is recommended to be imposed from the date of the Notification to be issued by the Central Government, on all imports of the subject goods originating in or exported from subject countries.

Duty Table

| S. No . | Sub-Headin g | Description of Goods | Country of Origin | Country of Exports | Producer | Exporter | Duty Amoun t | Unit |
|---------|--------------|--|--|--|---------------------------|--|--------------|----------|
| 1. | 3102 | Ammonium Nitrate Having density above 0.83 g/cc* | Russia | Switzerlan d | Novomoskovskaya (NakAzot) | EuroChem Trading GMBH Through Rawfert Offshore Sal | NIL | USD / MT |
| 2. | -do- | -do- | Russia | Russia | JSC Azot,Kemerovo | SBU-Nitrotrade AG | 11.42 | USD / MT |
| 3. | -do- | -do- | Russia | Singapore | JSC Azot,Kemerovo | SBU-Nitrotrade AG Through Dremoor Fertilizers Overseas Pte Ltd | 11.42 | USD / MT |
| 4. | -do- | -do- | Russia | Russia | Any | Any | 25.00 | USD / MT |
| 5. | -do- | -do- | Russia | Any country other than the subject countries | Any | Any | 25.00 | USD / MT |
| 6. | -do- | -do- | Any country other than the subject countries | Russia | Any | Any | 25.00 | USD / MT |
| 7. | -do- | -do- | Georgia | Georgia | Any | Any | 53.99 | USD / MT |

| | | | | | | | | |
|-----|------|------|--|--|-----|-----|-------|----------|
| 8. | -do- | -do- | Georgia | Any country other than the subject countries | Any | Any | 53.99 | USD / MT |
| 9. | -do- | -do- | Any country other than the subject countries | Georgia | Any | Any | 53.99 | USD / MT |
| 10. | -do- | -do- | Iran | Iran | Any | Any | 60.35 | USD / MT |
| 11. | -do- | -do- | Iran | Any country other than the subject countries | Any | Any | 60.35 | USD / MT |
| 12. | -do- | -do- | Any country other than the subject countries | Iran | Any | Any | 60.35 | USD / MT |
| 13. | -do- | -do- | Indonesia | Indonesia | Any | Any | 26.07 | USD / MT |
| 14. | -do- | -do- | Indonesia | Any country other than the subject countries | Any | Any | 26.07 | USD / MT |
| 15. | -do- | -do- | Any country other than the subject countries | Indonesia | Any | Any | 26.07 | USD /MT |

**Ammonium nitrate" whether prilled, granular, or in other solid form, with or without additives or coating, and having bulk density in excess of 0.83 g/cc, classified under chapter 31 of Customs Tariff Act, 1975 under the sub-heading 3102 30 00.*

89. Landed value of imports for the purpose of this Notification shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and includes all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the said Act.

90. An appeal against the order of the Central Government arising out of this finding shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

INDER JIT SINGH, Addl. Secy. & Designated Authority